खास बात

प्रत्येक कड़कड़ाती बिजली नहीं गिरती, और गिरती भी है तो आवश्यक नहीं कि हम पर ही गिरे।

- कहावत

।। श्री हरिः ।।

नमामि देवी नर्मदे

अमृत दर्शन

RNI No. MPHIN /2004 /13927

वर्ष - 21 अंक - 244

नर्मदापुरम
मंगलवार, 17 जून 2025

● पृष्ठ : 8 ● मूल्य : 1 रुपया

Website : www.amritdarshan.com

नर्मदापुरम का प्रथम हिन्दी दैनिक

संक्षिप्त समाचार

पचमढ़ी में राजनाथ का हेलिकॉप्टर खराब, दूसरे से भरी उड़ान

भोपाल। पचमढ़ी में भाजपा सांसद-विधायकों के प्रशिक्षण वर्ग में आए रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की वापसी के दौरान हेलिकॉप्टर में तकनीकी समस्या आ गई। वे वायुसेना के

जिस हेलिकॉप्टर से आए थे, वह उड़ नहीं सका। जिसके बाद वे वायुसेना के ही दूसरे हेलिकॉप्टर से भोपाल के लिए रवाना हुए। देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह सोमवार को दोपहर 12 बजे से 2.50 बजे तक पचमढ़ी में रहे। वे दोपहर 2.30 बजे हवाई पट्टी पर आकर हेलिकॉप्टर में सवार हो गए थे, लेकिन तकनीकी समस्या के चलते हेलिकॉप्टर को उड़ने में दिक्कत आ रही थी। इसके बाद राजनाथ सिंह को दूसरे हेलिकॉप्टर में बैठाया गया। उन्होंने 2.51 बजे भोपाल के लिए उड़ान भरी। जिस हेलिकॉप्टर में खराबी आई थी, उसमें करीब पौने तीन घंटे सुधार कार्य के बाद शाम करीब 5.30 बजे रवाना किया गया।

मणिपुर में तेंगगोल संगठन के पांच सदस्य गिरफ्तार

मणिपुर। मणिपुर में तनाव के माहौल के बीच उग्रवादी संगठन अरामबाई तेंगगोल के पांच सदस्यों को दो गंभीर मामलों में गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को बताया कि इन पर एक व्यक्ति के अपहरण और दो पुलिसकर्मियों पर हमले का आरोप है। रविवार को संगठन के तीन सदस्यों को इंफाल वेस्ट जिले के पाओबितेक मायाई लाइकाई इलाके से चेसम अब्दुल कादर के अपहरण के मामले में गिरफ्तार किया गया। आरोपियों को कोर्ट में पेश किया गया, जहां से उन्हें 7 दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। अन्य आरोपियों की तलाश जारी है। एक अन्य सदस्य को 12 जून को और एक को 13 जून को गिरफ्तार किया गया। इन पर 9 जून को बिष्णुपुर जिले के नंबोल बाजार में पुलिसकर्मियों पर हमला करने का आरोप है। यह हमला तब हुआ जब पुलिस प्रदर्शनकारियों को तितर-बितर कर रही थी, जो अरामबाई टेंगगोल द्वारा बुलाए गए बंद का समर्थन कर रहे थे। हमले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी सहित दो पुलिसकर्मी घायल हुए थे।

इजराइल ने ईरान पर फिर एयरस्ट्राइक कीसेंट्रल ईरान में हमले

तेहरान/तेल अवीव। इजराइल और ईरान के बीच 13 जून से लगातार चौथे दिन संघर्ष जारी है। इजराइल ने सोमवार

शाम सेंट्रल ईरान पर फिर से एयरस्ट्राइक की। हमले में हुए नुकसान को लेकर अभी कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इजराइल डिफेंस फोर्स ने X पर ईरान पर हमले का एक वीडियो जारी किया। कैप्शन में बताया कि आज सुबह से इजराइली एयरफोर्स ने मिसाइल लान्चर्स से लदे कई ट्रकों को निशाना बनाया, जो तेहरान की तरफ जा रहे थे। इससे पहले इजराइल ने रविवार रात ईरान के विदेश मंत्रालय पर हमला किया था। इसमें 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए।

अंतर्मना उवाच

रोज खुश और प्रसन्न रहना चाहते हो तो, सुबह उठकर अपना चेहरा दर्पण में देखो, और खुद को देखकर मुस्कुराओ..!

आप अपनी सुबह की शुरूआत इस छोटे से कार्य से कर सकते हैं। ***जब सोकर उठो तो माता पिता, गुरू और प्रभु को धन्यवाद दो। फिर अपने आप से कहो कि मैं सौभाग्यशाली हूँ जो मुझे मनुष्य जीवन मिला, अच्छे माता-पिता, धर्म और गुरु की शरण मिली। अन्यथा मैं जन्मों जन्मों से भटक रहा था।*** *जन्म तो मिल रहा था लेकिन ना दिशा थी, ना बोध। मनुष्य जीवन में दिशा भी है, बोध भी है और अच्छा बुरा करने का विवेक भी है। इसलिए* ***मनुष्य जीवन में कोई भी कार्य करो, तो कार्य करने के पहले उसके अंजाम को देख लो फिर वह कार्य करो।*** *जैसे-*

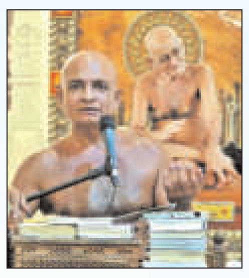

गाली गलौच का अंजाम क्या होगा ..?
मिर्ची ज्यादा खाने से अंजाम क्या होगा ..?
गलत करने का अंजाम क्या होगा ..?

10 मिनट विचारों से मुक्त होकर अपने आप को देखो, खुद से प्रेम करो और खुद की आवाज सुनो.. फिर खुद से कहो- अब ढोंग की नहीं, ढंग की जिंदगी जीना है। दूसरों को नहीं, अब खुद को संभालना है।

दुनिया को संभालते और समझाते-समझाते दांत ढ़ीले हो गये, आँखे मिचमिची हो गई, कान बहरे हो गये, हाथ-पैर लड़खड़ा गये लेकिन परिवर्तन नहीं आ पाया। ***अब स्वयं से शुरुआत करो दिन और परिवर्तन की... वो ऐसा है, वो वैसा है ये सब छोड़ो, ये देखो मैं कैसा हूँ...!!!***

■ अंतर्मना आचार्य श्री प्रसन्न सागर जी महाराज

पचमढ़ी में बीजेपी प्रशिक्षण वर्ग का समापन: रक्षा मंत्री ने सांसदों-विधायकों की ली क्लास

लोकतंत्र में सत्ता स्थाई नहीं होती है, पॉवर में आने पर घमंड न करें-राजनाथ

अनुशासन का पढ़ाया पाठ, प्रेम से बोलो कार्यकर्ता का भाव रखो

नर्मदापुरम ■ अमृत दर्शन

मध्य प्रदेश के हिल स्टेशन पचमढ़ी में आयोजित बीजेपी प्रशिक्षण वर्ग का आज सोमवार को समापन हुआ। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समापन कार्यक्रम में क्लास लेने पहुंचे। उन्होंने सांसद-विधायकों का मार्गदर्शन किया। वहीं कई केंद्रीय मंत्रियों समेत बीजेपी के दिग्गज नेताओं ने भी मार्गदर्शन किया।

सोमवार को केंद्रीय रक्षामंत्री राजनाथ सिंह मध्य प्रदेश के पचमढ़ी पहुंचे। जहां वे बीजेपी के प्रशिक्षण वर्ग के समापन सत्र में शामिल हुए। उन्होंने भाजपा सांसदों-विधायकों की क्लास ली। रक्षा मंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि कर्तव्य का पालन करना सबसे आवश्यक है और किसी भी स्थिति में अधिकार की ओर भागना नहीं चाहिए।

राजनाथ सिंह ने जोर देते हुए कहा कि ईमानदारी से काम करना चाहिए और राष्ट्र का विकास तभी संभव है जब तुष्टिकरण की राजनीति से बचा जाए। उन्होंने कहा कि हम रहे या न रहें देश हमारा हमेशा रहना चाहिए, जिससे देशभक्ति और समर्पण की भावना झलकती है।

रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि लोकतंत्र केवल सत्ता का माध्यम नहीं, बल्कि जनकल्याण का संकल्प है। जनप्रतिनिधियों को चाहिए कि वे नीतियों में जनआकांक्षाओं की स्पष्ट अभिव्यक्ति सुनिश्चित करें और राष्ट्रहित को हर निर्णय का केंद्र बिंदु बनाएं। वहीं प्रशिक्षण में कई केंद्रीय मंत्रियों समेत बीजेपी के दिग्गज नेताओं ने सांसद विधायकों का मार्गदर्शन किया। आपको बता दें कि पचमढ़ी के होटल ग्लेन व्यू में तीन दिवसीय बीजेपी प्रशिक्षण वर्ग आयोजित किया गया। 14 जून को केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन किया था। उन्होंने नेताओं को गलत बयानबाजी से बचने की सख्त हिदायत दी थी और कहा था कि एक बार गलती हो सकती है, लेकिन दोबारा नहीं। वहीं 16 जून यानी आज प्रशिक्षण के समापन सत्र में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ ने शिरकत की।

संगठन द्वारा सौंपे गए हर कार्यो को हम पूरी निष्ठा से संपन्न करते हैं- डॉ. मोहन यादव

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी संगठन द्वारा सरकर का या संगठन का जो भी दायित्व हम कार्यकर्ताओं को सौंपा जाता है, हम लोग उसे पूरी ईमानदारी व निष्ठा के साथ पूर्ण करते हैं। व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण की परम्परा एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति के चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करके राष्ट्र के निर्माण में योगदान दिया जाता है। यह प्रक्रिया व्यक्ति को समाज में एक जिम्मेदार नागरिक बनाती है और व्यक्ति राष्ट्र निर्माण में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जब व्यक्ति अपने चरित्र, मूल्यों और क्षमताओं का विकास करते हैं, तो वे समाज में सकारात्मक परिवर्तन लाने में मदद कर सकते हैं। मध्यप्रदेश में श्रद्धेय कुशाभाऊ ठाकरे, भारत रत्न श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी एवं स्वर्गीय राजमाता सिंधिया ने अलग पहचान बनाकर पार्टी के विस्तार में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

ऑपरेशन सिंदूर में सेना ने पराक्रम दिखाकर इतिहास रचा - वीडी शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष व सांसद विष्णुदत्त शर्मा ने सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि यह हम सभी को गौरवान्वित करने वाला क्षण है कि आज हमें भाजपा के वरिष्ठ नेता व केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह का मार्गदर्शन मिला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में ऑपरेशन सिंदूर के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी ने रक्षा विशेषज्ञों के साथ स्वदेशी रक्षा सामग्री का प्रयोग कर एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। देश की सेनाओं और स्वदेशी मिसाइलों ने ऑपरेशन सिंदूर में पराक्रम दिखाकर इतिहास रचा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में तीनों सेनाओं ने पाकिस्तान में घुसकर आतंकवाद को नेस्तानाबूत करने का काम किया है। आज रक्षा क्षेत्र में भारत को दूसरे देशों पर निर्भर रहने की आवश्यकता नहीं है, हमारी सेनाएं और रक्षा उपकरण स्वदेशी होने के साथ ही आधुनिक भी हैं।

रक्षाबंधन पर लाड़ली बहनों को दिये जायेंगे 250 रूपये अतिरिक्त: सीएम

बरेली में किया 138.96 करोड़ के 45 विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमि-पूजन

भोपाल ■ विसं

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि हमारा मध्यप्रदेश अब तेजी से आगे बढ़ रहा है। विकास की यह गति हम थमने नहीं देंगे। विकास की हर बात पर सरकार नागरिकों से कदम से कदम मिलाकर काम करेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि आगामी रक्षाबंधन के अवसर पर प्रदेश की सभी लाड़ली बहनों के खाते में 1500 रूपये की राशि अंतरित की जायेगी। जिसमें योजना की तय राशि 1250 रूपये के अलावा 250 रूपये रक्षाबंधन पर उपहार के रूप में दिये जायेंगे।

उन्होंने कहा कि सबके सहयोग से अगले पांच साल में हम मध्यप्रदेश की तस्वीर बदल देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव सोमवार को रायसेन जिले की बरेली में विभिन्न विकास कार्यों के लोकार्पण एवं भूमिपूजन कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्वास्थ्य विभाग के निर्माण कार्यों सहित कुल 138.96 करोड़ की लागत वाले विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। मुख्यमंत्री ने चयनित हितग्राहियों को विभिन्न शासकीय योजनाओं के हितलाभ भी वितरित किए।

बरेली विकास के पथ पर है अग्रसर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश विकास के नए-नए कीर्तिमान गढ़ रहा है। मध्यप्रदेश के साथ बरेली क्षेत्र पर छींद वाले हनुमान जी महाराज की असीम कृपा है। कृषि संपन्न बरेली क्षेत्र भी विकास के पथ पर अग्रसर है। गांव-गांव को सड़क से जोड़ने के लिए पूर्व प्रधानमंत्री स्व. अटल बिहारी वाजपेयी ने प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना की शुरू की थी। तब विरोधी लोग कहते थे कि गांव में सड़क की क्या जरूरत है, वहां तो बैलगाड़ी चलती है। दूरदर्शी नेतृत्व के धनी स्व. अटलजी ने देश को स्वर्णिम चतुर्भुज योजना की भी सौगात दी, जिसका लाभ आज पूरे देश और नर्मदांचल को भी मिल रहा है।

वर्ष 2027 में 2 चरणों में पूरी होगी प्रक्रिया

गृह मंत्रालय ने जनगणना के लिए जारी की अधिसूचना

नई दिल्ली ■ एजेंसी

सरकार ने देश में आगामी जनगणना कराने के लिए अधिसूचना जारी कर दी है। केंद्रीय गृह मंत्रालय द्वारा सोमवार को जारी अधिसूचना में कहा गया है कि जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश को छोड़कर देश भर में जनगणना की संदर्भ तिथि एक मार्च 2027 होगी जबकि बर्फबारी से प्रभावित जम्मू कश्मीर, उत्तराखंड, लद्दाख और हिमाचल प्रदेश मैं संदर्भ तिथि एक अक्टूबर 2026 रहेगी। इस बार जनगणना में जाति गणना भी की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री अमित शाह ने अधिसूचना जारी किये जाने से एक दिन पहले रविवार को केंद्रीय गृह सचिव, महापंजीयक और जनगणना आयुक्त तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारियों के साथ आगामी जनगणना की तैयारियों की समीक्षा की थी।

गृह मंत्रालय के अनुसार जनगणना दो चरणों में की जाएगी। पहले चरण यानी घरों की सूची तैयार करने के ऑपरेशन

(एचएलओ) में प्रत्येक घर की आवासीय स्थिति, संपत्ति और सुविधाओं का विवरण एकत्र किया जाएगा। इसके बाद, दूसरे चरण यानी जनसंख्या गणना (पीई) में प्रत्येक घर में प्रत्येक व्यक्ति की जनसांख्यिकीय, सामाजिक-आर्थिक, सांस्कृतिक और अन्य जानकारी एकत्र की जाएगी। जनगणना गतिविधियों के लिए लगभग 34 लाख गणनाकार और पर्यवेक्षक तथा लगभग एक लाख 30 हजार जनगणना कार्यकर्ता तैनात किए जाएंगे। यह जनगणना शुरू से अब तक की 16वीं और स्वतंत्रता के बाद की 8वीं जनगणना है। आगामी जनगणना मोबाइल एप्लीकेशन का उपयोग करके डिजिटल माध्यम से की जाएगी।

पीएम मोदी को साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान, अब तक 20 से ज्यादा देश कर चुके सम्मानित

निकोसिया ■ एजेंसी

साइप्रस का सर्वोच्च सम्मान पाने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा, मुझे विश्वास है कि आने वाले समय में हमारी सक्रिय भागीदारी नई ऊंचाइयों को छुएगी। साथ मिलकर हम न केवल अपने दोनों देशों की प्रगति को मजबूत करेंगे, बल्कि एक शांतिपूर्ण और सुरक्षित वैश्विक वातावरण के निर्माण में भी योगदान देंगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को साइप्रस के सर्वोच सम्मान से नवाजा गया है। साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस ने प्रधानमंत्री मोदी को साइप्रस के सर्वोच सम्मान ग्रैंड क्रॉस ऑफ द ऑर्डर ऑफ मकारियोस ढ्ढढ्ढढ्ढ से सम्मानित किया। ऑर्डर ऑफ मकारियोस तृतीय साइप्रस की ओर से प्रदान किया जाने वाला नाइटहुड सम्मान है, जिसका नाम साइप्रस के प्रथम राष्ट्रपति आर्कबिशप मकारियोस तृतीय के नाम पर रखा गया था।

इससे पहले मार्च में मॉरीशस के प्रधानमंत्री नवीनचंद्र रामगुलाम ने पीएम मोदी को अपने सर्वोच नागरिक पुरस्कार द ग्रांड कमांडर ऑफ द ऑर्डर ऑफ द स्टार एंड की ऑफ द इंडियन ओशन से सम्मानित किया था। यह सम्मान प्रधानमंत्री मोदी को भारत और मॉरीशस के बीच संबंधों को मजबूत करने के लिए उनके योगदान के लिए दिया गया था। मोदी इस सम्मान को प्राप्त करने वाले पहले भारतीय हैं। यह 21वां अंतरराष्ट्रीय पुरस्कार था, जो प्रधानमंत्री मोदी को किसी अन्य देश द्वारा दिया गया है। इसके बाद अप्रैल में श्रीलंका की सरकार ने प्रधानमंत्री मोदी को श्रीलंका मित्र विभूषण सम्मान से सम्मानित किया था। श्रीलंका की सरकार यह सम्मान उन देशों के राष्ट्राध्यक्षों को देती है, जिनके श्रीलंका के साथ अच्छे संबंध होते हैं

भोपाल। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने अपने जन्मदिन पर ''एक पेड माँ के नाम'' अभियान के तहत पंडित खुशीलाल शर्मा, आयुर्वेद महाविद्यालय के निकट लाल ग्राउंड में 101 पौधे रोपे। सूर्यवंशी ने अहमदाबाद में हुई हृदय विदारक दुर्घटना के कारण अपने जन्मदिन पर किसी प्रकार का सार्वजनिक कार्यक्रम आयोजित नहीं करने की अपील भी अपने शुभ चिंतकों से की और पर्यावरण संरक्षण के प्रति संकल्पित रहते हुए अपने शुभ चिंतकों के साथ पौधरोपण किया। निगम अध्यक्ष किशन सूर्यवंशी ने सोमवार को अपने जन्मदिन पर भगवान भोलेनाथ की पूजा-अर्चना के उपरांत अपने शुभ चिंतकों के साथ पौधरोपण किया।

अब हाथियों की भी होगी अपनी एक पहचान

मध्यप्रदेश में आईडी कार्ड लटका कर घूमेंगे हाथी

भोपाल ■ निसं

मप्र टाइगर और लैपर्ड स्टेट के रूप में प्रसिद्ध रहा है। प्रदेश के टाइगर रिजर्व में बाघों की पहचान और उनके व्यवहार के आधार पर कई बाघों को नाम भी दिया जाता रहा है, लेकिन अब इससे आगे बढक़र मध्य प्रदेश वन विभाग जंगलों में घूम रहे एक-एक जंगली हाथी की आईडी बनाने जा रही है। इसके लिए एलीफेंट आईडी परियोजना शुरू की गई है। इसमें सभी नर और मादा हाथियों की तस्वीर खींची जाएगी और इसके आधार पर उनकी पहचान निर्धारित कर उनकी आईडी तैयार की जाएगी।इसमें हाथी की फोटो भी होगी।

प्रदेश के जंगलों में हाथियों की संख्या बढ़ रही है। ओडिशा से छत्तीसगढ़ होते हुए मध्य प्रदेश के जंगलों में हाथियों का झुंड पहुंचा और बाद धीरे-धीरे अब यह प्रदेश के जंगलों में ही रूक गए। प्रदेश के बांधवगढ़ नेशनल पार्क में हाथियों का झुंड लंबे समय से घूम रहा है। हालांकि वन्य जीव विशेषज्ञ हाथियों के इस मूवमेंट का पुराना कॉरिडोर बताते हैं। प्रदेश के टाइगर रिजर्व में बढ़ती हाथियों की संख्या को देखते हुए अब वन विभाग इन सभी हाथियों की एलीफेंट आईडी बनाने जा रही है। यह आईडी ठीक वैसी ही होगी, जैसी बाघों की पहचान के लिए उनकी आईडी बनाई जाती है।

इसलिए बनेगा हाथियों का आईकार्ड: दरअसल, मध्य प्रदेश में हाथियों की संख्या बढने् के साथ ही उनका अलग-अलग क्षेत्रों में मूवमेंट बढ़ रहा है। हाथियों की आइडी बनाए जाने के बाद वन विभाग को यह पहचान करना आसान होगा कि कौन हाथी किस झुंड में है और वह किस लोकेशन में है।

इस तरह बनाई जाएगी हाथियों की आईडी

वन्यजीव विशेषज्ञ सुदेश वाघमारे बताते हैं कि जिस तरह बाघों की पहचान कुछ विशेष लक्षण देखकर की जाती है, इसी तरह हाथियों की आईडी भी कुछ विशेष लक्षणों को देखकर तैयार की जाती है। बाघों की पहचान उनके शरीर पर पीली काली पट्टियों को आधार पर तैयार की जाती है, क्योंकि जिस तरह हर इंसान के उंगलियों की रेखाएं अलग-अलग होती है, इसी तरह टाइगर के शरीर की रेखाएं भी अलग होती हैं। इसी तरह जब हाथियों की आईडी बनाई जाती है, तो उसके लिए हाथियों के सिर, कान, पूंछ और पीठ की तस्वीरें ली जाती है। हाथियों के इन अंगों की तस्वीरों के आधार पर उनकी कम्प्यूटर के माध्यम से एक खास आईडी तैयार की जाती है। इसके बाद हर हाथी को एक कोड नंबर दिया जाता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रांसपोर्ट कारोबारी के निर्माणाधीन मकान से चोरी, संदेही को तलाश रही पुलिस

भोपाल। देहात क्षेत्र में स्थित बिलखिरिया थाना इलाके में ट्रांसपोर्ट कारोबारी के निर्माणाधीन मकान से हजारो का माला चोरी हो गया। वारदात में एक संदेही का नाम सामने आया है, जिसकी तलाश पुलिस कर रही है। थाना पुलिस के अनुसार शैलेंद्र चौहान पिता जगदीश चौहान (34) ने अपनी शिकायत मे बताया की वह पिपलानी क्षेत्र में स्थित आनंद नगर, बिजली कॉलोनी में रहते हैं। उनका ट्रांसपोर्ट का कारोबार है। बायपास पर स्थित कस्तूरी कोर्टयार्ड कॉलोनी में उनके मकान का निर्माण का कार्य चल रहा है। यहाँ देखरेख के लिए उन्होनें मोंटी सोलंकी नामक युवक को रखा हुआ है। बीते दिन शैलेंद्र वहां पहुंचे तो उन्हें पता चला की पास में अन्य प्लॉट पर काम करने वाला हेमराज ठाकुर उनके निर्माणधीन मकान से 4 जून को लोहे की ग्रिल और पानी की मोटर ले जाते हुए दिखा था। शिकायत की जांच के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। चोरी गये माल की कीमत 10 हजार रुपये बताई गई है।

तेज स्पीड से आ रहे ट्राले तीन मवेशियों को कुचलकर मार डाला

भोपाल। देहात क्षेत्र में स्थित नजीराबाद थाना इलाके तेज रफ्तार ट्राला ने सड़क पर खड़े तीन मवेशियों को कुचलकर मार डाला। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने ट्राला चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस के अनुसार घटना 14 जून की रात साढ़े ग्यारह बजे हुई थी। शिकायत करने वाले यश गौर पिता रमेश बाबू गौर (27) ने पुलिस को बताया की वह ग्राम बहराबल का रहने वाला है। घटना के समय वह दुकान पर था। तभी वाहन 22 पहियो वाला ट्राला नंबर एमपी-08-जेडडी-7260 का चालक तेजी से वाहन चलाते हुए आया और उसने एक गाय और दो बछड़ों को जोरदार टक्कर मार दी। ट्राले की चपेट में आकर तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। जानकारी लगते हुए ग्रामीण मौके पर पहुंचे गए थे।

ठेला लगाने वाले युवक का बदमाशों ने मोबाइल झपटा

भोपाल। गौतम नगर इलाके में स्थित आरिफ नगर में आइसक्रीम का ठेला लगाने वाले युवक से बाइक सवार बदमाशों ने मोबाइल झपट लिया। शिकायत मिलने पर पुलिस केस दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार रामचंद्र शर्मा (28), निवासी रंभा नगर गौतम नगर ने पुलिस को बताया कि वह सिंधी कॉलोनी चौराहे पर मेवाड़ा आइसक्रीम का ठेला लगाते हैं। बीती 8 जून की रात करीब 2 बजे वह अपनी आईसक्रीम की ठेला गाड़ी आरिफ नगर पार्किंग में खड़ी करके वहीं सांची पार्लर के पास बैठकर मोबाइल चलाने लगा। तभी बाइक सवार एक अज्ञात लड़का वहां आया और रामचन्द्र के हाथ से मोबाइल छीनकर भाग निकला।

गलतफहमी के चलते युवक ने पड़ोसी पर को चाकू मारा

भोपाल। शहर के कमला नगर थाना इलाके में गलतफहमी के चलते पड़ोसी ने चाकू मारकर उसे गंभीर रुप से घायल कर दिया। बताया गया है कि दोनों के मकान की दीवारें मिली हुई है। घायल किसी बात अपने बच्चों को डॉटते हुए गाली-गलौज करते कर रहा था। आरोपी पड़ोसी को लगा कि वह उसे गालियां दे रहा है। इसी गलतफहमी के चलते उसने आव देखा न ताव और चाकू लेकर पड़ोसी पर हमला कर दिया। थाना पुलिस के अनुसार घायल अर्जुन मेहरा बयान देने की स्थिति में नहीं था।

अब ऑनलाइन काम-काज करेंगे विधायक

डिजिटल होगी विधानसभा: ई-ऑफिस से ई-विधान तक सबकुछ होगा ऑनलाइन

भोपाल ■ निसं

मप्र विधानसभा का मॉनूसन सत्र जुलाई माह के आखिरी सप्ताह में होने की उम्मीद है। इसको लेकर विधानसभा अध्यक्ष नरेन्द्र सिंह तोमर और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव चर्चा कर विधानसभा के मॉनसून सत्र के संबंध में निर्णय करेंगे। उधर विधानसभा सचिवालय विधानसभा में ई-विधान को लेकर तैयारी कर रहा है। इसके लिए कंप्यूटर और अन्य इलेक्ट्रिक उपकरण की खरीदी की जा रही है। ई-विधान के तहत प्रदेश के विधानसभा की पूरी कार्यवाही डिजिटल हो जाएगी। इसमें विधानसभा से जुड़ी कार्यवाही की पूरी जानकारी और दस्तावेज विधायकों को ऑनलाइन ही उपलब्ध कराई जाएगी। विधायकों को प्रश्न से जुड़े जवाब, विधानसभा में पेश होने वाले बिल, अलग-अलग विषयों पर होने वाली डिबेट से जुड़ी जानकारियां भी डिजिटली मिलेंगी। विधायकों द्वारा लगाए जाने वाले सवालों के तमाम जवाब ऑनलाइन ही मगाए जाएंगे। इसको लेकर सभी विभागों को इसके संबंध में निर्देश दे दिए गए हैं। विधानसभा सचिवालय के प्रमुख सचिव अवधेश प्रताप सिंह के मुताबिक ई विधान को लेकर प्रक्रिया चल रही है।

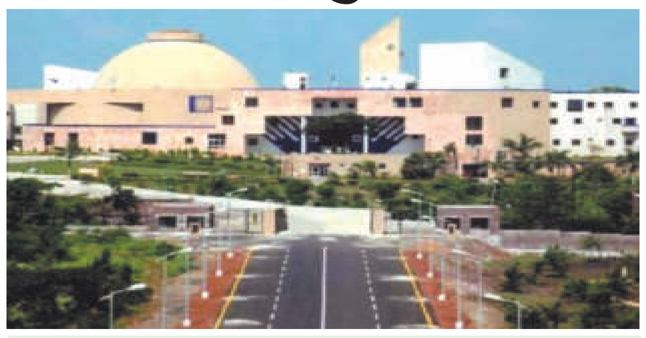

विधानसभा को दी जाएगी ट्रेनिंग

ई विधान लागू करने के पहले सभी विधायकों को इससे जुड़ी तकनीकी जानकारियों से रूबरू कराया जाएगा। इसके लिए विधानसभा के मॉनसून सत्र में सभी विधायकों के लिए ट्रेनिंग कैंप लगाया जाएगा। इसमें विधानसभा की कार्यवाही से फ्री होने के बाद विधायक ई विधान के तकनीकी पहलुओं की ट्रेनिंग ले सकेंगे। यह सब मशक्कत ऑनलाइन वर्किंग के लिए ट्रेड करने की है। प्रयास है कि सदन का पूरा काम-काज ऑनलाइन हो। पेपरलैस वर्किंग हो। विधानसभा में सवाल लगाने के लिए विधायकों को पहले ही ऑनलाइन विकल्प दिया जा चुका है। पिछले विधानसभा सत्र में आधे से ज्यादा विधायकों द्वारा ऑनलाइन ही अपने सवाल भेजे थे।

मप्र विधानसभा के मॉनसून सत्र में इस बार विधायकों को अपने सवाल-जवाब का मौका तो मिलेगा, लेकिन इसके पहले सभी विधायकों की विधानसभा में स्पेशल क्लॉस भी लगाने की तैयारी की जा रही है। इसमें विधायकों को ऑनलाइन वर्किंग को लेकर ट्रेनिंग दी जाएगी। दरअसल, विधानसभा की पूरी वर्किंग जल्द ही ऑनलाइन होने जा रही है। इसमें सदन का पूरा कामकाज पेपरलेस होगा। विधानसभा सचिवालय पहले ही विधायकों को सदन में सवाल पूछने के लिए सचिवालय को ऑनलाइन तरीके से सवाल भेजने का ऑप्शन दे चुकी है। विधानसभा के ऑनलाइन होने के बाद विधायकों को काम में परेशानी न हो इसके लिए उन्हें ऑनलाइन वर्किंग का पूरा ककहरा सिखाया जाएगा।

विधानसभा सचिवालय भी ऑनलाइन सवाल सरकार को भेजती है। सरकार से जवाब ऑनलाइन स्वीकारे जाते हैं। विधानसभा सचिवालय लेटेस्ट कप्यूटर खरीद रही है।

पूरा काम काज हो जाएगा ऑनलाइन

असल में यहां ई-विधान लागू किया जाना है। इससे सदन का पूरा काम काज ऑनलाइन हो जाएगा। विधायकों के हाथ में पेपर, पुस्तक के स्थान पर आईपैड होगा। इसी पर पूरा रिकॉर्ड उपलब्ध रहेगा। सिंगल क्लिक पर जानकारी मिल जाएगी। विधायकों को इसी का प्रशिक्षण दिया जाएगा। हमारी विधानसभा अधिक पढ़ी-लिखी है। ग्रेजुएट सर्वाधिक हैं। ग्रेजुएट प्रोफेशनल की बात करें तो ऐसे विधायकों की संख्या 35, पोस्ट ग्रेजुएट 70 हैं। शिक्षित मात्र दो हैं। सदन के आधे से ज्यादा विधायक हाईटेक हैं। वे कप्यूटर, मोबाइल फ्रेंडली हैं। इससे ऑनलाइन वर्किंग में इन्हें दिक्कत नहीं है। अन्य के लिए विशेष प्रकार के प्रशिक्षण की व्यवस्था है। जरूरत पडने् पर विधायकों के सहायकों को भी ट्रेंड किया जाएगा। विधानसभा सचिवालय और राज्य मंत्रालय के बीच ऑनलाइन वर्किंग हैं।

चारों धाम के दर्शन कर सकुशल लौटे परिवारों ने कराया सुन्दर कांड और भंडारा

भोपाल ■ निसं

करोंद स्थित शंकराचार्य धाम कालोनी के पांच परिवार उत्तराखंड के चारों धाम के दर्शन कर सकुशल लौटने पर कालोनी के रहवासियों ने कालोनी अध्यक्ष राधेश्याम मुद्गल का शिव मंदिर में स्वागत सम्मान किया और आज सुंदर कांड का संगीतमय आयोजन किया और विशाल भंडारे का आयोजन भी किया जिसमें बड़ी संख्या में आसपास की कालोनियों के रहवासी ओर परिजन उपस्थित हुए अंत में महाआरती की गई।

इस अवसर पर घनश्याम शर्मा,रघुवीर शर्मा , रमा शर्मा-स्वदेश कामवार ,ज्योति कामवार जगदीश पारसर , पुष्पा पारासर गौरीशंकर पचौरी ,उमा पचौरी भगवत प्रसाद शर्मा पत्नि शान्ती बाई राधेश्याम शर्मा पत्नि मधुरानी शर्मा , मौलिशा शर्मा,प्रतीक कुमार, अतुल बिरथरे,दिनेश भट आदि उपस्थित थे।

चोरी का माल मुथुट फाइनेंस कंपनी में गिरवी रखने वाले चोर धराए

पौने दो लाख का माल बरामद

भोपाल ■ निसं

गौतम नगर पुलिस ने दो ऐसे शातिर चोर को गिरफ्तार किया है, जो चोरी के माल को मुथुट फाइनेंस कंपनी में गिरवी रख देता था। इसी इलाके में एक अन्य मामले में चोरी के आरोप में निगरानी शुदा बदमाश को गिरफ्तार किया गया है। आरेपियों से दो मोबाइल फोन, सात सोने के कान के टाप्स और अन्य कीमती सामान सहित 1 लाख 80 हजार का माल जप्त किया गया है।

पुलिस के अनुसार, आकिब खान ने बीती 12 जून को पुलिस में शिकायत करते हुए बताया की उनके घर से 2 मोबाइल फोन, 4 हजार रुपये नगद और 7 सोने के कान के टाप्स चोरी हो गए थे। मामला दर्ज कर पुलिस ने हाथ लगे सुरागो के आधार पर संदेही सैफ खान और अरशद उर्फ शनी को गिरफ्तार किया। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि उन्होंने चोरी का माल मुथुट फाइनेंस कंपनी में गिरवी रख दिया था।

पुलिस ने आरोपी सुरेंद्र अहिरवार के माध्यम से मुथुट फाइनेंस कंपनी से चोरी की संपत्ति बरामद की। इसके अलावा, एक अन्य आरोपी आमिर बेग को भी गिरफ्तार किया गया, जिसने अटल आयुब नगर में भी चोरी की घटना को अंजाम दिया था। उसके पास से चोरी का नगदी और एक लोहे का प्लास भी बरामद किया गया है।

मामले में पुलिस ने आरोपी सैफ खान (23) निवासी जेपी नगर, सुरेंद्र अहिरवार (30) निवासी विनायक किर्ती कालोनी और आमिर बेग (25), निवासी अटल आयुब नगर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि आमिर बेग के खिलाफ पहले भी कई गंभीर अपराध दर्ज हैं और वह थाना गौतम नगर का निगरानी शुदा गुण्डा है।

बेटी को जन्म देने के बाद महिला की मौत

अस्पताल में हंगामा, स्टाफ पर धमकाने और मारपीट का आरोप

भोपाल ■ निसं

भोपाल के बैरागढ़ में कृष्णानी हॉस्पिटल में एक महिला की बेटी को जन्म देने के दूसरे दिन संदिग्ध हालात में मौत हो गई। परिजनों का आरोप है कि महिला पूरी तरह स्वस्थ थी, लेकिन अस्पताल प्रबंधन ने जबरन उसे वेंटिलेटर पर रखा। कुछ ही मिनट में उसकी मौत हो गई। इस दौरान स्टाफ ने परिजनों से बदसलूकी की, जिसका वीडियो भी सामने आया है।

टीआई अशोक गौतम ने बताया कि मामले में मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। सोमवार को पीएम के बाद बॉडी परिजनों को सौंप दी है, डिटेल बयान अभी दर्ज नहीं किए जा सके हैं। पीएम रिपोर्ट मिलने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। जानकारी के अनुसार, नेहा खरे (34) पत्नी शानू खरे, जहांगीराबाद की बापू कॉलोनी में रहती थीं। सात साल पहले उनकी शादी हुई थी और उनका पांच साल का बेटा है। शानू नगर निगम में दैनिक वेतनभोगी कर्मचारी हैं। 12 जून को नेहा को बैरागढ़ स्थित कृष्णानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 13 जून को ऑपरेशन के जरिए उन्होंने दूसरी बेटी को जन्म दिया। बच्ची बेहद कमजोर थी, इसलिए उसे दूसरे अस्पताल के एसएनसीयू में भर्ती किया गया। इसी बीच रविवार रात नेहा की संदिग्ध हालात में मौत हो गई।

नेहा खरे, मृतका

छोटे भाई को किया था आखिरी कॉल

मृतका के भाई विकास ने बताया कि बहन ने आखिरी कॉल उन्हें 15 जून को लगाया था। तब उसने कहा कि मेरा दिल घबरा रहा है। बेटी कहा है, उसे एक बार दिखा दो। भाभी से बोले बच्ची मुझे कैसे भी करके दिखा दें। जन्म देने के बाद से मैने उसे नहीं देखा है। मैने बताया कि कुछ देर में अस्पताल आ रहे हैं। बेटी को दिखा देंगे, उसे दूसरे अस्पताल के आईसीयू में रखा गया है। मैं अस्पताल पहुंचा तब पता लगा कि बहन को वेंटिलेटर पर लिया गया है। कुछ ही देर में उसकी मौत की खबर दी गई।

जबरन वेंटिलेटर पर ले जाने के आरोप

मृतका के दूसरे भाई विशाल ने बताया कि बहन वेंटिलेटर पर जाने से पूर्व ठीक थी, बातें कर रही थी। जब उसे वेंटिलेटर पर ले जाने को कहा गया तो उसने स्वयं जवाब दिया कि मुझे कोई परेशानी नहीं है। सही महसूस कर रही हूं...मुझे वेंटिलेटर पर नहीं जाना है। तब एक सिस्टर ने उसे जवाब दिया कि तुम जानकार हो कि हम और जबरन बहन को वेंटिलेटर पर लिया गया। इसके बाद वही हुआ जिसका बहन को डर था। मृतका के परिजन ने बताया कि हमें अस्पताल की गतिविधियां संदिग्ध लग रही थीं। लिहाजा हमने नेहा को वेंटिलेटर पर लेजाते समय और बाद में वीडियो बनाए, यह देख अस्पताल स्टाफ लगातार धमकाता रहा। वीडियो बनाने का विरोध किया और पिटवाने की धमकी तक दी। हमारे साथ जबरन बदसलूकी की गई। अस्पताल प्रबंधन पर वीडियो के आधार पर कार्रवाई होनी चाहिए। वीडियो हमने बैरागढ़ पुलिस को भी दी है।

मंदिर पर पड़ा चोरों का साया 25 हजार की नगदी ले गये बदमाश

भोपाल। हबीबगंज थाना इलाके में स्थित केसरी नंदन मंदिर से अज्ञात बदमाश 25 हजार की नगदी चुराकर ले गया। हैरानी की बात यह है, कि मंदिर की जिस अलमारी से चोरी हुई है। उसमें रखा चांदी का छत्र, मुकुट और चांदी को लोटा सहित दानपेटी सुरक्षित मिली। पुलिस के अनुसार कृष्णकांत द्विवेदी (45) ने बताया की वह मूलत-रीवा के रहने वाले हैं, और ऋषि नगर झुग्गी में रहते हैं। वे तरुण पुस्कर के पास केसरी नंदन मंदिर के पुजारी हैं। शुक्रवार रात करीब 10 बजे वह मंदिर के गेट पर ताला लगाकर घर चले गए। अगली सुबह जब पूजा पाठ के लिये मंदिर पहुंचकर उन्होनें ताला खोला तो उन्हें मंदिर के अंदर बने स्टोर रूम के गेट पर चांदी का लोटा फंसा हुआ मिला। अंदर जाकर देखने पर अलमारी में रखा छत्र और चांदी का मुकुट नहीं था। इसके अलावा 25 हजार रुपए की नगदी नहीं थी।

डिवाइडर से टकराई बाइक, युवक की मौत

सूखी सेवनिया में जंगल में पेड़ पर लटकी मिली वृद्ध सुरक्षा गार्ड की लाश

भोपाल ■ निसं

छोला मंदिर इलाके में जहॉ डिवाइडर से टकराने की घटना में एक युवकी की मौत हो गई वहीं सूखीसेवनिया पुलिस ने इलाके में स्थित जंगल से एक वृद्ध की लाश बरामद की है।

पुलिस ने बताया कि 25 वर्षीय रवि अहिरवार बिलखिरिया में रहता था, और पीओपी का काम करता था। बीती रात वह काम निपटाने के बाद बाइक से घर लौट रहा था। रास्ते में गणेश ढाबे के पास उसकी बाइक अचानक बेकाबू होकर डिवाइडर से टकरा गई। हादसे में उसे घातक चोटें आई थी, हालांकि सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस उसे लेकर अस्पताल पहुंची थी। लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

सूखीसेवनिया पुलिस ने बताया की पुलिस ने बताया कि चौपड़ा कला सूखीसेनिया निवासी सूरज लोधी ने बीत दोपहर करीब तीन बजे सूचना दी कि चौपड़ा कला गांव में रेलवे

पटरी किनारे किसी बुजुर्ग का शव बबूल के पेड़ पर लटका हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बरामद कर पीएम के लिए मर्चुरी भेज दिया। बाद में मृतक की पहचान उमेश जाटव (58) निवासी करोंद के रूप में की गई। सूचना मिलने पर पहुंचे परिवार वालो ने बताया कि मृतक सिक्योरिटी गार्ड की नौकरी करता था। पुलिस ने शव को पीएम के लिए भेज दिया है। पुलिस का कहना है कि पीएम रिपोर्ट आने के बाद मौत के कारणों का खुलासा हो सकेगा। आशंका है की उसने खुदकुशी की है, पीएम रिर्पोट के बाद ही आत्महत्या के कारणो की जॉच की जायेगी।

कॉलोनाइजर पर मप्र सरकार सख्त: कृषि भूमि पर कॉलोनी बनेगी तो होगी जब्ती

नियम तोड़कर कॉलोनी बनाने पर होगी जेल, संपत्ति व बैंक खाते होंगे सीज

भोपाल ■ निसं

मध्य प्रदेश में अवैध कालोनियों के खिलाफ सरकार अब कड़ा रुख अपनाने जा रही है। यदि किसी व्यक्ति ने नियमों को दरकिनार कर गैरकानूनी तरीके से कॉलोनी बसाई, तो उसके खिलाफ सीधे एफआईआर दर्ज कर जेल भेजा जाएगा।

उसके साथ ही ऐसे कॉलोनाइजर की संपत्ति जब्त कर उसके बैंक खाते सीज किए जाएंगे। मोहन सरकार ने इस दिशा में मध्य प्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों को और सख्त करने की तैयारी कर ली है। नए नियमों का प्रारूप बन चुका है और इसे जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी के बाद लागू कर दिया जाएगा।

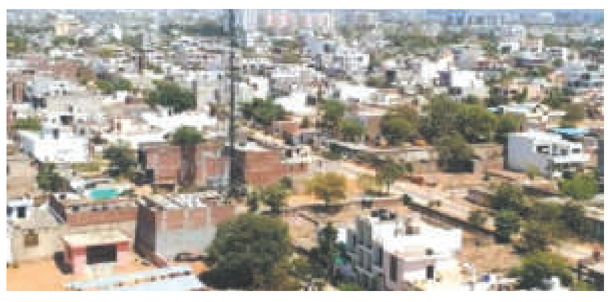

37 साल पुराने कानून में अब आएगा बदलाव: वर्ष 1998 से ही मध्य प्रदेश नगरपालिका कॉलोनी विकास नियमों में यह प्रावधान है कि कलेक्टर और नगर निगम आयुक्त किसी भी अवैध कॉलोनी के निर्माण पर कॉलोनाइजर को जेल भेज सकते हैं। इतना ही नहीं, यह संज्ञेय अपराध की श्रेणी में आता है, जिसमें पुलिस को सीधे गिरफ्तारी का अधिकार है। इसके बावजूद अब तक किसी कॉलोनाइजर पर कठोर कार्रवाई नहीं की गई, जिससे अवैध कॉलोनियों की संख्या लगातार बढ़ती गई। अब सरकार नियमों को प्रभावी और सख्त बनाकर इस समस्या पर अंकुश लगाने जा रही है।

अनधिकृत कॉलोनियों का अधिग्रहण करेगी सरकार: नए प्रस्ताव के अनुसार किसी कॉलोनाइजर ने कृषि भूमि पर बिना अनुमति कॉलोनी काटी, तो सरकार पहले उस कॉलोनी का अधिग्रहण करेगी। उसके बाद वहां मौजूद खाली प्लॉट को सरकार द्वारा बेचा जाएगा और कॉलोनी का व्यवस्थित विकास किया जाएगा। इससे स्थानीय निकायों को राजस्व की हानि से बचाया जा सकेगा। रहवासियों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकेंगी। वर्तमान में राज्य सरकार द्वारा ऐसे कॉलोनियों का सर्वे करवाया जा रहा है। जब तक सर्वे पूर्ण नहीं होता, तब तक उन कॉलोनियों में किसी भी प्रकार की रजिस्ट्री और नामांतरण पर रोक रहेगी।

वैध करने के पुराने नियमों में भी बदलाव

पूर्ववर्ती शिवराज सरकार ने वर्ष 2022 तक की अवैध कॉलोनियों को वैध करने का निर्णय लिया था। इसके लिए 2021 में कॉलोनी विकास नियमों में संशोधन कर 31 दिसंबर 2016 तक बनी कॉलोनियों को वैध करने का प्रविधान जोड़ा गया था। वर्तमान में यह संशोधित नियम लागू है, जिसमें यह भी तय किया गया कि एलआईजी और ईडब्ल्यूएस वर्ग के रहवासियों से कोई विकास शुल्क नहीं लिया जाएगा। जबकि अन्य वर्गों से विकास शुल्क का केवल 50 प्रतिशत ही वसूला जाएगा और शेष 50 प्रतिशत राशि निकाय द्वारा वहन की जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

19 जून को किया जायेगा प्रतिभा चयन कार्यक्रम

खंडवा। जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि खेल और युवा कल्याण विभाग म.प्र. राज्य वाटर स्पोर्टस अकादमी, भोपाल द्वारा सेलिंग विधा में वर्ष 2025-26 के प्रतिभा चयन कार्यक्रम 19 जून को जिले के श्यामाप्रसाद मुखर्जी इण्डोर स्टेडियम में शाम 4 बजे से 6 बजे तक किया जा रहा है। जिसमें खंडवा जिले एवं आस पास के जिले के खिलाड़ी तथा जो विद्यार्थी खेल में रूचि रखते हैं वे भी भाग ले सकेंगे। प्रतिभा चयन कार्यक्रम हेतु संचालनालय स्तर से प्रशिक्षकों की समिति गठित की गई है। उन्होंने बताया कि चयनित खिलाड़ियों को वाटर स्पोर्टस अकादमी में प्रवेश दिया जायेगा, जिसमें 8 से 12 वर्ष (2013 से 2017 के मध्य) बालक/बालिका खिलाड़ी व पर्याप्त ऊँचाई वाले खिलाड़ी भाग ले सकेंगे। वाटर स्पोर्टस अकादमी में चयन निर्धारित मापदण्ड अनुसार किया जायेगा ।जिला खेल एवं युवा कल्याण अधिकारी ने बताया कि खिलाड़ी व विद्यार्थी की जन्मप्रमाण पत्र, आधार कार्ड की मूल प्रति, निवास प्रमाण पत्र, अंकसूची छायाप्रति एवं 4 पासपोर्ट साईज के फोटोग्राफ साथ लेकर आना अनिवार्य है। अकादमी हेतु चयनित खिलाड़ी का समस्त व्यय विभाग द्वारा वहन किया जायेगा। प्रतिभा चयन कार्यक्रम में सम्मिलित होने वाले खिलाडियों को यात्रा एवं भोजन भत्ता नहीं दिया जायेगा।

उज्जैन में महिला ने कैमरे के सामने जहर खाया, मौत

उज्जैन। जब से मेरी शादी हुई है, तब से पति सतीश जाट, सास हेमलता जाट, और ननद पूजा व भावना जाट लगातार प्रताड़ित कर रहे हैं। अब रोजाना घर में विवाद होता है। पति पिछले तीन दिन से घर नहीं आए हैं। इसलिए मैं आत्महत्या कर रही हूं। उज्जैन में रविवार शाम करीब 4 बजे एक शादीशुदा महिला ने जहर खाकर आत्महत्या कर ली। खुदकुशी से पहले उसने एक वीडियो बनाया और सोशल मीडिया पर शेयर किया। वीडियो में पति, सास और ननदों पर मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना के आरोप लगाए। वीडियो रिकॉर्ड करने के बाद नीलगंगा थाना क्षेत्र के हाटकेश्वर कॉलोनी की रहने वाली नूपुर जाट (33) ने जहर खा लिया। उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। नूपुर जाट ने एक सुसाइड नोट भी लिखा, जिसमें मौत के लिए ससुरालवालों को जिम्मेदार ठहराया। सीएसपी श्वेता गुप्ता ने बताया कि जांच शुरू कर दी गई है। परिवार वालों ने वीडियो और सुसाइड नोट की जानकारी दी है। दस्तावेजों की पुष्टि के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

गौरीघाट-भेड़ाघाट में अब नहीं पहुंच रहा नालों का पानी

जबलपुर। जबलपुर शहर में बहने वाली नर्मदा नदी अब पहले से काफी साफ हो चुकी है। नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल की रिपोर्ट में साफ कहा गया है कि जबलपुर के गौरीघाट और भेड़ाघाट में अब किसी भी नाले का गंदा पानी नहीं मिल रहा है। यहां का पानी A+ ग्रेड में पाया गया है, जो पीने लायक माना जाता है। यह याचिका नागरिक उपभोक्ता मंच ने लगाई थी। मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नाजपांडे ने बताया कि नगर निगम ने नर्मदा को साफ रखने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट लगाए हैं, जो अच्छे से काम कर रहे हैं। पहले यह मामला हाईकोर्ट में गया था, जिसे बाद में एनजीटी को सौंप दिया गया।

इंदौर में राजा के लिए लिखे 5 हजार पोस्टकार्ड

मेघालय सरकार से मांग- राजा रघुवंशी हत्याकांड के आरोपियों को फांसी दें

इंदौर ■ निसं

माता वसुंधरा सेवा समिति ने मेघालय सरकार को 5 हजार पोस्ट कार्ड लिखकर राजा रघुवंशी की हत्या करने वाले आरोपियों को फांसी की सजा देने की मांग की है। संस्था की अध्यक्ष अनीशा कोठारी ने बताया कि मेघालय के मुख्यमंत्री कॉनराड संगमा के नाम से पोस्ट कार्ड लिखे गए हैं। जिनमें सोनम, उसके आशिक राज कुशवाह और हत्याकांड में शामिल उनके तीन अन्य साथियों का मामला फास्ट ट्रैक कोर्ट में चलाकर फांसी देने की मांग की है। कोठारी ने बताया कि मां अहिल्या की नगरी इंदौर के रघुवंशी परिवार ने अपना 30 साल का पुत्र राजा रघुवंशी को खोया है। यह जघन्य हत्याकांड एक सबक है। क्षेत्र की महिलाओं ने यह पोस्ट कार्ड लिखे हैं, जिनमें मोबाइल नंबर भी लिखा गया है। ये पोस्ट कार्ड मेघालय के मुख्यमंत्री को भेजे जा रहे हैं। बता दें कि राजा के परिजन ने रविवार शाम को कैंडल मार्च निकाला था। नेहरू पार्क से शुरू हुआ कैंडल मार्च रीगल चौराहे तक गया। इसमें बड़ी संख्या में आमजन भी शामिल हुए। इस दौरान लोगों ने राजा के हत्यारों को जल्द से जल्द फांसी देने की मांग की थी। वहीं संस्था पौरूष ने भी राजा को जल्द से जल्द न्याय दिलाने के लिए शनिवार को कैंडल मार्च निकाला था।

पोस्ट कार्ड में महिलाओं ने लिखा

महिलाओं ने पोस्टकार्ड में लिखा कि मां अहिल्या की नगरी इंदौर के रघुवंशी परिवार ने अपना 30 साल का होनहार पुत्र राजा रघुवंशी को खोया है। राजा रघुवंशी की मेघालय के शिलांग में हुई जघन्य हत्या के आरोपी उसकी पत्नी सोनम व सोनम के आशिक राज कुशवाह और उसके तीन साथियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट में केस चलाकर फांसी दी जाए।

राजा के परिवार ने आंदोलन की चेतावनी दी

इंदौर के ट्रांसपोर्ट कारोबारी राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में राजा के परिजन ने अब सोनम के परिवार पर कार्रवाई की मांग की है। एक हफ्ते में कार्रवाई नहीं होने पर सोनम के घर जाकर आंदोलन की चेतावनी भी दी है। राजा के भाई सचिन ने कहा कि मेरे भाई की हत्या हुई है और पुलिस ने सोनम के परिवार से किसी को नहीं पकड़ा है।

अगर मेरे भाई की जगह सोनम के साथ ऐसा हो जाता तो हमारे पूरे परिवार को जेल में डाल दिया जाता। यह बहुत बड़ी साजिश है। सचिन ने मांग की है कि राजा की हत्या केस में जिन-जिन के भी नाम आ रहे हैं, उन सबको गिरफ्तार किया जाना चाहिए। सोनम के परिवार भी कार्रवाई की जाए। सचिन ने ये भी कहा कि एक-दो बार सोनम का भाई आया भी था। मैंने तो उससे बात तक नहीं की।

अंडर 17 फुटवाल प्रतियोगिता में नर्मदा एकेडमी टीम विजयी रही

सिवनी मालवा ■ निसं

आदर्श एकेडमी फुटवाल क्लब सिवनीमालवा द्वारा आयोजित जिला स्तरीय अंडर 17 फुटवाल प्रतियोगिता के फायनल में नर्मदा एकेडमी टीम नर्मदापुरम 1द्द0 से विजयी रही। प्रतियोगिता में कुल 10 टीमों ने भाग लिया। फायनल मैच नर्मदापुरम की नर्मदा एकेडमी टीम और सिवनीमालवा की आदर्श एकेडमी टीम के बींच खेला गया। प्रतियोगिता के आयोजक आदर्श एकेडमी के अध्यक्ष विक्रम सूर्यवंशी ने बताया कि टैगोर पब्लिक हायर सेकेंडरी स्कूल सिवनी मालवा में आदर्श एकेडमी फुटबॉल टूर्नामेंट के आयोजन का समापन हुआ। जिसमें पूर्व सेमीफाइनल मुकाबला नर्मदापुरम टीम और पिपरिया टीम के बीच हुआ। इस मुकाबले में नर्मदापुरम टीम ने 2_0 से पिपरिया को हराकर फाइनल में जगह बनाई। वही सेकंड सेमीफाइनल मुकाबला सिवनीमालवा टीम और बुधनी टीम के बीच हुआ। जिसमें सिवनीमालवा आदर्श एकेडमी टीम ने फाइनल में जगह बनाई।

फाइनल मुकाबला नर्मदापुरम और सिवनी मालवा के बीच खेला गया ।जिसमे नर्मदापुरम विजेता रही। आदर्श अकैडमी सिवनी मालवा उपविजेता रही। प्रथम पुरस्कार रविंद्र कुशवाहा द्वारा 7001 रुपए विजेता टीम को दिया गया। द्वितीय पुरस्कार डोरीलाल लोवंशी द्वारा 3001रुपया दिया गया। समस्त खिलाड़ियों को ट्रॉफी सुरेश गुर्जर चश्मा घर की ओर से दी गई। सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का परुष्कार अविनाश तिवारी सिवनीमालवा और सर्वश्रेष्ठ गोल कीपर का पुरुष्कार कार्तिक पिपरिया को दिया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक रेफरी रवि हरदुआ,अभिनय पुरोहित, सुजल वर्मा और सर्वेश रहे।

खिलाड़ियों की भोजन व्यवस्था नरेशचंद कलवानी की ओर से की गई। टेंट और ग्राउंड व्यवस्था प्रवीण अवस्थी की ओर से की गई। प्रतियोगिता में मुख्यअतिथि जिला सहकारी बैंक पूर्व अध्यक्ष योगेंद्र मंडलोई, रविंद्र कुशवाहा, नरेशचंद कलवानी, प्रवीण अवस्थी, सुरेश गुर्जर, नीरज तिवारी संदीप लोवंशी, विकास पाठक, राजा तिवारी, कन्हैया बाथव, नीरज सोनी, नारायण बावरिया, बाबा कलसिया, अंकुर कलवानी, लकी राठौर, निखिल वर्मा, शीतल दुबे, मुनमुन समस्त खिलाड़ी कार्यक्रम में मौजूद रहे।

जबलपुर में नकली नोट का सौदागर गिरफ्तार

2 लाख 94 हजार बरामद, बैग में छिपा रखे थे 500-500 के नोट

जबलपुर ■ निसं

जबलपुर शहर में नकली नोट ठिकाने लगाने आए रवि दाहिया को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। आरोपी से हनुमानताल पुलिस ने 2 लाख 94 हजार रुपए के नकली 500-500 के नोट बरामद किए हैं। पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया कि वह नकली नोट ठिकाने लगाने आया था। पुलिस को संदेह है कि गिरफ्त में आए आरोपी का बड़ा गिरोह हो सकता है, लिहाजा पूछताछ के लिए कोर्ट से रिमांड ली है।

हनुमानताल थाना पुलिस ने आरोपी रवि के खिलाफ धारा 181, 182(1) बीएनएस का अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। थाना प्रभारी हनुमानताल धीरज राज ने बताया कि मुखबिर ने रविवार रात नकली नोटों के साथ एक व्यक्ति के मंडी मदार टेकरी कब्रिस्तान आने की सूचना दी थी। मौके पर पहुंची पुलिस को एक संदिग्ध व्यक्ति हाथ में बैग लिए खड़ा मिला। घेराबंदी कर पुलिस ने घमापुर निवासी 45 वर्षीय रवि दाहिया को पकड़ा।

बैग की तलाशी में मिले नोट: आरोपी के बैग की तलाशी ली गई, उसमें 500-500 रुपए के नकली नोट के 6 बंडल निकले। सभी नोट एक ही नंबर के थे और उन पर गांधीजी का वॉटर मार्क चिन्ह नहीं दिख रहा था। पुलिस ने उसके कब्जे से 5 बंडल में 100-100 और एक बंडल में 88 नोट जब्त किए हैं।

इन पुलिसकर्मियों ने की घेराबंदी: आरोपी को नकली नोट के साथ रंगे हाथ पकड़ने में हनुमानताल थाना पुलिस धीरज राज उप निरीक्षक, कनक सिंह बघेल प्रधान आरक्षक, सादिक अली, अजय डबराल, सुग्रीव तिवारी, आशीष असाटी, आरक्षक ब्रजेश, जय किशोर, आशीष तिवारी, हुलेश परस्ते, महिला आरक्षक नंदनी की महत्वपूर्ण भूमिका रही है।

सुमन बाई का हुआ नि:शुल्क मोतियाबिंद का ऑपरेशन

खण्डवा। जिले के विकासखण्ड पंधाना के ग्राम भगवानपुरा की निवासी श्रीमती सुमन बाई पति बलीराम उम्र 65 वर्ष ने बताया कि उन्हें देखने में परेशानी होती थी। जब उन्हें पता चला कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा गांव गांव नि:शुल्क मोतियाबिंद शिविर लगाए जा रहे हैं तो उनके परिजनों को लेकर प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र सिंगोट में 27 मई को जांच शिविर में जाकर जांच करवाई। जांच उपरांत मोतियाबिंद का पता चलने पर उन्हें ऑपरेशन के लिए चोईथराम नैत्रालय इंदौर भेजा गया, जहाँ उनको भर्ती कर 28 मई को नि:शुल्क ऑपरेशन सफलतापूर्वक किया गया। सुमन बाई ने कहा कि उन्हें लाने ले जाने के लिए वाहन की नि:शुल्क व्यवस्था के साथ ही भोजन व ठहरने की व्यवस्था भी नि:शुल्क व अच्छी थी। उन्हें किसी प्रकार का खर्चा नहीं लगा। अस्पताल में भी अच्छी तरह देखरेख हुई। स्टाफ द्वारा भी अच्छा व्यवहार किया गया। 13 जून को सिंगोट अस्पताल में सुमन बाई की आँख का फॉलोअप किया गया। अब वह स्वस्थ्य है।

ई सुविधा केंद्र से न्यायालय संबंधित सभी जानकारियां प्राप्त होगी - न्यायाधीश खान

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

न्यायालय में आने वाले सभी लोगों को ई सेवा केंद्र से सभी प्रकार की न्यायालय संबंधित सुविधाएं प्राप्त होगी। उक्त बात जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश तबस्सुम खान ने न्यायालय परिसर में ई सेवा केंद्र के शुभारम्भ अवसर पर कही। श्रीमती खान ने कहा कि ई सुविधा केंद्र से यहां आने वाले पक्षकारों, अधिवक्ताओं को ई फायलिंग, ई प्रमाणित प्रतियां, प्रकरण की वर्तमान स्थिति, वीडियों कॉन्फेंसिग, कारागार में बंदियों से ई मुलाक़ात, ई स्टाम्प, ई कोर्ट फीस, आन लाइन इ स्टाम्प की करने की जानकारी, वर्चुअल चालान की जानकारी, म.प्र.उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय की जानकारी आदि की सुविधाएं प्राप्त होगी।

उन्होंने बताया कि यह सुविधा उच्च न्यायालय के आदेश पर प्रदेश के सभी न्यायालयों में प्रारम्भ की गई हैं। यह ई सुविधा केंद्र न्यायालय के मुख्य द्वार के पास ही बनाए गए हैं। जिससे यहां आने वालों को यहा वहा कही भटकना नही पड़ेगा। ई सुविधा केंद्र के शुभारम्भ अवसर पर न्यायाधीश अंजली अग्रवाल, न्यायाधीश सरोज डेहरिया, न्यायालय स्टाफ नरेंद्र कुशराम, महेंद्र नेगी, राकेश सवाला, राजू चोरे, संजय गधवाल, महेंद्र बामलिया, जगदीश माछिया, विशाल सैनी तथा ई सेवा केंद्र कंप्यूटर आपरेटर निधि तिवारी सहित अधिवक्ता, पक्षकारगण उपस्थित रहे।

वरिष्ठनागरिक गृह में वृद्धजनों को उनके अधिकारों की जानकारी दी, स्वास्थ्य का ध्यान रख खुश रहें

सिवनी मालवा ■ अमृत दर्शन

15 जून 2025 को वरिष्ठ नागरिक गृह सिवनी मालवा में अभ्युदय लोक सेवा संस्था ने अंतर्राष्ट्रीय वृद्धजन दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस कार्यक्रम का आयोजित किया। मुख्य अतिथि अधिवक्ता राजेश मिश्रा, अध्यक्ष अधिवक्ता संघ, विशेष अतिथि नंदकिशोर व्यास पत्रकार, विकास पाठक अधिवक्ता, सोनू पाठक अधिवक्ता ने मां सरस्वती की पूजा अर्चना कर की। ततपश्चात सभी अतिथियों ने निवासरत बुजुर्गों को तिलक कर फल, बिस्किट भेट किए।

अतिथियों ने निवासरत वृद्धजनों से उनके हालचाल जानते हुए अपने अपने विचार रखते हुए वरिष्ठजनों से कहा कि इस अवस्था में आपको अपने अधिकारों की प्राप्ति के लिए विधिक सहायता पूरी तरह से निशुल्क प्रदान की जाएगी। यहां रहते हुए आप अपना जीवन सम्मानपूर्वक भगवान का भजन करके शांति से व्यतीत करें। चिंता मुक्त रहते हुए अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कार्यक्रम का संचालन अधीक्षक श्याम वनकर ने किया। इस दौरान नागरिक गृह की नलिनी मालवीया, दीपक यादव, राहुल बाथव उपस्थित थे।

उज्जैन में स्कूल खुलते ही पहुंचे कलेक्टर-एसपी

चेक की उपस्थिति, शिक्षकों को बायोमैट्रिक अटेंडेंस के दिए निर्देश

उज्जैन ■ निसं

स्कूल खुलने के पहले ही दिन जिला प्रशासन सक्रिय नजर आया। सोमवार दोपहर कलेक्टर रौशन कुमार सिंह और एसपी प्रदीप कुमार शर्मा ने जनपद पंचायत महिदपुर अंतर्गत शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खेड़ा खजुरिया का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान छात्रों की उपस्थिति, शिक्षकों की उपस्थिति और व्यवस्थाओं का जायजा लिया। कलेक्टर सिंह ने विद्यालय का उपस्थिति रजिस्टर देखा और सभी

शिक्षकों को बायोमैट्रिक सिस्टम से हाजिरी दर्ज करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्राचार्य उदय सिंह चौहान से एम-शिक्षा मित्र ऐप में उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया की जानकारी भी ली। प्राचार्य ने बताया कि स्कूल में 500 से अधिक विद्यार्थी पंजीबद्ध हैं।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की मंशा के अनुरूप सभी शासकीय विद्यालयों में छात्रों को पाठ्यपुस्तकें समय पर उपलब्ध कराई जाएं। इसके लिए डीईओ, डीपीसी, बीईओ और बीआरसी से समन्वय कर कार्य किया जाए।

निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत सीईओ जयति सिंह, एसडीएम और तहसीलदार भी मौजूद थे। बता दें कि 16 जून से प्रदेशभर के शासकीय विद्यालयों में नियमित कक्षाएं शुरू हो चुकी हैं।

कलेक्टर ने साप्ताहिक समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

चरणबद्ध रूप से किया जाये रूफ वाटर हार्वेस्टिंग का कार्य - कलेक्टर

खंडवा ■ निसं

कलेक्टर ऋषव गुप्ता ने सोमवार को कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समीक्षा बैठक में पीआईयू विभाग द्वारा संचालित निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की और कहा कि जो कार्य शेष हैं उन्हें शीघ्रता से गुणवत्ता के साथ पूर्ण किया जाये। उन्होंने ओंकारेश्वर में प्लास्टिक बैन के तहत की गई कार्यवाही की जानकारी ली। साथ ही ओंकारेश्वर सीएमओ को निर्देश दिए कि सिंगल यूज प्लास्टिक का उपयोग करने वालों पर सख्त कार्यवाही की जाए एवं डीजल इंजन नावों का संचालन ना हो यह सुनिश्चित किया जाए।

बैठक में कलेक्टर गुप्ता ने सीएमएचओ एवं सिविल सर्जन को निर्देश दिए कि रात्रि 9 बजे के बाद महिला वार्ड्स में पुरुष अटेण्डर्स ना हों यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने मत्स्य विभाग के अधिकारी को केज कल्टीवेशन करने के लिए जल निकाय का चयन करने को कहा।

उन्होंने कहा कि जल संरक्षण के लिए रूफवॉटर हार्वेस्टिंग का उपयोग अधिक से अधिक किया जाये। उन्होंने शासकीय कार्यालयों में किए जा रहे रूफ वाटर हार्वेस्टिंग के कार्य की समीक्षा की। कलेक्टर श्री गुप्ता ने जिले की समस्त पक्की छतों पर रूफवाटर हार्वेस्टिंग कार्य किए जाने का लक्ष्य रखा है। उन्होंने इस कार्य को चरणबद्ध रूप से पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जो शासकीय भवन शेष है उनपर रूफवाटर हार्वेस्टिंग का कार्य जुलाई 2025 तक पूर्ण किया जाए।

शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालयमें

एनसीसी कैडेट के द्वारा वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम किया

सिवनी मालवा ■ निसं

नगर के शासकीय कुसुम स्नातकोत्तर महाविद्यालय में 13 एमपी बटालियन एनसीसी नर्मदा पुरम के निर्देशानुसार एक पेड़ एक जिंदगी की थीम पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया जिसमें एनसीसी कैडेट के द्वारा एनसीसी उद्यान में फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण किया गया ।

महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ राजेश कुमार रघुवंशी ने बताया कि एनसीसी के विद्यार्थियों के द्वारा विगत वर्षों में किए गए वृक्षारोपण से महाविद्यालय परिसर हरा भरा हो गया है आज केडेटों के लगाए गए वृक्ष बड़े हो गए हैं संभावित है अगले एक-दो वर्षों में उन में फल भी आ जाएंगे यह महाविद्यालय विद्यार्थियों की उपलब्धि रहेगी जिसमें आने वाले छात्राएं इससे प्रेरणा लेकर अपने आसपास अपने खेतों में अपने घरों में अधिक से अधिक वृक्षारोपण करेंगे और वातावरण को शुद्ध और हरा भरा करने में सहयोग प्रदान करेंगे।

इस अवसर पर महाविद्यालय के एनसीसी अधिकारी कैप्टन सुनील सोनी के द्वारा एनसीसी क्रेडिट के माध्यम से प्रति सप्ताह 100 वृक्ष लगाने का लक्ष्य रखा गया है जिसमें क्रेडिट के द्वारा अपने घरों खेतों और सार्वजनिक स्थान पर फलदार एवं छायादार वृक्षों का रोपण करके वातावरण को शुद्ध बनाने में सहयोग प्रदान करेंगे

कैप्टन सोनी के द्वारा 13 एमपी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल एएस चटवाल का आभार व्यक्त किया जिनके निर्देश और सहयोग से एनसीसी में विभिन्न प्रकार की एक्टिविटी की जा रही है इसके साथ ही योग 21 मइ से 21 जून तक योग एक्टिविटी कार्यक्रम भी महाविद्यालय में मनाया जा रहा है जिसमें एनसीसी कैडेट प्रतिदिन महाविद्यालय में उपस्थित होकर योग सीख रहे हैं और अपने साथियों को योग से होने वाले लाभों को आम जनता तक पहुंचा रहे हैं क्रेडिट होने संकल्प लिया है सीखो और सिखाओ पद्धति के आधार पर हम योग सीख कर अपने गांव में समाज में गांव के स्कूलों में योग का प्रचार प्रसार करेंगे और छोटे-छोटे बच्चों को योग से स्वस्थ और तंदुरुस्त रहने के लिए प्रेरित करेंगे। इस अवसर पर महाविद्यालय के कर्मचारी एवं स्टाफ उपस्थित थे।

अनमोल वचन

अपने विषय में कुछ कहना प्रायः बहुत कठिन हो जाता है क्यों कि अपने दोष देखना आपको अप्रिय लगता है और उनको अनदेखा करना औरों को। – **महादेवी वर्मा**

ताकतवर होने के लिए अपनी शक्ति में भरोसा रखना जरूरी है, वैसे व्यक्तियों से अधिक कमज़ोर कोई नहीं होता जिन्हें अपने सामर्थ्य पर भरोसा नहीं। – **स्वामी दयानंद सरस्वती**

सम्पादकीय

इजराइल-ईरान संघर्ष के बीच हो रहे जी-7 से उम्मीदें

रटंत तोते की तरह दुनिया के अधिकांश देशों के कर्ता–धर्ता बुलंद आवाज में यह तो कहते सुने जाते हैं कि युद्ध किसी भी समस्या का समाधान नहीं हो सकता, लेकिन फिर भी इस युद्ध रुपी जाल में वही फंसते हुए दिख जाते हैं। यदि यकीन नहीं होता तो पिछले दो दशक के आंकड़े उठाकर देख लें, यकीन हो जाएगा। अधिकांश देश अपनी सीमा के अंदर और सीमा पार से उपजती समस्याओं का समाधान बातचीत से निकालने की बजाय एक–दूसरे पर हिंसक कार्रवाई करने से गुरेज नहीं कर रहे हैं। कहने को वर्तमान में अमेरिका की विश्व स्तर पर चौधराहट कायम है, लेकिन जिस तरीके से ट्रंप सरकार व्यापारिक लाभ को आगे रखकर फैसले ले रही है, उससे दुनियां के देश शांति का रास्ता छोड़ हिंसा की राह अपनाने को मजबूर होते चले जा रहे हैं। फिर चाहे मामला अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व शासनकाल की बात हो या फिर वर्तमान में लिए जा रहे कल्पनातीत फैसले हों। इससे हटकर एक तरफ रुस और यूक्रेन के बीच एक लंबा युद्ध का इतिहास लिखा जा रहा है तो वहीं दूसरी तरफ हमास के हमले के बाद इजराइल ने गाजा का जो हाल किया, उसे देख दुनियां कराह उठी है। नौनिहाल बच्चों, महिलाओं, बुजुर्गों समेत बीमार लोगों की बड़ी तादात इजराइली हमलों में इस दुनियां को सदा के लिए अलविदा कह चुकी है। खूबसूरत दिखने वाले मकानात और शहर के शहर खंडहर हो चुके हैं। अब खाने–पीने और इलाज नहीं होने के कारण नई आपात स्थिति निर्मित हो गई है। इसलिए कहा जा रहा है कि इस समय यदि किसी को दुनियां में क्रूरता के साथ इंसानियत कुचलने का प्रमाण देखने का दिल करे तो वह गाजा का दौरा कर सकता है। इस हिंसा का कोई अंत नहीं है, क्योंकि जब सोच कत्लेआम की हो जाए तो खून भी पानी हो जाता है और मानव कीड़े–मकोड़ों की तरह नजर आने लगते हैं। इसी बीच इजराइल ने संभवतः दुनियां का ध्यान गाजा से हटाने के लिए ईरान पर यह कहते हुए हमला किया कि उसे परमाणु संपन्न देश बनने नहीं दिया जाएगा। इसके बाद लगातार चौथे दिन इजराइल और ईरान की एक–दूसरे पर आक्रामक कार्रवाई ने पश्चिम एशिया को विस्फोटक मोड़ पर ला–खड़ा किया है। रात के अंधेरे में इजराइली वायुसेना ने तेहरान स्थित विदेश मंत्रालय परिसर को निशाना बनाया, जहां 100 से ज्यादा लोग घायल हो गए। इससे एक दिन पहले ही ईरानी रक्षा मंत्रालय पर मिसाइल बरसाई गईं थीं। स्वास्थ्य मंत्रालय के ताज़ा आंकड़ों की बात करें तो ईरान में वैज्ञानिकों और सैनिक कमांडरों से हटकर अब तक करीब 224 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि डेढ़ हजार से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। वहीं दूसरी ओर ईरान ने 'ट्रू–प्रॉमिस–थ्री' नामक अभियान के तहत पलटवार करते हुए सेंट्रल इजराइल पर बैलिस्टिक मिसाइलें दागीं, जिनसे पांच लोगों की मौत हो गई और करीब 90 लोग जख्मी हो गए। इजराइली पक्ष का कहना है कि ईरानी हमलों में कुल 20 मौतें हुई हैं जबकि 500 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इजराइल ने भी इस युद्धक्षेत्र को 'ऑपरेशन राइजिंग लॉयन' का नाम देते हुए दो–सौ से अधिक फाइटर जेट तैनात किए हैं। इस कार्रवाई में 14 ईरानी परमाणु–महत्व के वैज्ञानिक और 20 से ज्यादा सैन्य कमांडर मारे जाने का दावा किया गया है। जवाबी कार्रवाई में ईरानी रिवॉल्यूशनरी गार्ड (आईआरजीसी) ने इजराइल के तीन एफ–35 जेट गिराने, कुछ रक्षा प्रतिष्ठानों को ध्वस्त करने तथा तेल–गैस संपदा पर हमले का संकल्प जताया है। दोनों देशों की बयानबाज़ी ने क्षेत्रीय–सुरक्षा संतुलन की कमर तोड़ दी है, यहां तक कि आईआरजीसी के वरिष्ठ जनरल मोहसेन रेज़ाई ने दावा किया कि ज़रूरत पड़ने पर पाकिस्तान नया सहयोगी होगा। इसका समय रहते इस्लामाबाद ने खंडन कर दिया, पर इस बयान ने परमाणु–खतरे की चिंता को और गहरा कर दिया है। ऐसे विस्फोटक दृश्य–पटल पर सात प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं का मंच–जी–7 अपना वार्षिक शिखर सम्मेलन आयोजित कर रहा है। अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस, जर्मनी, इटली, कनाडा और जापान के नेता ऊर्जा–सुरक्षा, खाद्य–श्रृंखला और वैश्विक विकास के मसले पर चर्चा को बैठेंगे, किंतु राजनयिक गलियारे में असली कसौटी यही होगी कि वे इजराइल–ईरान युद्धविराम के लिए कोई ठोस खाका पेश कर पाते हैं या नहीं। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प, जिन्होंने दावा किया है कि बहुत जल्द शांति समझौता होगा, पहली बार सम्मेलित मंच पर प्रत्यक्ष रूप से दोनों पक्षों को संयम बरतने का आग्रह कर सकते हैं। यूरोपीय संघ पहले ही क्षेत्र में मानवीय गलियारे तथा अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की माँग उठा चुका है, लेकिन बिना संयुक्त रूख के परिणाम निकल पाना संभव नहीं लगता है। जी–7 की भूमिका इस बार इसलिए भी निर्णायक है कि मौजूदा टकराव से तेल–बाज़ार बेकाबू होता दिख रहा है। याद रहे यदि संघर्ष लंबा खिंचा तो ब्रेंट क्रूड 150 डॉलर प्रति बैरल लांघ सकता है, जिससे वैश्विक मुद्रास्फीती की नई लहर उठेगी।

चिंतन-मनन

बल और बुद्धि में संतुलन जरुरी

एक बार बल और बुद्धि में विवाद हो गया। बल ने कहा,मैं बड़ा हूं। मेरे बिना कुछ भी नहीं होता। बुद्धि ने कहा,तुम किसी काम के नहीं हो। मैं बड़ी हूं। मेरे बिना तुम्हारी उपयोगिता ही क्या है? दोनों इस विषय पर उलझ गए। विवाद का निपटारा करने के लिए वे विवेक के पास पहुंचे। दोनों ने अपनी–अपनी श्रेष्ठता बताते हुए न्याय करने की प्रार्थना की। विवेक ने कहा,मेरे साथ चलो। मैं न्याय करूंगा। उसने अपने हाथ में एक हथौड़ा और लोहे की एक कील ली। वह कील मुड़ी हुई थी। विवेक उन दोनों को साथ लेकर चल पड़ा। वे तीनों एक वृद्ध व्यक्ति के पास पहुंचे। विवेक बोला,आप समझदार हैं, बुद्धिमान और अनुभवी हैं। हमारा एक छोटा–सा काम कर दें। यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई। आप इसे सीधी कर दें। वृद्ध ने कहा–हां कर दूंगा। विवेक ने वृद्ध के हाथ में हथौड़ा थमा दिया। वृद्ध व्यक्ति ने हथौड़ा चलाना चाहा किंतु वह उसे चला नहीं सका। उसके हाथ इस कार्य को करने में असमर्थ थे। उसने हथौड़ा लौटाते हुए कहा,भाई, यह कार्य संभव नहीं है। विवेक ने बुद्धि से कहा,देखो, बुद्धिमान होते हुए भी यह वृद्ध इस छोटे से कार्य को नहीं कर सका। बुद्धि, बल और विवेक तीनों आगे बढ़े। विवेक ने देखा एक हट्टा–कट्टा जवान खेत में काम कर रहा है। वह शक्तिशाली था किंतु बुद्धिमान नहीं था। तीनों उस जवान के पास पहुंचे। विवेक ने कहा,भैया, तुम बहुत शक्तिशाली हो। क्या तुम हमारा एक काम कर दोगे? यह लोहे की कील टेढ़ी हो गई है। इसे सीधा करना है। तुम इस हथौड़े से इसे सीधा बना दो। जवान ने हथौड़ा हाथ में लिया। कील को रेतीले टीले पर रखा। उस पर हथौड़े से एक जोरदार प्रहार किया। उस तेज प्रहार से खूब रेत उड़ी और सबकी आंखों में भर गई। कील भूमि के अंदर तक चली गई। विवेक ने बल से कहा,जब बल होता है, बुद्धि नहीं होती, तब यही स्थिति बनती है। बल और बुद्धि दोनों का अहंकार आहत हो उठा। विवेक ने कहा–बलवान वही है, जिसमें बल और बुद्धि दोनों हो। जब तक मनुष्य में अपने बल और बुद्धि का घमंड रहेगा, उस पर भगवान की कृपा नहीं होगी। उसके बल की समाप्ति के बाद ही, भगवान का बल प्रारंभ होता है। भगवान को भूलकर मनुष्य कितना ही बुद्धि का विकास कर ले और कितना ही बलशाली बन जाए, उसे अपने लक्ष्य में सफलता नहीं मिल सकती। प्रेम से पुकारने पर भगवान खुद ही दौड़े चले आते हैं। सुदामा जब बाल सखा से मिलने पहुंचे तो उनके मन में कई शंकाएं थीं। भगवान श्रीकृष्ण को पता चला कि सुदामा उनसे मिलने आए हैं तो वे सुदामा को लाने के लिए नंगे पाव दौड़ पड़े।

राजमाता जीजाबाई : मातृत्व, साहस और नेतृत्व की अद्वितीय गाथा

राजमाता जीजाबाई का जन्म 12 जनवरी 1598 को लखुजी जाधवराव और महालसा बाई के यहां देवगिरी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था। लखुजी जाधव अहमदनगर के निज़ामशाही दरबार में एक उच्चस्तरीय मराठा सरदार थे। जाधव वंश की यह कन्या अपनी बाल्यावस्था से ही राजनीतिक घटनाओं, सैन्य चर्चा और धार्मिक वातावरण से घिरी हुई थी। डॉ. जयसिंह राव पवार अपनी पुस्तक मराठों का इतिहास में उल्लेख करते हैं कि जीजाबाई की प्रारंभिक शिक्षा में शास्त्र, नीति, धर्म और प्रशासनिक मूल्यों का समावेश था। वे रामायण और महाभारत की गूढ़ शिक्षाओं में रुचि रखती थीं, जिससे उनके भीतर नीति और धर्म की समृद्ध समझ विकसित हुई।

– **डॉ. शैलेश शुक्ला**

भारतीय इतिहास की महान विभूतियों में राजमाता जीजाबाई का नाम आदर और श्रद्धा से लिया जाता है। वे केवल छत्रपति शिवाजी महाराज की जननी ही नहीं थीं, अपितु वे एक विचार, एक दृष्टिकोण और एक प्रेरणा की मूर्तिमान अभिव्यक्ति थीं। उनका जीवन मातृत्व, नेतृत्व, राजनीतिक समझ, धार्मिकता और सामाजिक चेतना का संगम था। 'शिवाजी अंधश्रद्धा से परे' (लेखक – जेम्स डब्ल्यू लेन) में यह स्पष्ट रूप से कहा गया है कि शिवाजी का व्यक्तित्व मुख्यतः जीजाबाई की शिक्षा, दृष्टिकोण और अनुशासन का ही प्रतिफल था।

राजमाता जीजाबाई का जन्म 12 जनवरी 1598 को लखुजी जाधवराव और महालसा बाई के यहां देवगिरी (वर्तमान महाराष्ट्र) में हुआ था। लखुजी जाधव अहमदनगर के निज़ामशाही दरबार में एक उच्चस्तरीय मराठा सरदार थे। जाधव वंश की यह कन्या अपनी बाल्यावस्था से ही राजनीतिक घटनाओं, सैन्य चर्चा और धार्मिक वातावरण से घिरी हुई थी। डॉ. जयसिंह राव पवार अपनी पुस्तक मराठों का इतिहास में उल्लेख करते हैं कि जीजाबाई की प्रारंभिक शिक्षा में शास्त्र, नीति, धर्म और प्रशासनिक मूल्यों का समावेश था। वे रामायण और महाभारत की गूढ़ शिक्षाओं में रुचि रखती थीं, जिससे उनके भीतर नीति और धर्म की समृद्ध समझ विकसित हुई। जीजाबाई का विवाह शाहजी भोंसले से हुआ, जो बीजापुर दरबार में एक शक्तिशाली सैन्य प्रमुख थे। विवाह के उपरांत जीजाबाई को राजनीतिक अस्थिरता, युद्ध, दमन और पारिवारिक तनाव का सामना करना पड़ा। शाहजी के बीजापुर दरबार में रहते हुए वे प्रायः राज्य से दूर रहते थे। इस स्थिति में जीजाबाई ने पुणे में रहकर बालक शिवाजी का लालन–पालन किया। शिवचरित्र (लेखक – बाबासाहेब पुरंदरे) के अनुसार पुणे की वीरान भूमि को उन्होंने न केवल बसाया, बल्कि उसे शिवाजी की कर्मभूमि भी बनाया। वे स्वयं प्रशासनिक कार्यों में भाग लेती थीं और बालक शिवाजी को शासन कौशल की शिक्षा देती थीं।

राजमाता जीजाबाई ने मातृत्व को केवल संतान–पालन तक सीमित नहीं रखा, बल्कि उन्होंने इसे राष्ट्र–निर्माण का माध्यम बनाया। शिवभारत (कवि पंडित परमानंद द्वारा रचित) में वर्णन मिलता है कि जीजाबाई प्रतिदिन शिवाजी को रामायण और महाभारत की कहानियाँ सुनाया करती थीं और उन्हें रघुकुल और

पांडवों के आदर्शों से जोड़ती थीं। जीजाबाई ने बालक शिवाजी को यह सिखाया कि एक राजा का धर्म केवल शासन करना नहीं है, बल्कि प्रजा की सेवा और रक्षण करना भी है।

उन्होंने बालक शिवाजी को महत्त्वपूर्ण सूत्र सिखाया –

राजा वह नहीं जो राजमहलों में रहे, बल्कि वह है जो रणभूमि में प्रजाजनों के लिए लड़े।

सत्ता सेवा का माध्यम है, अधिकार का नहीं।

'भारतीय नारियां' (लेखिका – रमा झा) के अनुसार, जीजाबाई का मातृत्व एक ऐसा स्तंभ था जिस पर सम्पूर्ण मराठा साम्राज्य का निर्माण खड़ा हुआ।

जीजाबाई कट्टर धार्मिक थीं, परंतु वह कट्टरता अंधविश्वास नहीं, बल्कि समावेशी और सहिष्णु विचारधारा पर आधारित थी। उन्होंने शिवाजी को हिन्दू धर्म की गहराई, उसकी नैतिकता और सार्वभौमिक दृष्टिकोण से परिचित कराया। शिवाजी अंधश्रद्धा से परे में यह भी वर्णित है कि जीजाबाई के धार्मिक दृष्टिकोण ने शिवाजी को अन्य धर्मों के प्रति सहिष्णुता का दृष्टिकोण अपनाने के लिए प्रेरित किया।

उनकी प्रेरणा से शिवाजी ने मंदिरों के संरक्षण के साथ–साथ मस्जिदों और सूफी दरगाहों का भी सम्मान किया, जैसा कि 1674 में उनके राज्याभिषेक के समय धर्मगुरुओं की बहुलता से सिद्ध होता है जीजाबाई ने शिवाजी को न केवल धार्मिक और नैतिक मूल्य सिखाए, बल्कि उन्होंने सैन्य कौशल और राजनीतिक चातुर्य भी सिखाया। बालक शिवाजी को उन्होंने यह सिखाया कि दुश्मन को हराना तलवार से नहीं, पहले बुद्धि से करना चाहिए।

'राजमाता जीजाऊ' (लेखक – दत्तोपंत आपटे) के अनुसार, वे शिवाजी के सभी रणनीतिक योजनाओं में मानसिक सहारा बनी रहीं। जब शिवाजी ने 1645 में बीजापुर के विरोध में स्वराज्य की घोषणा की, तो जीजाबाई ने न केवल आशीर्वाद दिया बल्कि उनकी योजना को विस्तार भी दिया।

राजमाता जीजाबाई उस कालखंड की महिला थीं, जब समाज में महिलाओं की स्थिति अत्यंत सीमित थी, परंतु उन्होंने अपने जीवन से सिद्ध किया कि महिलाएं केवल घर की शोभा नहीं, बल्कि समाज का नेतृत्व भी कर सकती हैं।

'Women in Indian History' (लेखिका – किरण पवार) में उल्लिखित है कि जीजाबाई ने पुणे में बालिकाओं की शिक्षा के लिए पाठशालाएं खुलवाईं और विधवाओं के लिए संरक्षण गृह की स्थापना करवाई। वे इस बात की पक्षधर थीं कि स्त्रियों को भी राष्ट्र के निर्माण में समान भागीदारी दी जानी चाहिए। उनका यह दृष्टिकोण मराठा समाज में महिलाओं के प्रति सम्मान और जागरूकता लाने में क्रांतिकारी सिद्ध हुआ।

शाहजी की अनुपस्थिति, शिवाजी के संघर्ष और राजनीतिक अस्थिरता – इन सब के बीच जीजाबाई एक दृढ़ स्तंभ बनकर खड़ी रहीं। जब शिवाजी अग्निपरीक्षा से गुजर रहे थे, तब जीजाबाई ने उन्हें साहस, धैर्य और राष्ट्रभक्ति के लिए प्रेरित किया। जब अफजल खान के साथ युद्ध की योजना बनी, तब जीजाबाई ने अपने पुत्र को सजीव उदाहरणों के माध्यम से बताया कि धर्म और स्वराज्य की रक्षा के लिए छल का उपयोग यदि शत्रु कर रहा है, तो न्यायसंगत उत्तर देना आवश्यक है।

राजमाता जीजाबाई का जीवन केवल मराठा इतिहास तक सीमित नहीं है। वह भारतवर्ष की समूची मातृशक्ति की प्रतीक बन गईं। उनके विचार, शिक्षाएं और दृष्टिकोण आज भी प्रेरणास्रोत हैं।

उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाना होगा

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं– हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं–खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है।

– **ललित गर्ग**

मानव एवं जीव–जंतुओं का जीवन भूमि पर निर्भर है। फिर भी, पूरी दुनिया में प्रदूषण, भूमि का दोहन, जलवायु अराजकता और जैव विविधता विनाश का एक जहरीला मिश्रण स्वस्थ भूमि को रेगिस्तान में बदल रहा है और संपन्न पारिस्थितिकी तंत्र मृत क्षेत्रों में बदल रहा है। 'हमारी भूमि' नारे के तहत भूमि बहाली, मरुस्थलीकरण और सूखा निवारण आज की जलवायु समस्याओं का सटीक समाधान हो सकता है, इसी को ध्यान में रखते हुए विश्व मरुस्थलीकरण एवं सूखा निवारण दिवस 17 जून को मनाया जाता है। यह दिन मरुस्थलीकरण और सूखे से निपटने के लिए जागरूकता बढ़ाने और लोगों को एकजुट करने के लिए मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम है 'भूमि के लिए एकजुट। हमारी विरासत। हमारा भविष्य' है, संयुक्त राष्ट्र के अनुसार यह दिवस पर भूमि के महत्व और इसे भावी पीढ़ियों के लिए संरक्षित करने की आवश्यकता पर प्रकाश डालता है। कोलंबिया गणराज्य इस वर्ष 17 जून को मरुस्थलीकरण और सूखा दिवस के वैश्विक आयोजन की मेजबानी करेगा, जो प्रकृति–आधारित समाधानों के माध्यम से भूमि क्षरण को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है। बोगोटा में आयोजित यह कार्यक्रम स्थिरता, शांति और समावेशी विकास के उत्प्रेरक के रूप में भूमि बहाली एवं सूखा निवारण की तत्काल आवश्यकता पर प्रकाश डालेगा, साथ ही भोजन, पानी, रोजगार और सुरक्षा सुनिश्चित करने में स्वस्थ भूमि की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर देगा।

स्वस्थ भूमि संपन्न अर्थव्यवस्थाओं का आधार है, वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद का आधा से अधिक हिस्सा प्रकृति पर निर्भर है। फिर भी हम इस प्राकृतिक पूंजी को खतरनाक दर से नष्ट कर रहे हैं– हर मिनट, भूमि क्षरण के कारण चार फुटबॉल मैदानों के बराबर भूमि नष्ट हो

जाती है। इससे जैव विविधता का नुकसान होता है, सूखे का खतरा बढ़ता है और समुदाय विस्थापित होते हैं। इसके प्रभाव वैश्विक हैं–खाद्य पदार्थों की बढ़ती कीमतों से लेकर अस्थिरता और पलायन तक। मरुस्थलीकरण, भूमि क्षरण और सूखा हमारे समय की सबसे गंभीर पर्यावरणीय चुनौतियों में से हैं तथा विश्वभर में 40 प्रतिशत भूमि क्षेत्र पहले से ही क्षरित माना जाता है। संयुक्त राष्ट्र के पारिस्थितिकी तंत्र बहाली दशक 2021–2030 के आधे पड़ाव पर पहुंचने के साथ ही, हमें भूमि क्षरण की लहर को बड़े पैमाने पर बहाली में बदलने के प्रयासों में तेजी लानी चाहिए। यदि मौजूदा रुझान जारी रहे, तो हमें 2030 तक 1.5 बिलियन हेक्टेयर भूमि को बहाल करना होगा और एक ट्रिलियन डॉलर की भूमि बहाली अर्थव्यवस्था को गति देनी होगी।

भूमि को पुनःस्थापित करें, अवसरों को खोलें थीम के अंतर्गत, इस बात पर प्रकाश डालता है कि प्रकृति की नींव–भूमि–को पुनःस्थापित करने से किस प्रकार रोजगार सृजित हो सकते हैं, खाद्य और जल सुरक्षा को बढ़ावा मिल सकता है, जलवायु कार्रवाई का समर्थन किया जा सकता है और आर्थिक लचीलापन निर्मित किया जा सकता है। यह विशेष रूप से उन शुष्क, अर्द्ध–शुष्क और शुष्क उप–आर्द्र क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करता है, जिन्हें शुष्क भूमि के रूप में जाना जाता है, इन स्थानों पर सबसे कमज़ोर पारिस्थितिक तंत्र पाए जाते हैं। यह दिवस अंतरराष्ट्रीय सहयोग से उपजाऊ भूमि को मरुस्थल होने से बचाता, बंजर और सूखे के प्रभाव का मुकाबला करने में सक्षम बनाता है। वर्ष 1994 में संयुक्त राष्ट्र महासभा ने अपने एक प्रस्ताव में बंजर और सूखे से जुड़े मुद्दे पर जन जागृति का माहौल निर्मित करने के लिये इस दिवस की घोषणा की। बढ़ते मरुस्थल के प्रति सचेत होना इसलिये जरूरी है कि दुनिया हर साल 24 अरब टन उपजाऊ भूमि खो देती है। मरुस्थलीकरण से बचाव के लिए जल संसाधनों का संरक्षण तथा समुचित मात्र में विवेकपूर्ण उपयोग काफी कारगर भूमिका अदा कर सकती है।

मरुस्थलीकरण एक तरह से भूमि क्षरण का वह प्रकार है, जब शुष्क भूमि क्षेत्र निरंतर बंजर होता है और नम भूमि भी कम हो जाती है।

जैनरिक दवा मैडिकल माफियाओं के गिद्ध दृष्टि की गिरफ्त में

– **विनोद कुमार सिंह**

माननीय सर्वोच्च न्यायलय ने एक मई 2025 को मौखिक रूप से टिप्पणी की है कि यदि डॉक्टरों को केवल जेनेरिक दवाएं ही लिखने के लिए विधिक रूप से बाध्य किया जाए,तो फार्मा कंपनियों द्वारा महंगी ब्रांडेड दवाओं के प्रचार हेतु डॉक्टरों को दी जाने वाली कथित घूस की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है। प्रधानमंत्री की महत्वाकांक्षी योजना जन औषधि केन्द्र के माध्यम से आम जनता को दस्ती व अच्छी दवा उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है,लैकिन यथार्थ की घरातल पर इस योजना का नजारा कुछ और ही है।आपको बता दे कि भारत में जेनेरिक दवा बेचने के 9500 से भी अधिक जन औषधि केन्द्र हैं।इन अधिकत्तर केन्द्रों में नागरिकों को जेनेरिक दवा नहीं मिल रही है।अगर कहीं जेनेरिक दवा उपलब्ध है भी तो डॉक्टरों तथा निजी दवा कंपनियों का गठजोड़ उन जेनेरिक दवा का प्रयोग के रास्ते में बड़ा बाधक बन रहा है।60 श्रेणी की 60,000 किस्म की दवाइयां उन औषधि केन्द्रों के लिए

बनाई जाती है,फिर भी ब्रांडेड औषधि के मुकाबले जेनेरिक औषधियों का उत्पादन हिस्सा मात्र डेढ़ प्रतिशत ही है। जो इस बात का पुष्टि करता है कि आज भी ब्रांडेड फार्मा कंपनियों का ही बाजार में बोलबाला है।सर्व विदित रहें फार्मा कम्पनी दवा के नाम पेटेंट करा कर ऊँची कीमत पर बेचती हैं,जबकि जेनेरिक दवा 40 से 90 प्रतिशत तक कम मूल्य पर उपलब्ध हैं।उदाहरण के तौर पर क्रॉसिन व डोलो का शुद्ध साल्ट पेरासिटामोल है किन्तु पेटेंट नाम होने से साल्ट कई गुणा ऊंची कीमत पर बिकता है।स्वास्थ्य मंत्रालय ने चिकित्सकों को जेनेरिक औषधियां मरीज के पर्चे पर लिखने की सलाह दी तो इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आई एम ए)ने आसमान सिर पर उठा लिया।पूरे देश में जेनेरिक औषधियों के विरुद्ध एक अभियान चलाया गया।मरीजों और उनके रिस्तेदारों को यह बताया गया कि जेनेरिक दवायें बकवास हैं,30 प्रतिशत भी असरदार नहीं।खासकर कैंसर व हार्ट रोग की जेनेरिक दवाइयां तो बिल्कुल बेअसर है।भारत सरकार की जेनेरिक दवा योजना को डॉक्टरों व दवा कंपनियों के साथ गठजोड़ कर रखा है।इसी कारण तमाम डाक्टरों ने मिलकर भारत सरकार में स्वास्थ्य मंत्रालय की सलाह को रद्दी की टोकरी में डाल दिया है।आश्चर्य है कि सरकारी अस्पताल के डॉक्टर्स भी पर्ची पर ब्रांडेड दवाइयों के नाम लिखते हैं जबकि उन्हे स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जेनेरिकऔषधि को प्रिस्क्राइब करने के आदेश हैं।कई नीजी अस्पताल मे सरकारी डॉक्टर अपना प्राइवेट प्रैक्टिस करते हैं,जिन्होंने अपने निजी क्लीनिक पर स्वयं मेडिकल स्टोर खोल रखा है या खुलवा रखा है,वहां जेनेरिक औषधि नहीं,केवल ब्रांडेड दवायें ही मिलती है।अधिकांश जन औषधि केन्द्रों पर दवाओं की उपलब्धता नहीं होती।80 प्रतिशत ऐसा ही होता है।

खास बात

भारतीयों का उत्साह पर बेहतर कैसे हों संबंध

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जी–7 शिखर सम्मेलन 2025 के लिए कनाडा के कैलगरी दौरे को लेकर कनाडा में बसे भारतीय समुदाय में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला है। यह उत्साह इस शर्त के साथ है कि भारत और कनाडा के रिश्ते बेहतर हों। खबरों के मुताबिक कनाडा में रहने वाले अनेक लोगों ने इस दौरे के महत्व और भारत की प्रगति पर अपने विचार साझा किए हैं। ऐसे ही भारतीयों का कहना है कि पीएम मोदी का कैलगरी आना उनके लिए गर्व की बात है। कनाडा में रहते हुए भी उन्हें इस बात की खुशी है कि भारत को जी–7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया गया है। यह भारत की वैश्विक साख को दर्शाता है। अब सवाल यह है कि आखिर भारत और कनाड़ा के बिगड़े संबंध कैसे सुधरेंगे? ऐसी कौन–सी बात की जाए, जिससे कनाडा भारत के प्रति पूराना दोस्ताना रवैया पुनः अख्तियार कर ले और फिर दोनों प्रगति पथ पर साथ चलें।

आफत विमानों पर आई या बात है कुछ और

अभी अहमदाबाद विमान हादसे का दर्द कम भी नहीं हुआ है कि हज यात्रियों से भरे विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं, लेकिन राहत की खबर यह रही कि बड़ा हादसा टल गया। यही नहीं हांगकांग से आ रहे विमान में बम की धमकी इससे पहले बद्रीनाथ में हेलिकॉप्टर क्रैश होना और भी जानकारियों विमान संबंधी निकल कर आ रही हैं। इसे देखते हुए कहा जा रहा है कि विमानों पर आफत आई हुई है। यहां हज यात्रियों को लेकर जेद्दा से लखनऊ पहुंचा विमान बड़े हादसे का शिकार होते–होते बचा है। गनीमत रही कि विमान के पहियों से निकली चिंगारी और धुआं को देखते ही सभी चीजों को नियंत्रित कर लिया गया। इसे लेकर कहा जा रहा है कि यह आफत महज विमानों के लिए ही आई है या फिर मामला कुछ और है, क्योंकि जब से एयर इंडिया को निजी हाथों में सौंपा गया है, तभी से इस तरह की खबरें ज्यादा ही आ रही हैं। यह भी एक तरह से जांच का विषय होता जा रहा है।

युद्ध की स्थिति में कौन सुरक्षित?

ईरान और इजरायल के बीच बढ़े तनाव और दोनों ओर से किए गए हमलों को देखते हुए इजरायल में मौजूद भारतियों की चिंता होना स्वभाविक है। इसलिए भारतीय नागरिकों की सुरक्षा सर्वोपरि होने का उल्लेख करते हुए भारतीय मिशन ने एक ताजा परामर्श जारी करते हुए अपने नागरिकों को 'सतर्क रहने और किसी भी अनावश्यक आवाजाही से सख्ती से बचने की सलाह दी है। इजरायली अधिकारियों द्वारा दी गई इस तरह की सलाह के अनुसार सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने को कहा गया है। अब सवाल यह है कि जब दोनों ही देशों ने एक दूसरे पर मिसाइलें दागी हैं और लगातार मौतें होने के समाचार भी निकल कर आ रहे हैं तो ऐसे में आखिर कौन, कहां और कैसे सुरक्षित रह सकता है। इस पर गंभीरता से विचार करने की आवश्यकता है। वैसे अच्छा होता कि युद्ध के हालात न बनते और सभी इंसानियत व प्रेम और भाईचारे के साथ मिल–जुलकर रहते।

राशिफल

शुभ संवत 2082, शाके 1947, सौम्य गोष्ठ, आषाढ़ कृष्ण पक्ष, ग्रीष्म ऋतु, गुरु अस्त, पश्चिमे शुक्रोदय पूर्वे तिथी षष्ठी, मंगलवासरे, शतभिषा नक्षत्रे, विष योगे, वालव करणे, कुंभ की चंद्रमा, भद्रा 16/19 त्रिपुस्कर योग 43/24 रवियोग 43/24 व्यापार मुर्हूत तथापि पश्चिम दिशा की यात्रा शुभ तथा उत्तम होगी।

आज जन्म लिए बालक का फल

आज जन्म लिया बालक योग्य, बुद्धिमान, जिद्दी–हठी, स्वाभिमानी, कुशल वक्ता–अधिवक्ता, शासक–प्रशासक, लेखक–कवि तथा कथा–कहानीकार, उत्तम वृत्ति का होगा।

मेषः विरोधी तत्व परेशान करेंगे, अधिकारियों से तनाव, इष्ट मित्र कष्टप्रद बने रहेंगे।

वृष : कार्यकुशलता से संतोष, व्यावसयिक गति में सुधार तथा कार्य योजना अवश्य ही बनेगी।

मिथुन : इष्ट मित्रों से लाभ, स्त्री से मन प्रसन्न रहेगा, मनोवृत्ति संवेदनशील बनी ही रहेगी।

कर्क : मनोबल उत्साहवर्धक होगा, कार्य कुशलता से संतोष होगा, कार्य व्यावसाय उत्तम होगा।

सिंह : चोटचपेट होने का भय, कार्यगति में बाधा होगी किन्तु अधिकारियों का सहयोग मिले।

कन्या : यात्रा से लाभ, परिवार में सुख–शांति तथा कार्य में रुकावट होगी।

तुला : अधिकारी वर्ग सहायक होंगे, भाग्य का सितारा साथ देगा तथा रुके कार्य बन ही जायेंगे।

वृश्चिक : किसी के धोके से विवाद होने की संभावना बने, धन हानि, व्यर्थ भ्रमण होगा।

धनु : मनोवृत्ति संवेदनशील रहे, भोग–ऐश्वर्य में समय बीते तथा कार्य में बाधा अवश्य होगी।

मकर : स्थिति में सुधार होते हुए भी फलप्रद नहीं, कार्य विफलत्व, चिन्ताप्रद कार्य होगा।

कुम्भ : धन लाभ, आशानुकूल सफलता का हर्ष होगा, कार्य बनें, अधिकारियों का समर्थन फलप्रद हो।

मीन : समय अनुकूल नहीं, विशेष कार्य स्थिगित रखें, कार्य अवरोध अवश्य ही होगा।

– **पीएल गौतमाचार्य**

दैनिक पंचांग

17 जून 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

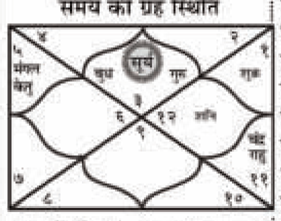

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	मिथुन में	मिथुन	05.06 बजे से
चंद्र	कुंभ में	कर्क	07.24 बजे से
मंगल	सिंह में	सिंह	09.40 बजे से
बुध	मिथुन में	कन्या	11.52 बजे से
गुरु	मिथुन में	तुला	14.03 बजे से
शुक्र	मेष में	वृश्चिक	16.17 ब.से
शनि	मीन में	धनु	18.33 बजे से
राहु	कुंभ में	मकर	20.38 बजे से
केतु	सिंह में	कुंभ	22.25 बजे से
राहुकाल 3.00 से 4.30 बजे तक		मीन	23.58 बजे से
		मेष	01.28 बजे से
		वृष	03.08 बजे से

मंगलवार 2025 वर्ष का 168 वा दिन
दिशाशूल उत्तर **ऋतु** वर्षा।
विक्रम संवत् 2082 **शक संवत्** 1947
मास आषाढ़ (दक्षिण भारत में ज्येष्ठ)
पक्ष कृष्ण
तिथि षष्ठी 14.47 बजे को समाप्त।
नक्षत्र शतभिषा 01.02 बजे रात्र को समाप्त।
योग विष्कुम्भ 09.34 बजे को समाप्त।
करण वणिज 14.47 बजे तदनन्तर विष्टि 02.15 बजे रात्र को समाप्त।
चन्द्रायु 20.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 23° 23'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872378
जूलियन दिन 2460843.5
कलियुग संवत् 5125
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2551
हिजरी सन् 1446
महीना जिल्हेज **तारीख** 20

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
रोग	05.53 से	07.22 बजे तक	काल	05.42 से	07.13 बजे तक
उद्वेग	07.22 से	08.15 बजे तक	लाभ	07.13 से	08.45 बजे तक
चर	08.15 से	10.19 बजे तक	उद्वेग	08.45 से	10.16 बजे तक
लाभ	10.19 से	11.48 बजे तक	शुभ	10.16 से	11.48 बजे तक
अमृत	11.48 से	01.16 बजे तक	अमृत	11.48 से	01.19 बजे तक
काल	01.16 से	02.45 बजे तक	चर	01.19 से	02.51 बजे तक
शुभ	02.45 से	04.13 बजे तक	रोग	02.51 से	04.22 बजे तक
रोग	04.13 से	05.42 बजे तक	काल	04.22 से	05.54 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■Jagrutidaur.com, Bangalore

रामायण कोई कहानी नहीं इतिहास है

रामायण एक आध्यात्म से जुड़ा इतिहास है इसमें भारतीय संस्कृति के अद्भुत गुण देखने को मिलते हैं और कहीं-कहीं आश्चर्यचकित कर देने वाली घटनाओं का वर्णन किया गया है।

रामायण में वर्णित रावण द्वारा श्रीलंका जाते समय पुष्पक विमान का मार्ग, उस मार्ग में कौन सा वैज्ञानिक रहस्य छिपा है। रावण ने पंचवटी (नासिक, महाराष्ट्र) से सीता का अपहरण किया और हम्पी (कर्नाटक), लेपाक्षी (आंध्र प्रदेश) के माध्यम से श्रीलंका पहुंचा। आश्चर्य होता है जब हम आधुनिक तकनीक से देखते हैं कि नासिक, हम्पी, लेपाक्षी और श्रीलंका एक सीधी रेखा में हैं। यह पंचवटी से श्रीलंका तक का सबसे छोटा मार्ग है। अब आप सोचते हैं कि उस समय कोई ब्वचढ्ढद्य मैप नहीं था जो सबसे छोटा रास्ता बताता हो। फिर, उस समय यह कैसे पता चला कि सबसे छोटा और सीधा मार्ग कौन सा है? या भारत के विरोधियों की संतुष्टि के लिए भी, मान लें कि रामायण केवल एक महाकाव्य है, जिसे वाल्मीकि ने लिखा था, तो मुझे बताएं कि उस समय भी कोई मानचित्र नहीं था, वाल्मीकि, जिन्होंने रामायण लिखा था, कैसे आए थे? पता है कि पंचवटी से श्रीलंका शॉर्ट कट है?

वाल्मीकि ने सीता हरण के लिए केवल उन्हीं स्थानों का उल्लेख किया है, जो पुष्पक विमान का सबसे छोटा और सबसे सीधा मार्ग था। यह ठीक उसी तरह है जैसे 500 साल पहले गोस्वामी तुलसीदास जी को पता था कि पृथ्वी से सूर्य की दूरी कितनी है? (जुग सहस्त्र योजन पर भानु= 152 मिलियन किमी - हनुमानचालीसा), जबकि नासा ने इस दूरी का पता कुछ साल पहले ही लगाया था।

पंचवटी वह स्थान है जहां श्री राम, सीता और लक्ष्मण वनवास के दौरान रहे थे। यहीं पर शूर्पणखा आई और लक्ष्मण से शादी करने के लिए उपद्रव करने लगी। लक्ष्मण को शूर्पनखा की नाक काटने के लिए मजबूर किया गया था, अर्थात हम आज इस स्थान को नासिक (महाराष्ट्र) के रूप में जानते हैं। पुष्पक विमान में, सीता ने नीचे देखा और देखा कि एक पहाड़ की चोटी पर बैठे कुछ बंदर जिज्ञासा से ऊपर की ओर देख रहे थे, सीता ने अपने वस्त्र के कोर को फाड़ दिया और अपने कंगन बांध दिए और राम को ढूंढने में मदद करने के लिए उन्हें नीचे फेंक दिया। जिस स्थान पर सीता ने इन आभूषणों को वानरों के लिए फेंका था, वह 'ऋष्यमुक पर्वत' था जो हम्पी (कर्नाटक) में वर्तमान में स्थित है। इसके बाद, वृद्ध जटायु ने रोते हुए सीता को देखा, देखा कि एक दानव एक महिला को जबरन अपने विमान में ले जा रहा था। सीता को मुक्त करने के लिए जटायु ने रावण से युद्ध किया। रावण ने जटायु के पंखों को तलवार से काट दिया। इसके बाद, जब राम और लक्ष्मण सीता को खोजने के लिए पहुंचे, तो उन्होंने पहला पता दिया कि उस स्थान का नाम 'लेपाक्षी' (आंध्र प्रदेश) है।

यह महर्षि वाल्मीकि द्वारा लिखित एक सच्चा इतिहास है। जिसके सभी वैज्ञानिक प्रमाण आज उपलब्ध हैं। इसीलिए जब भी कोई वामपंथी हमारे इतिहास, संस्कृति, साहित्य को पौराणिक कथा कहकर या खुद को विद्वान बताकर लोगों को भ्रमित करने की कोशिश करता है, तो उसे पकड़कर उससे इन सवालों के जवाब मांगे। यकीन मानिए आप एक भी जवाब नहीं दे पाएंगे। इस सब में आपकी जिम्मेदारी कहां है? आपके हिस्से की जिम्मेदारी यह है कि जब आप टीवी पर रामायण देखते हैं, तो यह मत सोचिए कि कहानी चल रही है, बल्कि यह भी ध्यान रखें कि यह हमारा इतिहास है। इस दृष्टि से रामायण को देखें और समझें। इसके अलावा, हमारे बच्चों को यह दृष्टि देना आवश्यक है, यह कहते हुए कि बच्चों के लिए यह एक कहानी नहीं है, यह हमारा इतिहास है।

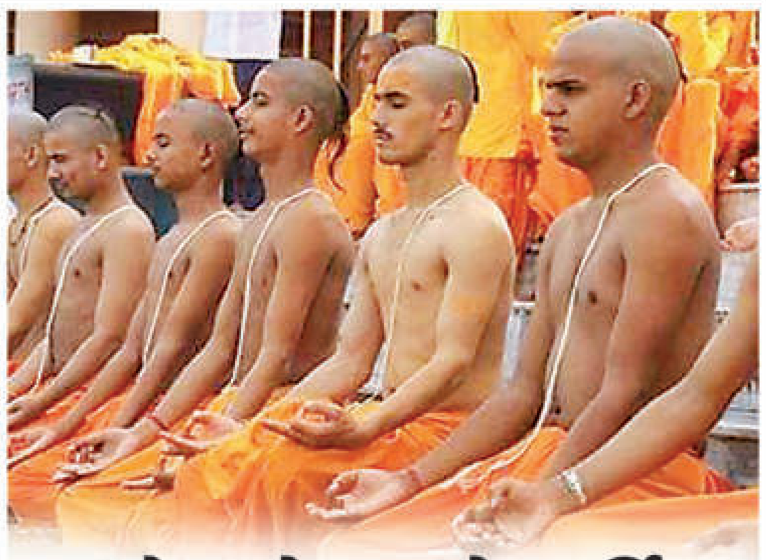

जनेऊ के जाने धार्मिक और वैज्ञानिक महत्व

हिंदू धार्मिक शास्त्रों में जनेऊ को बहुत पवित्र माना जाता है। साथ ही यज्ञोपवीत संस्कार का बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। बता दें कि जनेऊ संस्कार हिन्दू धर्म के प्रमुख 24 संस्कारों में से एक है। यह जनेऊ 'उपनयन संस्कार' के अंतर्गत आता है। तो वहीं हिंदू धर्म के अनुसार ये हर हिन्दू का कर्तव्य है कि, वो जनेऊ धारण करें और उसके नियमों का पालन करें। जनेऊ धारण करने के बाद ही द्विज बालक को यज्ञ तथा स्वाध्याय करने का अधिकार प्राप्त होता है।

क्या होता है जनेऊ

जेसूऊ सूत से बना एक पवित्र धागा होता है। जिसे मनुष्य बाएं कंधे के ऊपर और दाईं भुजा के नीचे पहनता है। इस जनेऊ के कई वैज्ञानिक महत्व भी है। तो आइए आपको बताते है जनेऊ के वैज्ञानिक महत्व और फायदों के बारे में

स्मरण शक्ति बेहतर- हर रोज जनेऊ कान पर रखने से स्मरण शक्ति बेहतर होती है। कान पर जेनऊ इसलिए कहा जाता है क्योंकि कान दबाव पड़ने से दिमाग की वे नसें खुल जाती हैं, जिनका संबंध स्मरण शक्ति से होता है।

रक्तचाप नियंत्रण- शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने से जो नसें दबती हैं, उनसे रक्तचाप नियंत्रण में रहता है एक स्टेडी के मुताबिक ये बात सामने आई है कि शौच के समय जनेऊ कान के पास रखने का भी वैज्ञानिक आधार है, जैसा बताया गया है कि ऐसा करने से रक्तचाप नियंत्रण में रहता है।

हृदय रोग और ब्लडप्रेशर की परेशानी दूर- इस स्टेडी में ये बात भी सामने आई है कि जनेऊ पहनने वाले लोगों को हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी परेशानी खत्म हो जाती है। जनेऊ से शरीर में खून का प्रवाह सही तरीके से होता रहता है। आध्यात्मिक ही नहीं इसका वैज्ञानिक आधार भी है, जैसे रिसर्च के अनुसार बताया गया है कि जनेऊ पहनने से हृदय रोग और ब्लडप्रेशर जैसी सारी परेशानी समाप्त हो जाती है।

काला धागे बांधने के हैं फायदे बहुत

अक्सर देखा जाता हैं की घर में बच्चा जब जन्म लेता हैं तब बड़े बुजुर्ग उससे काला टीका, काला धागा लगाते पहनाते हैं। लेकिन क्या आपको पता है काला धागा बांधने से कई अद्भुत फायदे भी होते है। बता दें कि ज्योतिष विज्ञान एवं लाल किताब के अनुसार काला धागे को विशेष स्थान दिया गया हैं। इन दोनों में इसे बाधने को लेकर भी बात कही गई है। इसके अलावा ऐसा भी माना जाता है कि काले धागे को बांधने से सारी नकारात्मक ऊर्जा खत्म होती है और कई अन्य फायदें भी होते है। लेकिन इन सब में एक बात का खास ध्यान रखा जाना चाहिए कि काले धागे को शरीर में पहनने से पहले क्या-क्या सावधानी बरतें।

काला धागा बांधने के फायदे

काले धागें को बांधने से व्यक्ति को किसी की बुरी नजर नही लगती है। साथ ही ये काली शक्तियों से भी रक्षा करता हैं। शनिदेव का संबंध भी काले रंग से ही है। शनि को काले रंग का कारक माना जाता है। इसके अलावा काले रंग का धागा पहनने से व्यक्ति की कुडली का शनि मजबूत होता है और शनि प्रदोष से भी मुक्ति मिलती है।

आर्थिक लाभ

संकटमोचन हनुमान के दिन यानी मंगलवार को काला धागा धारण करना काफी शुभ माना जाता है। इस दिन काला धागा पहनने से आर्थिक जीवन सुखी होता है। घर में धन-समृद्धि का आगमन होता है। इस दिन खासकर दाहिने पैर में काला धागा बांधना शुभ माना जाता है।

सेहत के लिए फायदेमंद

सेहत के लिहाज से भी काला धागा काफी फायदेमंद है। अगर आपके पेट में दर्द रहता है तो व्यक्ति को अपने पैर के अंगूठे में इस धागे को बांध लेना चाहिए। इसके अलावा जिन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है उनके लिए भी काला धागा काफी फायदेमंद है। इसे व्यक्ति की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।

काला धागा पहनने से पहले बरतें ये सावधानियां

काले धागे को अभिमंत्रित करने के बाद ही धारण करें।
धारण करने से पहले इस बारे में किसी योग्य ज्योतिष की सलाह ले।
इस धागें को बांधने वाले व्यक्ति को रुद्र गायत्री मंत्र का जाप करना चाहिए।
मंत्र - ऊँ तत्पुरुषाय विद्महे महादेवाय धीमहि तन्नो रुद्र: प्रचोदयात
शरीर के जिस हिस्से में काला धागा बांध रहे हैं वहा कोई और अन्य रंग का धागा न धारण करें। शनिवार के दिन काला धागा बांधना शुभ होता है।

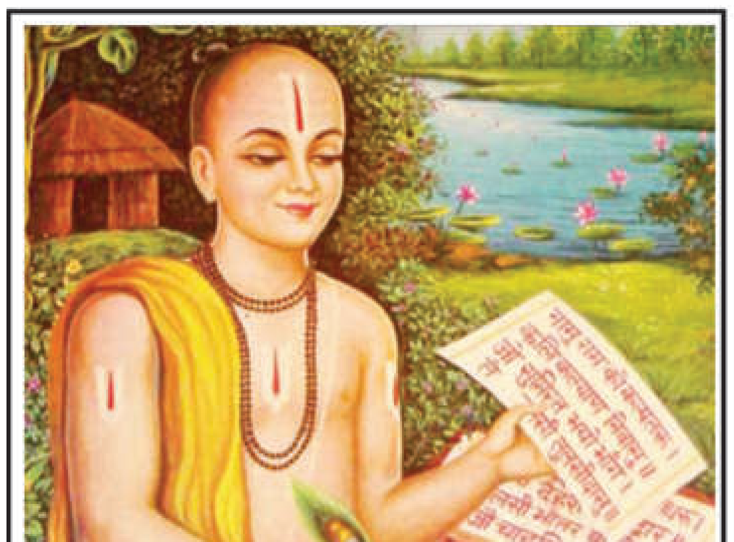

बर्बादी का रास्ता क्रोध
रामचरितमानस मे भी है जिक्र

आजकल देखा जाता है कि किसी को कभी भी बहुत जल्दी क्रोध आ जाता है। जोकि सही नही हैं। क्रोध के दुष्प्रभाव जीवन पर काफी बुरा पड़ता हैं। इसकी वजह से जीवन तक बर्बाद हो सकता है। कई बार गुस्से के कारण बना बनाया काम खराब हो जाता है। व्यक्ति में क्रोध आ जाए तो उसे सबसे दूर कर देता है और इंसान बिलकुल अकेला रह जाता है। तो साथ ही बता दें कि सबसे बड़े हिंदू ग्रंथ में भी इस बात का जिक्र है कि कोध्र व्यक्ति के लिए अच्छा नही है, क्रोध व्यक्ति के विनाश का कारण बनता है। तो आइए आपको बताते है क्रोध को लेकर रामचरितमानस मे क्या कहा गया है-

क्रुद्ध: पापं न कुर्यात क: क्रृद्धो हन्यात गुरूनपि ।
क्रुद्ध: परुषया वाचा नर: साधूनधिक्षिपेत
क: क्रुद्ध: पापं न कुर्यात, क्रृद्ध: गुरून अपि हन्यात,
क्रुद्ध: नर: परुषया वाचा साधन अधिक्षिपेत ।

तुलसीदास जी ने कहा है कि जो व्यक्ति क्रोध करता है उस व्यक्ति पापकर्म अधिक करना पड़ता है। पुण्य वाले काम करने से वो काफी दूर रहता है। क्रोध में ही व्यक्ति बड़े छोटे का लिहाज नही करता और बड़े एवं पूज्य जनों तक को मार डालता है। साथ ही ऐसा व्यक्ति अशब्दों का अधिक उपयोग करता है और साधुजनों की भी कोई इज्जत नहीं करता। अगर व्यक्ति अपने क्रोध पर काबू नहीं पाता तो वो व्यक्ति अपने आपको बर्बाद कर देगा। क्रोध स्वास्थ्य पर भी काफी हद तक नुकसान पहुचता है। विज्ञान के अनुसार अधिक क्रोध करने से ब्लड प्रेशर काफी हद तक बढ़ जाता है। क्रोध से मनुष्य को मानसिक परेशानियां हो जाती है। क्रोध मनुष्य के जीवन को अस्त व्यस्त कर देता है। क्रोध के कारण रिश्तों में कड़वाहट आने लग जाती है। गुस्से में बोला गया हर एक शब्द सांप के जहर जैसा जहरीला होता है।

आर्थिक समस्या को दूर करने के लिए करें ये उपाय

घर में सुख समृद्धि धन के लिए वास्तु को बहुत खास माना जाता हैं। वास्तुशास्त्र के अनुसार वास्तु के उपायों को करने से घर में सकारात्मकता ऊर्जा प्रवेश करती है जबकि नकारात्मकता ऊर्जा दूर हो जाती है। साथ ही ऐसा माना जाता है कि वास्तुदोषों के कारण जीवन में कई तरह की समस्याएं आने लगती हैं जिससे मनुष्य के बनते काम बिगड़ने लगते है। काम में रूकावट आने लगती है। तो आज हम आपको बताने जा रहे है। ऐसे उपाय जिससे आपके सभी कार्य आसानी से हो जाएंगे और जीवन से सभी परेशानियां दूर हो जाएंगी। साथ ही धन संबंधी समस्या से भी मुक्ति मिल जाएगी। मनी प्लांट-घर में वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट में रखने से अनेक फायदे होते हैं। घर में मनी प्लांट रखने से घर की सारी नकारात्मकता ऊर्जा शक्ति दूर हो जाती है और घर का वातावरण सकारात्मक माहौल बनने लगता है। मनी प्लांट को घर में लाने से रूपए पैसे की समस्याएं भी दूर होने लगती हैं। लेकिन इसके साथ ही कुछ ऐसी बातें भी है जो ध्यान में रखना जरूरी है।

मनी प्लांट की दिशा- वास्तुशास्त्र के अनुसार घर में मनी प्लांट लाने के बाद उसे दक्षिण या पूर्व दिशा में रखना चाहिए। इस दिशा में रखा मनी प्लांट घर के वातावरण में सकारात्मक ऊर्जा का प्रवेश कराता है। साथ ही मान्याताओं के अनुसार इस दिशा का कारक शुक्र ग्रह है और शुक्र ही बेल वाले पौधों का कारक भी कहा जाता है, इसलिए इस दिशा में मनी प्लांट लगाना बहुत शुभ माना जाता है।

पानी में रखें- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को पानी में रखना शुभ माना जाता है। साथ ही इस बात का खास ध्यान रखें कि पौधे का पानी बदलते रहे,समय-समय पर।

बेल को जमीन पर न आने दें -वास्तुशास्त्र के घर में लगाए मनी प्लांट को जमीन पर न फैलने दें, इसकी बेल को ऊपर की ओर बढ़ने देना चाहिए। वो शुभ होता है।

खराब पत्ते- वास्तुशास्त्र के अनुसार मनी प्लांट को हमेशा हरे पत्तों के साथ हरा- भरा रहना शुभ माना जाता है। अगर इसके पत्ते खराब हो रहे हैं, तो उन्हें तुरंत हटा दें।

संक्षिप्त समाचार

कठिन समय को याद कर रो पड़े करुण, पुराना ट्वीट भी वायरल हुआ

मुम्बई। सात साल के बाद भारतीय टीम में वापसी करने वाली बल्लेबाज करुण नायर आजकली टीम के साथ इंग्लैंड दौरे पर हैं। करुण को घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के कारण टीम में जगह मिली है। अपने करियर में कठिन समय को याद करते हुए करुण ने कहा कि एक समय वह बुरी तरह से टूट गये थे। साल 2022 में अपनी पत्नी सनाया टंकारिवाला के जन्मदिन पर वह रो पड़े थे। उसी समय जब उन्होंने 'डियर क्रिकेट, मुझे एक और अवसर दो' वाला ट्वीट किया था। उस समय उन्हें कर्नाटक राज्य टीम से बाहर कर दिया गया था। जिसे वह अब अपने जीवन का 'सबसे कठिन समय' मानते हैं। करुण इंग्लैंड के खिलाफ तिहरा शतक लगाकर एकदम से चर्चाओं में आये थे। इस क्रिकेटर ने अंतिम बार साल 2017 में भारतीय टीम की ओर से खेला था।

राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट के लिए ट्रॉयल 22 जून को

भरतपुर। भरतपुर जिले की टीम का चयन ट्रायल रविवार, 22 जून को सुबह 7 बजे से सेवर स्थित सेंट्रल एकेडमी स्कूल कैंपस, मथुरा बाईपास रोड पर आयोजित किया जाएगा। इससे चयनित टीम राजस्थान क्रिकेट संघ के आगामी 1 जुलाई से जयपुर में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय अंडर-23 क्रिकेट प्रतियोगिता में उतरेगी। भरतपुर क्रिकेट संघ के सचिव ने बताया कि ट्रायल में भाग लेने वाले खिलाड़ियों का बायोमेट्रिक दस्तावेज सत्यापन किया जाएगा। इसमें यदि कोई खिलाड़ी फर्जी दस्तावेज प्रस्तुत करता पाया गया तो उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। ऐसे में केवल वे खिलाड़ी ट्रायल में हिस्सा ले सकते हैं, जिनका जन्म 1 सितंबर 2002 के बाद हुआ हो।

जेनसन भविष्य में सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे: पोंटिंग

मेलबर्न। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने दक्षिण अफ्रीका के युवा तेज गेंदबाज मार्को जेनसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि उनका भविष्य उज्जवल है। पोंटिंग के अनुसार आने वाले समय में नसेन विश्व के सर्वश्रेष्ठ टेस्ट ऑलराउंडर बनकर उभरेंगे। पोंटिंग ने आईपीएल में जेनसन को कोचिंग देने के दौरान उनके कौशल को देखा था। पोंटिंग ने कहा किजेनसन क्रिकेट के सबसे लंबे खिलाड़ियों में से एक है जिसका लाभ भी उन्हें मिली है। इसके साथ ही उनके काफी प्रतिभा भी है। उन्हें विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल में कगिसो रबाडा के साथ मिलकर एक बेहतरीन तेज गेंदबाजी जोड़ी बनाई।

30 सितंबर से शुरू होगा टूर्नामेंट, 5 अक्टूबर को भारत-पाक मैच, इंडिया 12 साल बाद मेजबानी कर रहा

विमेंस वर्ल्डकप का शेड्यूल जारी

दुबई, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने विमेंस वनडे वर्ल्ड कप 2025 का शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके अनुसार, भारत और पाकिस्तान की टीम 5 अक्टूबर को आमने-सामने होंगी। यह मुकाबला कोलंबो के आर प्रेमदासा स्टेडियम में खेला जाएगा। टूर्नामेंट का आगाज 30 सितंबर 2025 को होगा।

वैसे तो भारत को इस टूर्नामेंट की मेजबानी दी गई है, लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर से चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर के कारण पाकिस्तानी टीम का भारत आना मुश्किल है। ऐसे में यह मैच कोलंबो में कराने का फैसला लिया गया है। चैंपियंस ट्रॉफी से पहले आईसीसी के सामने बीसीसीआई और पीसीबी ने न्यूट्रल वेन्यू पर खेलने के लिए सहमति जताई थी। भारत 12 साल के बाद पहली बार विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी करने जा रहा है। पिछली बार इंडिया को 2013 में विमेंस वर्ल्ड कप की मेजबानी मिली थी।

5 वेन्यूज पर 28 लीग मैच खेले जाएंगे इस टूर्नामेंट में 28 लीग मैच और तीन नॉकआउट मुकाबले पांच स्थानों बेंगलुरु, इंदौर, गुवाहाटी, विशाखापट्टनम और कोलंबो में खेले जाएंगे।

वहीं, पहला सेमीफाइनल 29 अक्टूबर को गुवाहाटी या कोलंबो में (पाकिस्तान के पहुंचने पर निर्भर) और दूसरा सेमीफाइनल 30 अक्टूबर को बेंगलुरु में होगा। फाइनल 2 नवंबर को बेंगलुरु या कोलंबो में खेला जाएगा। भारत अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ करेगा भारत अपने अभियान की शुरुआत श्रीलंका के खिलाफ बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में होगा। जबकि बांग्लादेश के खिलाफ मैच 26 अक्टूबर को बेंगलुरु में खेला जाएगा।

पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका पाकिस्तान के सभी मैच हाइब्रिड मॉडल पर श्रीलंका में खेले जाएंगे। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड और पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के बीच हुए हाइब्रिड समझौते के अनुसार, पाकिस्तान की टीम अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू कोलंबो में खेलेगी। इनमें बांग्लादेश (2 अक्टूबर), इंग्लैंड (15 अक्टूबर), न्यूजीलैंड (18 अक्टूबर), दक्षिण अफ्रीका (21 अक्टूबर) और श्रीलंका (24 अक्टूबर) के खिलाफ मैच शामिल हैं।

डिफेंडिंग चैंपियन ऑस्ट्रेलिया इंदौर में खेलेगी अपना पहला मैच मौजूदा चैंपियन ऑस्ट्रेलिया अपना अभियान 1 अक्टूबर को इंदौर के होल्कर स्टेडियम में न्यूजीलैंड के खिलाफ शुरू करेगी। इसके बाद वह 8 अक्टूबर को कोलंबो में पाकिस्तान से भिड़ेगी। वहीं, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड का मुकाबला 22 अक्टूबर को इंदौर में होगा।

2025 के टूर्नामेंट का फॉर्मेट 2022 जैसा ही होगा 2025 के टूर्नामेंट का फॉर्मेट 2022 जैसा ही होगा, जिसमें आठ टीमें राउंड-रॉबिन फॉर्मेट में एक-दूसरे से खेलेंगी और शीर्ष चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचेंगी। मेजबान भारत के अलावा ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड, न्यूजीलैंड, साउथ अफ्रीका और श्रीलंका ने सीधे क्वालिफाई किया था।

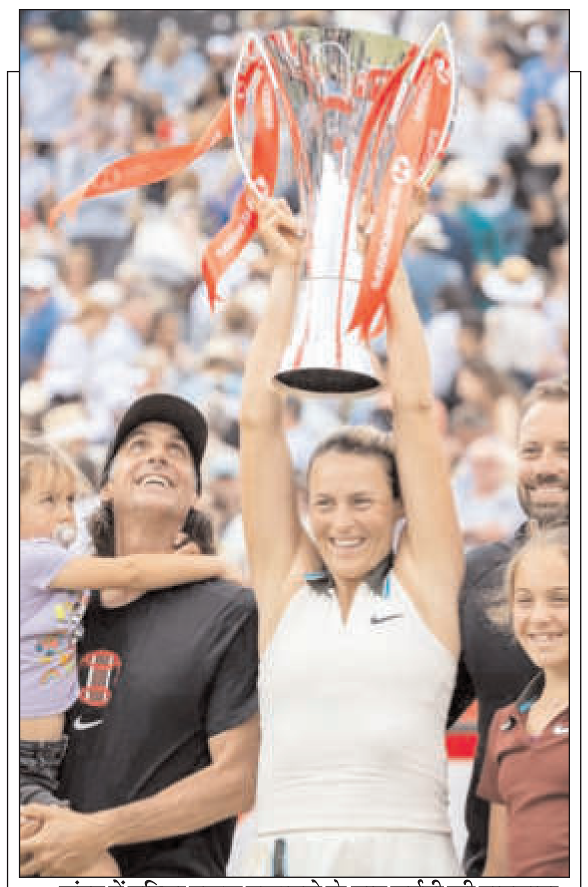

लंदन में महिला एकल मुकाबले के बाद जर्मनी की ताटजाना मारिया ट्रॉफी के साथ जश्न मनाती हुई।

कराते अकादमी के खिलाड़ियों ने जीते 3 स्वर्ण पदक

धरकन शाह, कल्याणी कोडोपे एवं रूषा तांबत ने जीते स्वर्ण पदक

भोपाल, निप्र। देहरादून में दिनांक 11 से 15 जून, 2025 तक आयोजित ज्ञ10 नेषनल कराते चैम्पियनषिप में अकादमी के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्षन करते हुए 3 स्वर्ण पदक अर्जित है। चैम्पियनषिप के जूनियर एवं सब-जूनियर वर्ग में अकादमी के 7 खिलाड़ियों ने भागीदारी की। प्रतियोगिता में राज्य कराते अकादमी की खिलाड़ी धरकन शाह, कल्याणी कोडोपे एवं रूषा तांबत ने स्वर्ण पदक अर्जित कर प्रदेष को गौरन्वित किया। प्रदेष के खेल मंत्री विष्वास कैलाष सारंग ने तीनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए उनकी सराहना की है।

प्रतियोगिता के विस्तृत परिणाम धारकन शाह, 53 किलोग्राम भारवर्ग: प्रतियोगिता के 53 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में अकादमी के खिलाड़ी धारकन शाह ने स्वर्ण पदक अर्जित किया। धारकन ने पहले राउंड में छत्तीसगढ़ के खिलाड़ी को 8-0 षिकस्त दी। दूसरे राउंड में राजस्थान के खिलाड़ी से 7-3 के अंतर से मुकाबला जीता। तीसरे एवं चौथे राउंड में क्रमषः हरियाणा एवं अरूणाचल प्रदेष के खिलाड़ियों को 8-0 के अंतर से परास्त कर फायनल में प्रवेष किया। फायनल राउंड में धारकन शाह ने बिहार के खिलाड़ी को 8-0 से एकतरफा परास्त कर स्वर्ण पदक अर्जित किया।

कल्याणी कोडोपे, -66 किलोग्राम भारवर्ग: चैम्पियनषिप के -66 किलोग्राम भारवर्ग की जूनियर स्पर्धा में अकादमी की खिलाड़ी कल्याणी कोडोपे ने स्वर्ण पदक अर्जित किया।

आज से होगा आगाज

बीजिंग पैरा पावरलिफ्टिंग विश्वकप में भाग लेगी 16 सदस्यीय भारतीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। खिलाड़ियों के लिए रविवार को भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की पूर्व अध्यक्ष दीपा मलिक, वर्तमान पीसीआई महासचिव जयवंत हमनवर और भारत पैरा पावरलिफ्टिंग के अध्यक्ष जेपी सिंह मौजूद थे। भारत की 16 सदस्यीय टीम 17 से 25 जून तक बीजिंग में होने वाले 2025 पैरा पावरलिफ्टिंग विश्व कप में भाग लेगी। इस टीम में जैनब खातून, सीमा रानी, झंडू कुमार, जॉबी मैथ्यू, मनीष कुमार और कस्तूरी जैसे खिलाड़ी शामिल हैं। इन सभी ने हाल ही में संपन्न राष्ट्रीय चैंपियनशिप में प्रभावित किया था।

खिलाड़ियों के लिए रविवार को भव्य विदाई समारोह का आयोजन किया गया था। जिसमें भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) की पूर्व अध्यक्ष दीपा मलिक, वर्तमान पीसीआई महासचिव जयवंत हमनवर और भारत पैरा पावरलिफ्टिंग के अध्यक्ष जेपी सिंह मौजूद थे।

सिंह ने कहा, भारत हर टूर्नामेंट के साथ वैश्विक पैरा पावरलिफ्टिंग बिरादरी में खुद को एक ताकत के रूप में स्थापित कर रहा है। हमारे खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं और हम चीन में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद कर रहे हैं।

व्यापार समाचार

भारत के एनएसई और साइप्रस स्टॉक एक्सचेंज के बीच समझौता, निवेश

दोनों देशों के बीच वित्तीय रिसर्च और निवेश को बढ़ावा मिलेगा

निकोसिया, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जून से साइप्रस दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस क्रिस्टोडौलिडेस के साथ बैठक की। इस बैठक में बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों, विनिर्माण, रक्षा, रसद, समुद्री, शिपिंग, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बात हुई।

भारत और साइप्रस के बीच आर्थिक सहयोग बढ़ाने के लिए एक अहम कदम उठाया गया है। जिसके तहत भारत के नेशनल स्टॉक एक्सचेंज और साइप्रस स्टॉक एक्सचेंज के बीच एक समझौते पर हस्ताक्षर किए गए हैं। जिसके तहत दोनों देशों की कंपनियां एक दूसरे के स्टॉक एक्सचेंज में सूचीबद्ध हो सकेंगी। इससे दोनों देशों के बीच वित्तीय रिसर्च और निवेश को बढ़ावा मिलेगा।

समझौते से क्या होगा फायदा

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने बताया कि इस समझौते से यूरोपीय कंपनियों के भारत के साथ जुड़ाव में इजाफा होगा और निवेश भी बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के रिश्तों में नए अध्याय की शुरुआत होगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 15 जून को साइप्रस दौरे पर रहे। उस दौरान उन्होंने साइप्रस के राष्ट्रपति निकोस

क्रिस्टोडौलिडेस के साथ बैठक की। इस बैठक में बैंकिंग, वित्तीय संस्थानों, विनिर्माण, रक्षा, रसद, समुद्री, शिपिंग, प्रौद्योगिकी और नवाचार जैसे क्षेत्रों में सहयोग पर बात हुई।

कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा: साइप्रस की की निवेश फंड मैनेजर कंपनी ब्रह्न लिमिटेड ने बताया कि उन्होंने अपने फ्लैगशिप फंड में से 10 करोड़ डॉलर भारत में निवेश के लिए रखे हैं। इस पैसे को पब्लिक इक्विटीज, उभरती हुई तकनीक और मेक इन इंडिया पहल में निवेश किया जाएगा। बैठक में पीएम मोदी ने कहा कि भारत आज तेजी से आर्थिक विकास कर रहा है और दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है। उन्होंने कहा कि भारत के नागरिक उड्डयन, बंदरगाह, जहाज निर्माण, डिजिटल भुगतान और हरित विकास क्षेत्रों में विकास ने साइप्रस की कंपनियों के लिए भारत के साथ साझेदारी करने के असंख्य अवसर खोले हैं।

यूपीआई सेवा शुरू करने पर बनी सहमति: एनआईपीएल और यूरोबैंक साइप्रस के बीच दोनों देशों में भुगतान के लिए यूपीआई शुरू करने पर भी सहमति बनी है। इससे पर्यटकों और व्यवसायों को आसानी होगी। भारत-ग्रीस-साइप्रस के बीच व्यापार और निवेश परिषद की शुरुआत का भी पीएम मोदी ने स्वागत किया।

कनाडाई निवेशकों का भारत पर भरोसा बरकरार

फरवरी से अब तक हुआ 28000 करोड़ रुपये का एफपीआई निवेश

नई दिल्ली, एजेंसी। बाजार नियामक सेबी के आंकड़ों के अनुसार कनाडाई निवेशकों ने फरवरी 2025 से अब तक भारतीय बाजारों में करीब 28,000 करोड़ रुपये डाले हैं। साथ ही, मई 2025 तक उनके पास 1.76 लाख करोड़ रुपये डॉलर की इक्विटी संपत्ति है। जी 7 शिखर सम्मेलन से पहले भारत के लिए यह आंकड़ा खास है। भारत में कनाडाई फॉरेन पोर्टफोलियो इन्वेस्टर्स (एफपीआई) का निवेश तेजी से बढ़ा है। फरवरी 2025 से अब तक कनाडाई एफपीआई की भारतीय शेयर बाजार में करीब ?28,000 करोड़ की बढ़ोतरी देखी गई है। बाजार नियामक सेबी के ताजा आंकड़ों के अनुसार, मई 2025 तक कनाडाई निवेशकों के पास कुल शेयरों की संपत्ति लगभग 1.76 लाख करोड़ (करीब 21 बिलियन डॉलर) तक पहुंच चुकी है।

कनाडाई पेंशन फंड के पास 12.2 अरब डॉलर की संपत्ति: कनाडाई पेंशन फंड बाजार में सबसे बड़े निवेशकों में से एक है। इसके पास मार्च 2025 तक 12.2 अरब डॉलर की संपत्ति थी। कनाडाई पेंशन प्लान के पास भारतीय मुद्रा में शुद्ध संपत्ति का 2त्न हिस्सा था। यह मार्च 2024 के अंत में 3त्न से कम हो गया है। नेशनल एसेट्स डिपॉजिटरी लिमिटेड के आंकड़ों के अनुसार, सितंबर 2024 में यह आंकड़ा

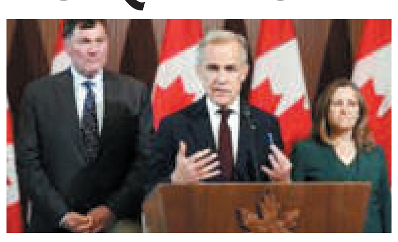

1.98 लाख करोड़ के उच्चतम स्तर पर पहुंचा था। इसके बाद से एफपीआी ने रुझानों के अनुरूप निवेश पर मुनाफा कमाया है। निवेशकों ने अमेरिकी राष्ट्रपति चुनावों से पहले ट्रंप ट्रेड में भाग लिया था।

एफपीआई एयूसी में 3.25 अरब डॉलर की बढ़त : टैरिफ में उतार-चढ़ाव के कारण एफपीआई ने एक बार फिर भारतीय बाजारों में अपनी मौजूदगी मजबूत की है। फरवरी के अंत से कनाडाई एफपीआई एयूसी में 3.25 अरब डॉलर की वृद्धि हुई है। वहीं, शुद्ध एफपीआई निवेश 1.89 अरब डॉलर रहा। इस अवधि के दौरान बेंचमार्क निफ्टी में 11त्न से अधिक की वृद्धि हुई, जिससे निवेश की संपत्तियों का मूल्य भी बढ़ गया। एफपीआई एयूसी का मतलब है कि विदेशी निवेशकों ने किसी विशेष बाजार में कितना पैसा लगाया है और उनमें से कितना निवेश वर्तमान में संरक्षकों के पास है। जी-7 शिखर सम्मेलन से पहले निवेश की इस प्रवृत्ति को खास माना जा रहा है।

टाटा मोटर्स के शेयरों में 5 फीसदी से अधिक की गिरावट

मुंबई। कारोबारी सप्ताह का पहला दिन टाटा मोटर्स के शेयर में भारी गिरावट देखने को मिली है। इस दिन टाटा मोटर्स के शेयर पांच फीसदी नीचे गिए गए है। इनकी कीमत अब 673 रुपये पर पहुंच गई है। इस गिरावट का मुख्य कारण ब्रिटेन स्थित लक्जरी शाखा जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) को माना जा रहा है। टाटा मोटर्स ने मार्च 2025 को समाप्त चौथी तिमाही के लिए समेकित शुद्ध लाभ में 51 प्रतिशत की गिरावट के साथ 8,470 करोड़ रुपये की गिरावट दर्ज की। कंपनी ने पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 17,407 करोड़ रुपये का समेकित शुद्ध लाभ दर्ज किया था। परिचालन से इसका समेकित कुल राजस्व एक साल पहले की अवधि में 1,19,033 करोड़ रुपये के मुकाबले 0.4 प्रतिशत बढ़कर 1,19,503 करोड़ रुपये हो गया, जो अनुमान से कम है।

बेटियों के लिए आवश्यक है सुकन्या समृद्धि योजना

नई दिल्ली। दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे शिक्षा और शादी जैसे बड़े खर्चों के लिए वित्तीय योजना का महत्व स्वीकार किया जा रहा है। इसी दिशा में भारत सरकार ने सुकन्या समृद्धि योजना (एसएचवाय) की शुरुआत की है। एसएसवाय एक सरकारी समर्थित बचत योजना है जो बच्चों के भविष्य की देखरेख करती है। इस योजना में माता-पिता अपनी बेटियों के नाम से खाता खोलकर निवेश कर सकते हैं। 10 साल की उम्र तक खाता खोल सकते हैं और एक से अधिक बेटियों के लिए भी यह योजना उपलब्ध है। इस योजना में 6 साल का लॉक-इन पीरियड होता है, जिसके दौरान पैसा निकाला नहीं जा सकता, लेकिन ब्याज मिलता रहता है।

कारों की बिक्री कम होने से फंसी अरबों-खरबों की रकम

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय ग्राहक अभी गाड़ियां खरीदने में ज्यादा दिलचस्पी नहीं दिखा रहे हैं। यह समस्या पिछले एक साल से चल रही है। भारत में कार डीलरों के पास बहुत सारी गाड़ियां बिना बिके पड़ी हैं। इनकी कीमत 52,000 करोड़ रुपये तक पहुंच गई है। यानी अरबों रुपये की रकम फंसी हुई है। यह अब तक की सबसे बड़ी रकम है। जानकारी के अनुसार आमतौर पर डीलरों के पास 34 से 38 दिनों का स्टॉक रहता है। अगर गाड़ियों की संख्या में देखें तो यह लगभग 440,000 यूनिट है। मई तक का यह आंकड़ा पिछले साल दिवाली से पहले के स्टॉक से थोड़ा कम है। दिवाली से पहले डीलरों के पास 40 से 45 दिनों का स्टॉक जमा हो गया था। लेकिन इस बार गाड़ियों की कीमत बढ़ने और स्टॉक जमा होने की वजह से कुल वैल्यू बहुत ज्यादा हो गई है। यह जानकारी इंडस्ट्री के कुछ अधिकारियों ने दी है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशंस (एफएडीए) का कहना है कि डीलरों के पास 52 से 53 दिनों का स्टॉक पड़ा हुआ है। एफएडीए इस बात को लेकर चिंतित है कि डीलरों पर काम करने के लिए पैसे का दबाव बढ़ रहा है। क्योंकि कंपनियां तो गाड़ियां भेज रही हैं, लेकिन डीलर उन्हें बेच नहीं पा रहे हैं।

डीलरों के पास गाड़ियां 50 दिनों से ज्यादा समय से खड़ी हैं। जबकि पहले यह समय 21 दिन होता था। कार बनाने वाली कंपनियों का कहना है कि उनके पास स्टॉक सही मात्रा में है। लेकिन सच्चाई यह है कि गाड़ियों की बिक्री की रफ्तार धीमी हो गई है। यह पिछले आठ महीनों में सबसे धीमी रफ्तार है। इस साल में यह पहली बार है जब इतनी कम गाड़ियां बिकी हैं। जितनी गाड़ियां डीलरों को भेजी गईं, उससे कम गाड़ियां लोगों ने खरीदीं। मई के महीने में कुल 302,214 गाड़ियां बिकीं। यह पिछले साल के मुकाबले 3.14 प्रतिशत कम है।

50 प्रतिशत बढ़ जाएगी माल ढुलाई लागत

ईरान-इस्राइल युद्ध से वैश्विक व्यापार पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी। पश्चिम एशिया में ईरान और इस्राइल युद्ध से वैश्विक व्यापार पर असर होने का खतरा है। जानकारों का अनुमान है कि माल ढुलाई लागत 50 फीसदी तक बढ़ जाएगी। निर्यातकों का कहना है कि युद्ध लंबे समय तक चला तो लाल सागर मार्ग से होने वाला माल निर्यात प्रभावित होगा।

ईरान-इस्राइल युद्ध ने वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को और बढ़ा दिया है। इससे न सिर्फ भारत के निर्यात समेत वैश्विक व्यापार पर असर पड़ रहा है, बल्कि हवाई और समुद्री माल ढुलाई दरों के साथ बीमा शुल्क में भी बढ़ोतरी का भी जोखिम है। निर्यातकों का कहना है कि इस युद्ध के कारण

यूरोप और रूस जैसे देशों को भारत का निर्यात प्रभावित हो सकता है। अगर युद्ध लंबे समय तक चलता रहा, तो ईरान और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के बीच होर्मुज जलडमरूमध्य एवं लाल सागर जैसे मार्गों के जरिये व्यापारिक जहाजों की आवाजाही प्रभावित होगी। फेडरेशन ऑफ इंडियन एक्सपोर्ट ऑर्गेनाइजेशन (फियो) के अध्यक्ष एससी रल्हन ने कहा, वैश्विक व्यापार की स्थिति धीरे-धीरे सुधर रही थी, जो ईरान-इस्राइल तनाव बढ़ने से फिर से प्रभावित होगी। वहीं, मुंबई स्थित निर्यातक एवं टेक्नोक्राफ्ट इंडस्ट्रीज के संस्थापक अध्यक्ष एसके सराफ ने कहा, मालवाहक जहाज धीरे-धीरे लाल सागर के मार्गों पर लौट आए हैं। इससे भारत और एशिया के अन्य हिस्सों से अमेरिका एवं यूरोप जाने में 15-20 दिन की बचत हो रही है। इस युद्ध के कारण मालवाहन जहाज अब फिर से लाल सागर मार्ग का इस्तेमाल करने से बचेंगे।

सराफ ने आगे कहा, ईरान और इस्राइल के बीच युद्ध अगर एक सप्ताह से अधिक समय तक चलत रहा, तो माल ढुलाई की लागत करीब 50 फीसदी तक बढ़ जाएगी, जिसका बोझ व्यापारियों को उठाना पड़ेगा। भारत के व्यापार पर असर पड़ेगा, क्योंकि दोनों देश हमारे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं। इसके अलावा, वैश्विक व्यापार के लिए भी स्थिति काफी कठिन हो जाएगी।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज आईपीओ लाने की कर रही तैयारी

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) भारतीय स्टॉक मार्केट की महत्वपूर्ण संस्था है, जो अब अपने आईपीओ लाने की योजना बना रही है, जो एक स्वामित्व क्रांति की ओर एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है, जिसे देश के निवेशक और अर्थव्यवस्था को एक नई ऊंचाई देने की उम्मीद है। विभिन्न कारणों से हम देख सकते हैं कि एनएसई को लिस्ट होने के लिए क्यों जरूरत है। पहली बात यह है कि यह लोकतंत्रीकरण का एक महत्वपूर्ण मामला होगा, जिसमें एनएसई के शेयरधारकों को पारदर्शी तरीके से हिस्सेदारी लेने का अवसर मिलेगा।

संक्षिप्त समाचार

अशोक विहार में बुलडोजर एक्शन, 200 से ज्यादा झुग्गियों को गिराया जा रहा

नई दिल्ली। दिल्ली में अशोक विहार के जेलरवाला बाग में सोमवार को दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) की ओर से झुग्गियों को गिराया जा रहा है। इसके पहले भी यहीं अभियान चलाया गया था, जिन लोगों की झुग्गियां गिराई गई हैं, उन्हें डीडीए ने अपार्टमेंट में पक्के घर भी मुहैया कराए हैं। सोमवार सुबह ही डीडीए की टीम जेलरवाला बाग पर पहुंची, जहां पर डीडीए की जमीन पर सैकड़ों झुग्गियां अवैध रूप से बनी हैं। बिजली विभाग के साथ जेसीबी को इलाके में लाया गया है, जहां पर झुग्गियों को गिराया जा रहा है। करीब 200 से ज्यादा झुग्गियां सोमवार को गिराई जानी हैं, जबकि इससे पहले भी सैकड़ों झुग्गियां गिराई जा चुकी हैं। जिन लोगों को अलॉटमेंट नहीं हुआ था, वे कोर्ट चले गए थे और स्टे लेकर आए थे। बाकियों को अलॉटमेंट मिल गई। इस कार्रवाई का कोई विरोध नहीं कर सके, इसलिए दिल्ली पुलिस और पैरामिलिट्री फोर्स की भी तैनाती की गई है। करीब 2100 झुग्गियां यहां थी, जिसमें से 1600 के करीब लोगों को पक्के मकान में शिफ्ट किया गया है। इसके पहले दिल्ली के कालकाजी में भी बुलडोजर की कार्रवाई की गई थी। इस दौरान आम आदमी पार्टी के नेताओं ने विरोध किया था। पार्टी ने चलो जंतर-मंतर नामक एक बड़े विरोध प्रदर्शन का आयोजन किया है, जो 29 जून को सुबह 10 बजे जंतर-मंतर पर होगा।

टायर फटने से सवारियों से भरी पिकअप पलटी, 5 की मौत, 15 घायल

सारण। बिहार में सारण जिले के बाजितपुर गांव के पास नेशनल हाइवे-19 पर एक मालवाहक पिकअप गाड़ी का टायर फटने से वह पलट गया और इसमें पांच लोगों की मौत हो गई। 15 लोग गंभीर रूप से घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है। इस दुर्घटना की खबर जैसे ही आसपास के ग्रामीणों को हुई, तो वो भी मौके पर पहुंच गए। इसके बाद पलटे वाहन को सीधा करके दबे लोगों को बाहर निकाला और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस भयावह सड़क दुर्घटना में पांच ग्रामीणों की मौत हुई है, जबकि 15 के घायल हैं। घायलों में कई की हालत नाजुक बताई जा रही है। वहीं मृतकों की पहचान सारण जिले के दिघवारा थाना क्षेत्र में रहने वाले राज कुमार पंडित की पत्नी अंजू देवी (48), राजू बैठा की पत्नी राधिका देवी (50), श्रवण राम के पुत्र सोनू कुमार (23), पंचूराम की पुत्री राजलक्ष्मी कुमारी (15), रामबाबू राम के पुत्र शिवम कुमार (7) के रूप में हुई है।

मैंने सांसद नहीं गरीब चंद्रशेखर को पंसद किया, मुझे क्या पता था!

नई दिल्ली। मैंने सांसद चंद्रशेखर को पसंद नहीं किया था। मैंने उस चंद्रशेखर को पसंद किया था उस वक्त जो एक टीशर्ट पहनकर गरीबी में अपनी फैमिली के बीच या अपने गांव के घर में बैठकर मुझे वीडियो कॉल करता था और मैं स्विटजरलैंड में थी। यह कहना है स्विटजरलैंड के पार्क में बैठकर ड्यूटी के बीच इंटरव्यू दे रही ये लड़की डॉ रोहिणी घावरी हैं। डॉ रोहिणी का जन्म इंदौर में एक सफाईकर्मी माता-पिता के घर हुआ। अपने टैलेंट के दमपर चमकने वाली रोहिणी को सरकार से एक करोड़ की स्कॉलरशिप पीएचडी करने के लिए मिली। 2019 में पढ़ाई के लिए स्विटजरलैंड गई और वह अभी स्विटजरलैंड में ही रहकर नौकरी कर रही हैं। इस दौरान वह दलित मुद्दों पर काम करने के लिए एक एनजीओ भी चलाती हैं। डॉ रोहिणी का कहना है कि वह दलित मुद्दों पर काम करते हुए चंद्रशेखर के संपर्क में आईं। उसने दलित आंदोलन पर चंद्रशेखर के साथ मिलकर काफी काम किया है और उन्हें काफी सहयोग देती रही है। रोहिणी ने बताया कि उन्होंने भीम आर्मी का सिंबल चुनने और चंद्रशेखर की चुनावी रणनीति बनाने में उनकी काफी मदद की। इस दारौन वह दोनों डीप रिलेशनशिप में आ गए, लेकिन उन्हें चंद्रशेखर के शादीशुदा होने की जानकारी नहीं थी।

विदेश मंत्रालय हर साल जून से सितंबर के बीच दो अलग-अलग मार्गों - लिपुलेख दर्रा और नाथू ला दर्रा के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा करता है

पहला जत्था सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा

नई दिल्ली ■ निस

पांच साल बाद सिक्किम में नाथुला दर्रे के माध्यम से कैलाश मानसरोवर यात्रा आधिकारिक तौर पर फिर से शुरू हुई है, जो हिंदू श्रद्धालुओं और भारत-चीन सांस्कृतिक कूटनीति के लिए एक महत्वपूर्ण क्षण है। कैलाश मानसरोवर यात्रा के लिए 36 तीर्थयात्रियों का पहला समूह सिक्किम की राजधानी गंगटोक पहुंचा है और सोमवार को मौसमी अनुकूलन के लिए '17 माइल' क्षेत्र चला गया। अधिकारियों ने बताया कि तीर्थयात्री सिक्किम में नाथू ला दर्रे और तिब्बत के शिगात्से शहर से होकर कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक पहुंचने वाले है।

एक अधिकारी ने बताया कि 20 जून को तीर्थयात्री भारत-चीन सीमा पार करने वाले है। उन्होंने बताया कि यह समूह जिसमें विदेश मंत्रालय के दो अधिकारी शामिल हैं, रविवार देर शाम को गंगटोक पहुंचा। पर्यटन एवं नागरिक उड्डयन विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव सी.एस. राव ने बताया कि तीर्थयात्री पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में बागडोगरा हवाई अड्डे पर उतरे और सड़क मार्ग से गंगटोक पहुंचे। उन्होंने बताया कि पर्यटन विकास निगम के अधिकारियों ने रेनॉक स्थित बंगले में उनका स्वागत किया। इस वर्ष यात्रा के लिए 750 भारतीय तीर्थयात्रियों का चयन किया गया है जिसमें से 500 नाथू ला मार्ग से 10 समूहों में और 250 उत्तराखंड में लिपुलेख दर्रे से यात्रा करने वाले है। उन्होंने कहा कि सिक्किम पर्यटन

विकास निगम (एसटीडीसी) पूरी यात्रा की जिम्मेदारी संभाल रहा है। उन्होंने कहा कि एसटीडीसी गंगटोक से कैलाश पर्वत और मानसरोवर झील तक तथा वापस तीर्थयात्रियों की यात्रा की निगरानी की जिम्मेदारी संभालेगा।

विदेश मंत्रालय हर साल जून से सितंबर के बीच दो अलग-अलग मार्गों - लिपुलेख दर्रा (उत्तराखंड) और नाथू ला दर्रा (सिक्किम) के माध्यम से कैलाश यात्रा का करता है। कैलाश मानसरोवर यात्रा (केएमवाई) अपने धार्मिक मूल्य और सांस्कृतिक महत्व के लिए मशहूर है। हर साल सैकड़ों लोग यात्रा पर जाते हैं। भगवान शिव के निवास के रूप में हिंदुओं के लिए महत्वपूर्ण होने के कारण, यह जैन और बौद्धों के लिए भी धार्मिक महत्व रखता है। केएमवाई उन पात्र भारतीय नागरिकों के लिए खुला है, जिनके पास वैध भारतीय पासपोर्ट हैं और जो धार्मिक उद्देश्यों के लिए कैलाश-मानसरोवर जाना चाहते हैं। विदेश मंत्रालय यात्रियों को कोई सब्सिडी या वित्तीय सहायता प्रदान नहीं करता है।

ऑनलाइन पंजीकरण करने से पहले अपने स्वास्थ्य और फिटनेस की स्थिति का पता लगाने के लिए कुछ बुनियादी जांच कर सकते हैं। हालांकि, यह यात्रा से पहले दिल्ली में डीएचएलआई और आईटीबीपी द्वारा किए जाने वाले मेडिकल परीक्षणों के लिए मान्य नहीं होगा।

प्रदान किया गया यात्रा कार्यक्रम अस्थायी है और स्थानों की यात्रा किसी भी समय स्थानीय परिस्थितियों के अधीन है। भारत सरकार किसी भी तरह से किसी यात्री की जान या चोट की हानि या किसी प्राकृतिक आपदा या किसी अन्य कारण से यात्री की संपत्ति को हुए नुकसान या क्षति के लिए जिम्मेदार नहीं होगी।

तीर्थयात्री पूरी तरह से अपनी इच्छा, लागत, जोखिम और परिणामों के आधार पर यात्रा करते हैं। सीमा पार मृत्यु की स्थिति में, सरकार का किसी भी तीर्थयात्री के पार्थिव शरीर को दाह संस्कार के लिए भारतीय सीमा में लाने का कोई दायित्व नहीं होगा। इसलिए, सभी यात्रियों को मृत्यु की स्थिति में चीनी सीमा पर पार्थिव शरीर के दाह संस्कार के लिए सहमति पत्र पर हस्ताक्षर करना आवश्यक है।

यह यात्रा उत्तराखंड, दिल्ली और सिक्किम की राज्य सरकारों के सहयोग से आयोजित होती है, और भारत तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) का सहयोग भी शामिल है।

एक राष्ट्र एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति की बैठक चंडीगढ़ में हुई संपन्न

नई दिल्ली, एजेंसी। एक राष्ट्र एक चुनाव पर संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद पीपी चौधरी ने चंडीगढ़ में एक बैठक की। बैठक में वर्तमान में हरियाणा और चंडीगढ़ के क्षेत्रीय और राष्ट्रीय राजनीतिक दलों भाजपा, कांग्रेस, जेजेपी, बसपा, इनेलो और पूर्व मुख्यमंत्रियों के साथ एक राष्ट्र एक चुनाव के मामले पर चर्चा हो रही है। एक साथ राष्ट्रीय और विधानसभा चुनाव कराने के लिए 129वां संविधान संशोधन विधेयक बीते साल दिसंबर में लोकसभा में पेश हुआ था। बाद में संयुक्त संसदीय समिति के पास भेज दिया गया।

मोदी सरकार ने पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद की अध्यक्षता में एक साथ चुनाव कराने के लिए उच्च स्तरीय समिति का गठन किया था, जिसने पिछले साल मार्च में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को 18,000 से अधिक पृष्ठों की रिपोर्ट सौंपी थी। इससे पहले पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने केंद्र के एक राष्ट्र, एक चुनाव (ओएनओई) प्रस्ताव का कड़ा विरोध कर देश के संघीय ढांचे पर सीधा हमला और डॉ. बीआर अंबेडकर द्वारा बनाए गए संविधान की भावना के खिलाफ बता दिया था। चंडीगढ़ में संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के साथ बैठक के बाद चीमा ने पहल के खिलाफ आप के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार के कड़े रुख को दोहराया और तर्क दिया कि यह राज्य की स्वायत्तता को कमजोर करता है। चीमा ने कहा, जे.पी.सी. और उसके अध्यक्ष ने पंजाब का दौरा किया और एक राष्ट्र, एक चुनाव पर राज्य सरकार और राजनीतिक दलों के विचार मांगे। हमने समिति के समक्ष अपना दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से प्रस्तुत किया है, यह एजेंडा देश के लिए हानिकारक है।

पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ड्रग मनी ट्रेल की जांच के लिए सीएम मान को लिखा पत्र

चंडीगढ़, एजेंसी। पंजाब भाजपा अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने मुख्यमंत्री भगवंत मान को पत्र लिखकर पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश की प्रत्यक्ष निगरानी में ड्रग मनी ट्रेल की 'समयबद्ध' एजेंसी या बहु-एजेंसी जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि बीते कुछ वर्षों में पंजाब के कई राजनेताओं की किस्मत चमक उठी है, क्योंकि जो विधायक साइकिल से आते थे, उनके पास अब लग्जरी कारें और फार्म हाउस हैं, जो कि महज संयोग नहीं हो सकता।

बीजेपी अध्यक्ष जाखड़ ने सीएम मान को लिखे पत्र में कहा कि वह पंजाब एवं हरियाणा उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश शील नागू की प्रत्यक्ष निगरानी में तत्काल जांच की आवश्यकता की ओर उनका ध्यान आकर्षित करने के लिए लिख रहे हैं, ताकि ड्रग मनी ट्रेल में शक्तिशाली और प्रभावशाली अंतिम लाभार्थियों का पता लगाया जा सके, जो कि पंजाब को परेशान करने वाला प्राथमिक स्रोत है। उन्होंने कहा कि यदि सरकार अपनी विश्वसनीयता स्थापित करना चाहती है और ड्रग्स के खिलाफ अपनी लड़ाई को हल करना चाहती है, तब यह महत्वपूर्ण है।

पत्र में लिखा है, ड्रग मनी ट्रेल में पैसे का पता लगाना बहुत जरूरी है, इसके बिना पंजाब से ड्रग्स को जड़ से खत्म करने की कवायद न केवल निरर्थक है, बल्कि एक दिखावा भी है। इसमें कहा गया है, हजारों नशेड़ियों और छोटे कारोबारियों को

सूचना

मैं शपथ करता - संतोष कुमार जाट आयु 46 वर्ष पिता श्री स्वर्गीय हेमराज जाट निवासी ग्राम गुराडिया जाट तहसील सिवनी मालवा जिला नर्मदापुरम मध्य प्रदेश आधार क्रमांक 9834 0815 0145 शपथ पर निम्न कथन करता हूं कि मैं ग्राम गुराडिया जाट तहसील सिवनी मालवा जिला नर्मदा पुरम मध्य प्रदेश का स्थाई निवासी हूं तथा 27 एम टी एन डी ओ यू C/O 99 पी ओ में हवलदार के पद पर पदस्थ हूं।

2 यह कि मेरे सर्विस दस्तावेज में मेरी पत्नी का नाम भारती एवं पुत्री का नाम गीतांशी वह पुत्र का नाम दिव्यांशु नाम दर्ज है जबकि वास्तव में मेरी पत्नी का नाम भारती जाट पुत्री का नाम गीतांशी जाट व पुत्र का नाम दिव्यांशु जाट है जो कि मेरी पत्नी पुत्री एवं पुत्र के शासकीय दस्तावेज आधार कार्ड आदि में दर्ज है।

3 यह की मैं शपथ करता मेरे सर्विस दस्तावेज में मेरी पत्नी भारती पुत्री गीतांशी पुत्र दिव्यांशु नाम के स्थान पर भारती जाट पुत्री गीतांशी जाट पुत्र दिव्यांशु जाट नाम दर्ज करवाना चाहता हूं।

4 यह कि यह शपथ पत्र श्रीमान प्रशासनिक अधिकारी 27 एम टी एन डी ओ यू C/O 99 ए पी ओ के समक्ष मेरी पत्नी व पुत्री वह पुत्र के नाम के साथ जाट सरनेम जाती दर्ज करवाने के समर्थन में प्रस्तुत कर रहा हूं।

यह कि इस शपथपत्र में दी गई जानकारी सत्य व सही है मेरे द्वारा कोई तथ्य या जानकारी छिपायी नहीं गई है, अगर मेरे द्वारा कोई तथ्य या जानकारी छिपायी जाती है या असत्य पाई जाती है तो उसका जवाबदार मैं शपथकर्ता स्वयं रहूँगा।

एनडीएमए, एनडीआरएफ और सीडीआरआई की प्रशंसा कर शाह ने कहा

भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए), राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और आपदा रोधी बुनियादी ढांचे के लिए गठबंधन (सीडीआरआई) की प्रशंसा की, जिससे भारत आपदा प्रबंधन में वैश्विक नेता बनने के करीब पहुंच गया। केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हम चाहते हैं कि इंटरस्टेट मॉक ड्रिल को सालाना कार्यक्रम बनाए। मेरा मानना है कि राज्यों की मदद के बिना इसतरह का काम संभव नहीं है। कई चक्रवात, कई आपदाएँ ऐसी होती हैं जिनके लिए इंटरस्टेट मॉक ड्रिल की जरुरत होती है और हम राज्यों की मदद के बिना नहीं कर सकते।

केंद्रीय मंत्री शाह ने कहा कि हम आने वाले दिनों में इस पर आगे बढ़ना चाहते हैं। हम स्टार्टअप इंडिया को आपदा राहत तकनीक के विकास से भी जोड़ना चाहते हैं। मैं आपको पहले से बता रहा हूँ कि राज्यों को भी इसके लिए मंथन शुरू कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पर्यावरण संरक्षण को ध्यान में रखकर आगे बढ़ना चाहिए। बीते 11 वर्षों में प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार ने जो काम किया है, वह सराहनीय है।

शाह ने कहा कि हम सभी के लिए यह हर्ष का विषय है कि 10 वर्षों के भीतर ही एनडीएएम, एनडीआरएफ और सीडीआरआई इन तीनों संस्थाओं ने भारत को आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में वैश्विक नेता बनने के और करीब ला दिया है। एनडीएमए ने नीतिगत मामलों की संरचना, शोध कार्य, विभिन्न प्रकार के अध्ययनों के लेखों को लोगों तक पहुँचाना, अनेक ऐप बनाना और नीतिगत मामलों के समग्र समन्वय में बहुत बढ़िया काम किया है।

अब तक कुल 92 मृतकों के डीएनए सैंपल का मिलान हो चुका है, 47 शव परिजनों को सौंपे गए

अहमदाबाद। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में मारे गए 92 लोगों के डीएनए सैंपल का मिलान हो गया है। अहमदाबाद सिविल अस्पताल के सर्जरी विभाग के प्रोफेसर डॉ. रजनीश पटेल ने आज सुबह मीडिया ब्रीफिंग में बताया कि अब तक कुल 47 शव परिवारों को सौंप दिए गए हैं। मीडिया ब्रीफिंग में आगे बताया गया कि अगले दो घंटों में 08 अन्य परिजनों को उनके परिजनों के पार्थिव शरीर सौंप दिए जाएंगे। फिलहाल सिविल अस्पताल में 13 परिजन मौजूद हैं, जिन्हें सम्मान के साथ उनके परिजनों के पार्थिव शरीर सौंप दिए जाएंगे।

अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दिया, पीएम मोदी का माना आभार

नई दिल्ली, एजेंसी। अमिताभ कांत ने जी20 शेरपा के पद से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने 45 वर्ष की अपनी सरकारी सेवा के दौरान कई कार्यभार संभाले। कांत ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी। इस पोस्ट में उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार भी जताया। केरल कैडर के 1980 बैच के सेवानिवृत्त भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) अधिकारी कांत को जुलाई 2022 में भारत का जी20 शेरपा बनाया गया था। भारत के जी20 की अध्यक्षता संभालने के कुछ महीने पहले उनकी नियुक्ति की गई थी।

पेशेवर मंच पर 'मेरा नया सफर' शीर्षक के साथ कांत ने लिखा कि 45 साल की समर्पित सरकारी सेवा के बाद, मैंने नए मौकों को अपनाने तथा जीवन में आगे

बढ़ने का फैसला किया है। मैं जी20 शेरपा के रूप में मेरा इस्तीफा स्वीकार करने और मुझे कई विकासात्मक पहलों को आगे बढ़ाने तथा भारत की वृद्धि, विकास एवं प्रगति में योगदान करने का अवसर देने के लिए भारत के प्रधानमंत्री मोदी का बहुत आभारी हूं।

बेहद उल्लेखनीय रहा कार्यकाल: कांत ने औद्योगिक नीति और संवर्धन विभाग के सचिव के रूप में मेक इन इंडिया, स्टार्ट अप इंडिया और ईज ऑफ डूइंग बिजनेस जैसे अभियान चलाए। इतना ही नहीं बतौर नीति आयोग सीईओ, कांत ने देश को नीति सुधारों की दिशा में गति दी। उन्होंने लिखा है कि केरल में मशहूर पर्यटन अभियान को आगे बढ़ाया। -साथ ही उन्होंने कोझिकोड (कालीकट) में मननचिरा मैदान के कायाकल्प, हवाईअड्डे के विस्तार, और मछुआरा समुदाय के साथ भी काम किया। इसके अलावा भारत की अध्यक्षता वाले जी20 शिखर सम्मेलन में भी अमिताभ कांत की अहम भूमिका रही। इस दौरान उन्होंने नीतिगत समन्वय सहित कई अहम चीजों में बड़ी भूमिका निभाई।

ईरान के पड़ोसी देशों ने की इजराइली हमले की निंदा, प्रॉक्सी ग्रुप्स सक्रिय

इजराइल का हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन

नई दिल्ली, एजेंसी। इजराइल ने गुरुवार रात ईरान में हमला कर दिया था जिसके बाद से दोनों देश एक-दूसरे पर लगातार हमले कर रहे हैं। इजराइल ने ईरान के नतांज परमाणु संवर्धन संयंत्र समेत कई परमाणु ठिकानों को निशाना बनाया जिसमें ईरान के कई सैन्य कमांडर और परमाणु वैज्ञानिकों की मौत हो गई। ईरान ने भी ताबड़तोड़ जवाबी हमले किए जिसके बाद सोमवार को ईरानी हमले में तेल अवीव शहर में कई घायल हो गए। दोनों देशों के बीच लड़ाई शुरू हुए 72 घंटे से ज्यादा हो चुके हैं और हमले में ईरान के मुताबिक 224 लोग मारे गए हैं जिनमें ज्यादातर नागरिक हैं।

इस हमले से मध्य-पूर्व में क्षेत्रीय अस्थिरता चरम पर है और पड़ोसी देशों की नजर इसपर है। इराक ने ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की है। इराक के पीएम मोहम्मद शिया अल-सुडानी के ऑफिस की तरफ से जारी एक बयान में कहा गया है कि इजराइल का हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है और इससे क्षेत्र में व्यापक युद्ध की शुरुआत हो सकती है।

उन्होंने कहा कि ईरान के साथ जब अमेरिका की परमाणु वार्ता चल ही रही थी, ऐसे में परमाणु हथियारों का डर बताकर ईरान पर हमला करना जानबूझकर संघर्ष को दावत देने जैसा है। इजराइल ने ईरान पर हमले के पीछे तर्क दिया है कि ईरान परमाणु बम बना सकता है जो उसके अस्तित्व के लिए खतरा है। वहीं इराक के साथ अपनी दोस्ती को देखते हुए ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने इराक से कहा है कि वह इजराइल को हमले के लिए अपने हवाई क्षेत्र का इस्तेमाल करने की अनुमति न दे।

इराक के पीएम सुडानी के साथ फोन पर हुई बातचीत में ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने कहा कि हम कहना चाहते हैं कि इराकी सरकार को अपनी सीमाओं और हवाई क्षेत्र की अधिक सतर्कता और सुरक्षा करनी चाहिए ताकि इराकी क्षेत्र का इस्लामी गणराज्य ईरान के खिलाफ दुरुपयोग न हो सके।

इराक में ईरान समर्थित प्रॉक्सी ग्रुप्स भी सक्रिय है और इजराइली हमले के खिलाफ ईरान के समर्थन में खड़े हैं। इराक के हिज्बुल्लाह ब्रिगेड ने कहा है कि ईरान के पास पर्याप्त सैन्य क्षमता है जिससे वह इजराइल का मुकाबला कर सकता है। संगठन ने चेतावनी दी कि अगर इजराइल -ईरान की लड़ाई में अमेरिका शामिल होता है तो वह क्षेत्र में अमेरिकी हितों और मिलिट्री बेस को निशाना बनाएंगे।

इजराइल और जॉर्डन के बीच सामान्य राजनयिक रिश्ते हैं जबकि ईरान के साथ जॉर्डन के रिश्तों में तल्खी है। ईरान पर इजराइल के हमलों की जॉर्डन ने निंदा नहीं की थी और उसने तनाव को देखते हुए अपना एयरस्पेस बंद कर दिया था। इसके साथ ही जॉर्डन ने कहा था कि ईरान और इजराइल दोनों देशों को हमले के लिए वह अपना हवाई क्षेत्र इस्तेमाल नहीं करने देगा।

इजराइल के हमले के बाद ईरान ने उस पर सैकड़ों ड्रोन दागे। उसके ड्रोन्स जॉर्डन के हवाई क्षेत्र से भी गुजरे जिसे जॉर्डन ने मार गिराया था। जॉर्डन की सेना ने कहा था कि जो मिसाइल और ड्रोन उसके क्षेत्र से होकर गुजरे, उन्हें मार गिराया गया। इजराइल-ईरान की लड़ाई में जॉर्डन तटस्थ है लेकिन ईरानी ड्रोन को मार गिराने के उसके कदम को इजराइल के समर्थन में माना जा रहा है।

लेबनान ने ईरान पर इजराइली हमले की निंदा की है और उसने कहा है कि इससे क्षेत्र में तनाव और बढ़ा है। ईरान ने जब इजराइल पर जवाबी हमले किए तब लेबनान में इसे सेलिब्रेट किया और लोगों ने पटाखे फोड़े। लेबनान में ईरान समर्थक प्रॉक्सी ग्रुप हिज्बुल्लाह का गढ़ है।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री, लोक निर्माण विभाग, सेतु निर्माण संभाग भोपाल (म.प्र.)

निविदा सूचना

निविदा सूचना क्रमांक 04/सेतु/2025-26/का.यं. भोपाल, दिनांक 10/06/2025

निम्नलिखित कार्य हेतु निविदा आमंत्रित की जाती है। उल्लेखित कार्य का विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

क्र.	टेण्डर क्रमांक	जिला	कार्य का प्रकार	कार्य का नाम	आमंत्रण क्र.	कार्य की अनु. राशि (रु.लाख में)	टीप
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWDRB _429680_1	भोपाल	पुल कार्य	लो.नि.वि सेतु निर्माण उपसंभाग क्रमांक-1 भोपाल के अंतर्गत पुलों एवं पहुँच मार्ग का वार्षिक मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.95	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
2	2025_PWDRB _429692_1	विदिशा	पुल कार्य	लो.नि.वि सेतु निर्माण उपसंभाग विदिशा के अंतर्गत पुलों एवं पहुँच मार्ग का वार्षिक मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.89	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
3	2025_PWDRB _429693_1	भोपाल	पुल कार्य	सेतु उपसंभाग क्रमांक-1 भोपाल के अंतर्गत आने वाले जलमग्नीय पुल में मौजूदा पाईप रेलिंग हटाना एवं फिर से लगाने का कार्य।	प्रथम	3.06	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
4	2025_PWDRB _429699_1	विदिशा	पुल कार्य	सेतु उपसंभाग विदिशा के अंतर्गत आने वाले जलमग्नीय पुल में मौजूदा पाईप रेलिंग हटाना एवं फिर से लगाने का कार्य।	प्रथम	2.99	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
5	2025_PWDRB _429705_1	रायसेन	पुल कार्य	सेतु उपसंभाग रायसेन के अंतर्गत आने वाले जलमग्नीय पुल में मौजूदा पाईप रेलिंग हटाना एवं फिर से लगाने का कार्य।	प्रथम	4.94	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
6	2025_PWDRB _429708_1	बैतूल	पुल कार्य	सेतु उपसंभाग बैतूल के अंतर्गत आने वाले जलमग्नीय पुल में मौजूदा पाईप रेलिंग हटाना एवं फिर से लगाने का कार्य।	प्रथम	7.04	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
7	2025_PWDRB _429673_1	बैतूल	पुल कार्य	लो.नि.वि सेतु निर्माण उपसंभाग बैतूल के अंतर्गत पुलों एवं आर.ओ.बी का मरम्मत कार्य।	प्रथम	16.89	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
8	2025_PWDRB _429682_1	नर्मदापुरम	पुल कार्य	लो.नि.वि सेतु निर्माण उपसंभाग क्रमांक-1 नर्मदापुरम के अंतर्गत पुलों एवं पहुँच मार्ग का वार्षिक मरम्मत कार्य।	प्रथम	19.71	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
9	2025_PWDRB _429702_1	नर्मदापुरम	पुल कार्य	सेतु उपसंभाग क्रमांक-1 नर्मदापुरम के अंतर्गत आने वाले जलमग्नीय पुल में मौजूदा पाईप रेलिंग हटाना एवं फिर से लगाने का कार्य।	प्रथम	5.32	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
10	2025_PWDRB _429711	विदिशा	पुल कार्य	विदिशा जिले में बासौदा से उदयपुर मार्ग में एल.सी. क्रमांक 293 पर बी.टी. का मरम्मत कार्य।	द्वितीय	19.87	मूल एफ.डी.आर का भुगतान ऑनलाईन होगा एवं समस्त दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें।
				योग			

उपरोक्त निविदा प्रपत्र (टेण्डर डाक्यूमेंट) आनॅलाइन भुगतान करने के उपरान्त वेबसाइट के माध्यम से प्राप्त हो सकेगा। निविदा प्रपत्र क्रय करने की अंतिम तिथि 30/06/2025, (17.30) बजे निर्धारित है। विस्तृत एन.आई.टी. एवं अन्य जानकारी उपरोक्त वेबसाइट में देखा जा सकता है। निविदा में होने वाले समस्त संशोधन का प्रकाशन केवल उपरोक्त वेबसाईट पर किया जायेगा। पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जायेगा।

मूल एफ.डी.आर. का भुगतान केवल ऑनलाईन होगा एवं अन्य दस्तावेज ऑनलाईन जमा होगें। भौतिक रुप से किसी भी प्रकार के दस्तावेज कार्यालय में जमा नहीं किये जायेगें।

कार्यपालन यंत्री
लोक निर्माण विभाग,सेतु निर्माण संभाग
भोपाल (म.प्र.)

G14397/25

पांसी घाट से प्रारंभ कर सात दिवसीय किसान अधिकार यात्रा निकाली

मूंग के सर्मथन मूल्य खरीदी को लेकर ज्ञापन सौंपा

नर्मदापुरम, निप्र / कांग्रेस ने नायब तहसीलदार सृष्टि डेहरिया को किसानों की विभिन्न मांगों को लेकर एक ज्ञापन सौपा। जिसमें उल्लेख किया कि नर्मदापुरम सहित प्रदेश के कई जिलो में तीसरी फसल के रूप में मूंग की फसल व्यापक क्षेत्रफल में ली जा रही है जो कि मध्यप्रदेश की आर्थिक सम्पन्नता में किसानों की भागीदारी का प्रमाण है। बीते दोनों सरकार द्वारा मूंग को जहरीली बताकर खरीदी करने से इनकार किया गया। जिससे उत्पन्न कीसानों की पीड़ा को देखते हुए प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिले के कांग्रेस कार्यकर्ताओं द्वारा बनखेडी के पांसी घाट से प्रारंभ कर सात दिवसीय किसान अधिकार यात्रा संपूर्ण जिले में

निकली गई। परिणाम स्वरुप सरकार को मूंग खरीदी का निर्णय लेना पड़ा। जिसके लिए हम सब सरकार के आभारी है तथा हम हृदय से धन्यवाद ज्ञापित करते है परंतु प्रदेश सरकार की अनुचित, अस्पष्ट नीति एवं मंशा के कारण किसानों के मन में असंतोष, भय एवं संशय का वातावरण निर्मित हुआ है। अत: निम्न बिंदुओ पर संज्ञान लेकर सहानुभूतिपूर्वक विचार कर स्थिति स्पष्ट करें। नर्मदापुरम पर्यटन

1. मूंग सर्मथन मूल्य खरीदी शीघ्र प्रांरभ कर खरीदी की सीमा कम से कम प्रति एकड़ पांच क्विंटल निर्धारित की जाए।

2. खरीदी केंद्र ग्रामीण सीमा से अधिकतम पांच किलोमीटर से अधिक दूरी पर न हो एवं तुलाई बड़े कांटे पर की जाए तथा यह भी सुनिश्चित की जाए खरीदी केंद्र पर बारिश से बचनें की पर्याप्त व्यवस्था हो।

3.नलकूपों की मोटर की बिना जांच-पड़ताल कर बढ़ाये बिल कम किये जाए एवं किसानों पर लगाए मुकदमें वापिस लिए जाए।

4.बिजली बिल बसूली को सामूहिक जिम्मेदारी मानकर अवैध रूप से काटी गई ग्राम की विजली की आपूर्ती तत्काल प्रभाव से बहाल की जाए।

5.आगामी खरीफ फसल के लिए डी ए पी, यूरिया एंव अन्य खाद बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराई जाए

6.खाद बीज दवा की दुकानों पर बिक रही नकली सामग्री की जांच कर कार्रवाई की जाए।

7.बंद पड़ी मिट्टी परिक्षण प्रयोगशालाओं को अविलंब प्रारंभ की जाए।

उक्त बिंदुओं पर शीघ्रतापूर्वक विचार करें अन्यथा हमें आंदोलन की राह पुन: पकड़नी होगी।

ज्ञापन सौपने के बाद एक निजी रेस्टोरेंट में प्रेस वार्ता आयोजित कर उक्त जानकारी दी गई।इस अवसर पर कांग्रेस जिला अध्यक्ष गुड्डन पांडे, पूर्व जिला अध्यक्ष पुष्पराज पटेल, विजय बाबू चौधरी, कांग्रेस नगर अध्यक्ष धर्मेंद्र तिवारी, फैज़ान उल हक़, जितेंद्र सोलंकी, मधुसूदन यादव, पूर्व नगर अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं अनिल रैकवार शामिल रहे।

भाजपा वर्ग प्रशिक्षण के समापन पर एक पेड़ मां के नाम कार्यक्रम

पचमढ़ी में मंत्री, सांसद, विधायकों ने रोपे 205 औषधीय पौधे

पिपरिया, निप्र। पचमढ़ी में भाजपा वर्ग प्रशिक्षण के समापन पर वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। एक पेड़ मां के नाम पार्क में प्रशासन के सहयोग से 205 औषधीय पौधे रोपे गए।

मध्य प्रदेश सरकार के मंत्री प्रहलाद पटेल ने स्वयं पौधा रोपकर मिट्टी और पानी से उसे सिंचित किया। नगरीय आवासीय मंत्री कैलाश विजयवर्गीय, मंत्री राजेंद्र शुक्ल और विधायक रीति पाठक समेत कई जनप्रतिनिधियों ने इस अभियान में हिस्सा लिया।

वृक्षारोपण प्रभारी कैंट पार्षद संजय लेडवानी के अनुसार, पचमढ़ी

की जलवायु को ध्यान में रखते हुए तीन प्रमुख प्रजातियों - आंवला, हर्रा और बहेड़ा के पौधे लगाए गए। ये औषधीय पौधे इस क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से पाए जाते हैं और चिकित्सकीय महत्व रखते हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पर्यावरण संरक्षण की सोच के अनुरूप आयोजित इस कार्यक्रम में प्रत्येक पौधे के साथ लगाने वाले और पौधे का नाम भी अंकित किया गया है। प्रशिक्षण शिविर के बाद जनप्रतिनिधियों ने लगातार वृक्षारोपण में भाग लिया।

भगवान चित्रगुप्त पर टिप्पणी करने को लेकर पंडित प्रदीप मिश्रा से माफी मांगने की मांग

अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने कहा समाज की भावनाएं आहत

नर्मदापुरम, निप्र। अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति ने कथा वाचक पंडित प्रदीप मिश्रा से भगवान चित्रगुप्त पर की गई टिप्पणी को लेकर माफी मांगने की मांग की है। अखिल भारतीय कायस्थ समाज मातृशक्ति की जिला अध्यक्ष ज्योति वर्मा ने कहा कि भगवान चित्रगुप्त पर इस प्रकार की टिप्पणी से समाज आहत है।

माफी की मांग करने वालों में सुमन वर्मा , प्रीती खरे, रश्मि सक्सैना , मंजू श्रीवास्तव, राजेंद्र श्रीवास्तव, शीतल सक्सेना, सारिका सक्सेना, नगर पालिका उपाध्यक्ष अभय वर्मा, मंजू वर्मा, विनीत वर्मा, सविता सक्सेना, बबीता सक्सेना , गुनगुन खरे, मनोज वर्मा, बंटी वर्मा , गुड्डू वर्मा , अभिषेक सक्सेना , रश्मि वर्मा, अश्वनी वर्मा , अशोक वर्मा,

विजय वर्मा, मनोज श्रीवास्तव, केशव देव वर्मा, सी बी खरे, राजेंद्र प्रसाद श्रीवास्तव , सुनील सक्सेना, जिला अध्यक्ष ज्योति वर्मा, सुमन वर्मा, मंजू श्रीवास्तव ,प्रीति खरे , ऊषा वर्मा, शीतल श्रीवास्तव, सारिका सक्सेना, रश्मि सक्सेना, अदिति वर्मा , गुनगुन खरे, पीहू वर्मा, रश्मि वर्मा सहित अनेक लोग शामिल हैं। इन्होंने कथा वाचक पंडित मिश्रा से कहा कि इस प्रकार की टिप्पणी भगवान चित्रगुप्त पर करना अच्छा नहीं है। समाज से उन्हें माफी मांगना चाहिए । समाज का कहना है कि पंडित मिश्रा को अपने शब्दों की जिम्मेदारी लेनी चाहिए और भविष्य में ऐसी टिप्पणियों से बचना चाहिए। कायस्थ समाज के लोग भगवान चित्रगुप्त को बहुत सम्मान देते हैं और उनकी टिप्पणियों से आहत महसूस कर रहे हैं। पंडित मिश्रा अपनी गलती को स्वीकार करें और माफी मांगें।

मत्स्य पालन से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ता किसान परिवार

नर्मदापुरम। नर्मदापुरम जिले के विकासखंड पिपरिया के ग्राम धनश्री की श्रीमती सोमकला पटेल एवं जोगेन्द्र पटेल ने मत्स्य पालन के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की मिसाल कायम की है। प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना के तहत उन्हें अनुदान प्राप्त हुआ, जिससे उन्होंने अपने खेत में नवीन तालाब का निर्माण कर मत्स्य पालन का कार्य आरंभ किया। अनुदान प्राप्त कर उन्होंने फीड मिल, बायोफ्लॉक टैंक तथा तालाब की स्थापना एवं संचालन के लिए आधुनिक तकनीक का प्रशिक्षण प्राप्त किया। विभाग द्वारा निरंतर सहायता प्रदान की गई जिससे उनका उत्पादन 50 से 60 टन तक पहुँच गया। इस उत्पादन से उन्हें 20 से 25 लाख रुपये का शुद्ध लाभ प्राप्त हुआ।

डॉक्टर-जनप्रतिनिधियों ने एक-दूसरे पर लगाए लापरवाही के आरोप

सिविल अस्पताल में मरीज के इलाज को लेकर विवाद

रायसेन, निप्र। गैरतगंज के सिविल अस्पताल में मरीज को समय पर इलाज न मिलने को लेकर विवाद हुआ। बीएमओ अर्नेस्ट लाल से मंडल अध्यक्ष संजय जैन और नगर पालिका अध्यक्ष जिनेश सिंघई पर मारपीट के आरोप लगाए हैं।

बीएमओ ने दोनों जनप्रतिनिधियों के खिलाफ शासकीय काम में बाधा और अभद्रता का आरोप लगाते हुए पुलिस में शिकायत दर्ज कराई। वहीं, दोनों जनप्रतिनिधियों ने भी डॉक्टर पर

अभद्रता और काम में लापरवाही का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराने थाने में आवेदन दिया।

बीएमओ की कार ने चार लोगों को मारी टक्कर: मामला यहीं नहीं रुका। रविवार देर शाम बीएमओ की कार ने थाने के सामने वरिष्ठ नागरिक शिखरचंद जैन समेत चार लोगों को टक्कर मार दी। इस घटना से नाराज होकर लोगों की भीड़ ने थाने में जमकर हंगामा किया। घटना की सूचना मिलते ही एसडीओपी आलोक श्रीवास्तव मौके पर पहुंचे। पुलिस मामले की जांच कर रही है। घायलों का सिविल अस्पताल में इलाज जारी है।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के आयोजन

आयुष विभाग द्वारा पूर्व योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया

नर्मदापुरम। आयुष मंत्रालय भारत सरकार द्वारा 11 वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम हेतु निर्धारित थीम एक पृथ्वी एक स्वास्थ्य के लिए योग का आयोजन योग पार्क गतिविधि के अंतर्गत पूर्व योगाभ्यास कार्यक्रम आज 16 जून 2025 को नेहरू पार्क, नर्मदापुरम में प्रात: 7 बजे से 8 बजे तक आयोजित किया गया।

जिसमें अंतरराष्ट्रीय योगदिवस के लिए निर्धारित प्रोटोकॉल अनुसार सभी योग मुद्राओं, आसनों का योगाभ्यास योगा ट्रेनर एवं योग प्रशिक्षक नरेंद्र गौर,कमलेश गौर,रघुवीर सिंह राजपूत,मुकेश मालवीय, नंदकिशोर रघुवंशी,जयंत रावत, पवन रैकवार ,कु.शिक्षा नागर ,कु.मेघा कौशिक,कु.प्राची यादव ,श्रीमती वर्षा यादव द्वारा कराया गया, यह आयोजन जिला प्रशासन के मार्गदर्शन में आयुष विभाग नर्मदापुरम द्वारा किया गया ।

जिला आयुष अधिकारी डॉ.विमला गढ़वाल के निर्देशानुसार अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस का पूर्वाभ्यास डॉ.एस.आर. करोंजिया कार्यक्रम नोडल अधिकारी के नेतृत्व में डॉ.अक्षय जैन,डॉ.अशोक पुष्कर,डॉ.सविता पुष्कर,डॉ.ललिता उइके एवं आयुर्वेद चिकित्सालय व आयुष विंग के समस्त स्टाफ शामिल हुए।

इस योगभ्यास कार्यक्रम में कई सामाजिक कार्यकर्ताओं व आमजनों सहित कुल 107 लोगों द्वारा योगाभ्यास कर कार्यक्रम को सफल बनाया गया।

शासकीय विद्यालयों का निरीक्षण

विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता का निर्देशन में जिले में संचालित शासकीय विद्यालयों की सघन मॉनिटरिंग करने के निर्देश दिए गए हैं प्राप्त निर्देशों के अनुपालन में आज एपीसी श्री दिनेश कुमार विश्वकर्मा एवं जन शिक्षक तुलसी राम अहिरवार के द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला धतूरिया का निरीक्षण प्रात: 9.15 बजे किया गया निरीक्षण के दौरान मौके पर समस्त स्टाफ उपस्थित मिला। शाला में दर्ज छात्र 31 है एवं शाला में 10 ही छात्र उपस्थित मिले। शिक्षकों को शत-प्रतिशत छात्रों की उपस्थिति कराने के लिए निर्देशित किया गया है। शासकीय माध्यमिक शाला धतूरिया में भी 34 छात्र दर्ज हैं 11 छात्र उपस्थित मिले हैं। शाला में समस्त स्टाफ उपस्थित पाया गया।

नेशनल हाईवे पर केसला के लाल नाले के पास कपास से भरा ट्रक जला

इटारसी, निप्र। सोमवार को सुबह करीब 6-30 बजे नागपुर से मंडीदीप जा रहे कपास से भरे एक ट्रक में केसला के लाल नाले के पास अचानक आग लग गई। देखते ही देखते पूरा ट्रक जलकर खाक हो गया।

ट्रक चालक समीर मंसूरी निवासी धार ने बताया कि नागपुर से कपास की गठान लेकर मंडीदीप जा रहा था। केसला के लाल नाले के पास ट्रक से धुआं निकलता देख उसने गाड़ी रोकी। जब उसने चेक किया तो ट्रक में आग लगी थी।

चालक ने धूल डालकर आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन आग पूरे ट्रक में फैल गई। सूचना मिलते ही इटारसी नगर पालिका की फायर ब्रिगेड और केसला पुलिस मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया।

जनचेतना शिविरों के माध्यम से प्रशिक्षण जारी

विदिशा। कलेक्टर अंशुल गुप्ता द्वारा दिए गए निर्देशो के अनुपालन में आपदा प्रबंधन से बचाव के उपायो से अवगत कराने हेतु जनचेतना शिविरो का आयोजन जारी हैं होमगार्ड के माध्यम से आयोजित किए जा रहे शिविरो की जानकारी देते हुए डिस्ट्रिक्ट कमाण्डेट श्री मयंक जैन ने बताया कि कुरवाई तहसील में तीन दिवसीय प्रशिक्षण आयोजित किया गया है जो नियत तिथि पर निर्धारित स्थल पर दोपहर तीन बजे से शुरू होगा। जनचेतना शिविर का जारी कार्यक्रम अनुसार 18 जून को ग्राम पंचायत सिरावदा, 19 को ग्राम पंचायत सिरावली में, ग्राम कोटा सिरावली एवं मदउखेडी का संयुक्त रूप से आयोजित किया गया है। शुक्रवार 20 जून को ग्राम पंचायत लचारा में ग्राम बोथी व लचारा का संयुक्त जनचेतना शिविर आयोजित किया गया है।

मानसून से पहले इटारसी में नालों की सफाई शुरू

जेसीबी से हो रही खुदाई, 21 मुख्य स्थानों पर चल रहा काम

इटारसी, निप्र। इटारसी नगर पालिका परिषद ने मानसून से पहले शहर के सभी प्रमुख नालों की सफाई अभियान शुरू कर दिया है। पहली बारिश से पहले सभी नालों की सफाई का लक्ष्य रखा गया है। इससे जलभराव की समस्या से निजात मिल सकेगी।

नगर पालिका परिषद के अध्यक्ष पंकज चौरे ने वार्ड 32 और 33 में नालों की सफाई का निरीक्षण किया। उन्होंने जेसीबी चलाने में बाधक अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान वार्ड 33 के पार्षद प्रतिनिधि रमेश धूरिया और वार्ड 32 की पार्षद श्रीमती

कीर्ति संजय दुबे मौजूद थीं।

सफाई अभियान में नालों से निकले कचरे, प्लास्टिक और गाद को तुरंत हटाया जा रहा है। विशेष ध्यान उन क्षेत्रों पर दिया जा रहा है, जहां पिछले वर्षों में जलभराव की समस्या रही है। अभियान में जेसीबी और डंपर का उपयोग किया जा रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने नगर पालिका के इस प्रयास की सराहना की है। पिछले वर्षों में नालों के जाम होने से कई इलाकों में घरों और दुकानों में पानी घुसने की समस्या हुई थी। नगर पालिका को उम्मीद है कि इस सफाई अभियान से मानसून में जलभराव की समस्या पर नियंत्रण होगा। यह अभियान आने वाले कुछ दिनों तक जारी रहेगा।

आपदा से बचाव के लिए जन चेतना शिविरों का आयोजन जारी

विदिशा। आगामी मानसून को दृष्टिगत रखते हुए जिला विदिशा में एक ईओसी (इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर) जो मुख्यालय स्तर पर रहेगा। इसके साथ ही 11 डीआरसी जो थाना तथा तहसील स्तर पर तैनात की गई है। साथ ही 3 क्यूआरटी मुख्यालय स्तर पर तैनात की गई है। इन क्यूआरटी तथा डीआरसी में आपदा राहत बचाव के समस्त संसाधनों जैसे बोट, लाइव जैकेट, लाइव बॉय, रस्सा, टॉर्च, बलाई आदि प्रदान की गई हैं।

कृषि विभाग की आत्मा योजना से प्रेरित कृषक नर्मदा प्रसाद मीना ने किया नवाचार

उन्नत किस्म के चने से एक एकड़ में कम लागत में अर्जित किया अधिक मुनाफा

नर्मदापुरम, निप्र। कृषि विभाग द्वारा संचालित आत्मा योजनान्तर्गत कृषकों को उन्नत तकनीकों एवं गुणवत्तापूर्ण बीजों की सहायता से खेती में नवाचार हेतु प्रोत्साहित किया जा रहा है। इसी दिशा में माखन नगर तहसील के ग्राम खिड़िया निवासी कृषक श्री नर्मदा प्रसाद मीना ने आत्मा योजना के तहत उन्नत किस्म आरवीकेजी - 111 के चने का क्रय कर उसके प्रयोग से कृषि में सफलता की नई मिसाल कायम की है।

मीना ने बताया कि उन्होंने आत्मा योजना के तहत प्राप्त मार्गदर्शन से अपने एक एकड़ कृषिभूमि में मात्र 30 किलो चने की बोवनी की, जिस पर कुल 10 हज़ार रुपए की लागत आई। आधुनिक तकनीक एवं समुचित देखरेख के चलते उन्हें 12 क्विंटल चने का उत्पादन प्राप्त हुआ। यह चना बाजार में 7500 से 8500 रुपए प्रति क्विंटल की दर से बिक्री हुई, जिससे उन्हें कुल 85 से 90 हज़ार रुपए की आमदनी हुई। लागत निकालने के बाद श्री मीना को 75 से 80 हज़ार रुपए तक का शुद्ध मुनाफा हुआ। यह लाभ पारंपरिक किस्मों की अपेक्षा 20 से 25 हज़ार रुपए अधिक है। उन्होंने बताया कि यह सफलता आत्मा योजना की मार्गदर्शिका और उन्नत बीजों के कारण संभव हो पाई।

बाल बांधकर और ग्लव्स पहनकर खाना बनाएं

मध्याह्न भोजन बनाने वाली 85 महिला रसोइयों को 8 बिंदुओं पर ट्रेनिंग

सिवनी मालवा, निप्र। सिवनी मालवा के शासकीय नवीन हाई स्कूल में मध्याह्न भोजन बनाने वाली 85 महिला रसोइयों को ट्रेनिंग दी गई। कार्यक्रम सोमवार दोपहर 12 बजे शुरू हुआ। कनिष्ठ खाद्य आपूर्ति अधिकारी विनय सैनी और बीआरसीसी संगीता यादव ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया।

विनय सैनी ने स्व-सहायता समूह के पदाधिकारियों और रसोइयों को उनके कर्तव्यों से अवगत कराया। उन्होंने मेन्यू के अनुसार पोषक और स्वादिष्ट भोजन बनाने की जानकारी दी। रसोइयों को व्यक्तिगत स्वच्छता पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी गई। भोजन बनाते समय कैप पहनना अनिवार्य बताया गया। कार्यक्रम में मध्याह्न भोजन बनाने वाली महिलाओं का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। बीआरसीसी संगीता यादव ने बताया कि 85 महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। रसोई में काम

करते समय पर साफ कपड़े पहनें। विभिन्न डिस्पोजेबल दस्ताने उपलब्ध हैं, जिनका उपयोग कच्चे और पके हुए भोजन को संभालते समय किया जाना चाहिए। फिसलन रहित, बंद जूते पहनें। महिलाएं अपने बाल बांधकर रखें। अपने नाखूनों को छोटा और साफ रखें। रसोई में बंद और जाम नालियां कीटों को आमंत्रित करती हैं, इसलिए रसोई की नालियों को साफ और स्वच्छ रखें। किसी भी टूटे, क्षतिग्रस्त या टपकते नल, सिंक और नालियों की भी जल्द से जल्द मरम्मत कराएं।

भोजन के तुरंत बाद सफाई करें, जिससे कीड़ों को रसोई में घुसने से रोका जा सके।

धरती आबा अभियान के तहत छह स्थलों पर शिविरों का आयोजन

विदिशा। *धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान अंतर्गत धरती आबा अभियान जागरूकता और लाभ संतृप्ति शिविरो का आयोजन विदिशा जिले में शिविरो का आयोजन शुरू हुआ है जो 30 जून तक जारी रहेगा। धरती आबा योजना के तहत मंगलवार को दो विकासखण्डो के छह ग्रामो में एक साथ शिविरो का आयोजन किया गया है जारी कार्यक्रम के अनुसार बासौदा विकासखण्ड के पांच ग्राम क्रमश: बैदकचैडा, त्योंदा, करीमपुर, दैलवाडा, बरमढी तथा लटेरी के ईसागढ में आयोजित किया गया है। कलेक्टर अंशुल गुप्ता ने धरती आबा के तहत आयोजित होने वाले शिविरो के उद्धेश्यो की प्राप्ति के लिए ग्रामवार नोडल अधिकारी नियुक्त किए है जिन ग्रामो में शिविर आयोजित होंगे।*

तेंदुए के हमले में 7 साल के बच्चे की मौत

गले और मुंह पर काटा घर के बाहर खेल रहा था

नर्मदापुरम, निप्र। तेंदुए ने 7 साल के बच्चे पर हमला कर दिया। उसके गले और मुंह पर काटा, जिससे बच्चे की मौत हो गई।

घटना सतपुड़ा टाइगर रिजर्व के सिंगानामा कतियाढाना रोड स्थित ठोगापुरा में रविवार शाम करीब सात बजे की है। प्रहलाद इरपाचे ठाकुर घर के बाहर खेल रहा था। इसी बीच तेंदुए ने बच्चे को पकड़ लिया। चीखने की आवाज सुनकर मां शीला बाई, पिता भगतराम और अन्य परिजन घर से बाहर आए। हिम्मत दिखाकर किसी तरह तेंदुए से बच्चे को छुड़ाया।

परिजन बच्चे को लेकर नजदीकी मटकुली गांव पहुंचे। यहां से डिप्टी रेंजर पंकज यादव की टीम ने प्रहलाद को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया। जहां डॉ. देवेंद्र ठाकुर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सोमवार को पिपरिया मेडिकल कॉलेज अस्पताल में पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजन को सौंप दिया।

ग्रामीण बोले- पहले भी दिखा तेंदुआ: एसडीओ संजीव शर्मा ने कहा- तेंदुए के हमले से मृत बच्चे के

परिवार को 8 लाख रुपए की मुआवजा राशि दी जाएगी। गांव जंगल से लगा हुआ है इसलिए वन्य प्राणियों का मूवमेंट बना रहता है। तेंदुए को पकड़ने के लिए पिंजरा लगाया गया है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी डी.पी.गोयल द्वारा प्रभा काम्पलेक्स के पास, मीनाक्षी चौक, आई.टी.आई. रोड, होशंगाबाद से प्रकाशित तथा श्री बालाजी प्रिन्टर्स, 21-एच, इंडस्ट्रीयल एरिया, गोविन्दपुरा, भोपाल- 462023 (म.प्र.) से मुद्रित। संपादक- डी.पी.गोयल। मो.9827054436 भोपाल कार्यालय : 4240007.
डाक पंजीयन - MP/HSD04/2023-2025 व्यवस्थापक- डी.सी. पारे, मो. 8878623331 Email: amritdarshan@yahoo.com (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र भोपाल रहेगा।)।